खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 07 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-158

मोदी को करना पड़ेगा भीतरी और बाहरी दुष्चक्रों से मुकाबला

'पप्पू पास हो गया'... अब देश को 'फेल' करेगा

जब 2024 लोकसभा चुनावों में मतदान के सातों चरणों का समापन हुआ, उसके बाद विपक्षी गठबंधन अपना एक अलग एग्जिट पोल लेकर आया। विपक्ष के अगुआ बने राहुल गांधी ने टीवी चैनेलों के एग्जिट पोल को मोदी-पोल कहा और अपने आकलन को जनता-पोल नाम दिया। उन्होंने दावा ठोका कि उनका गठबंधन 295 सीटें जीतने वाला है। ध्यान दीजिए, उन्होंने 290 या 300 का आंकड़ा नहीं दिया, उन्होंने यह नहीं कहा कि उनका गठबंधन फलां नंबर से लेकर फलां नंबर के बीच सीटें जीत सकता है। राहुल ने सीधा अपनी जीत का नंबर 295 बताया।

आखिर इसके पीछे क्या सोच थी, क्या तर्क था, अगर ऐसा कुछ था भी तो, इस पर चर्चा स्वाभाविक थी। जब पत्रकारों ने इस विषय में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से पूछा तो उन्होंने तुनक कर संक्षिप्त अंदाज में सिद्धू मूसेवाला का नाम लिया। सिद्धू मूसेवाला पंजाब के गायक थे जिन्होंने कांग्रेस की तरफ से विधानसभा चुनाव लड़ा था। उनकी मई 2022 में हत्या कर दी गई थी। अपने गानों के भड़काऊ बोल के कारण कुख्यात हुए सिद्धू मूसेवाला के एक गीत का नाम ही 295 था।

सिद्धू मूसेवाला को अपने गानों के माध्यम से बंदूकबाजी की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भी जाना जाता है। तो यह सवाल उठना स्वाभाविक कि क्या राहुल गांधी द्वारा दिए गए नंबर का संबंध इसी गाने से

शुभ-लाभ चिंता

था? इंडी गठबंधन वालों ने किसी पोलिंग एजेंसी को सर्वे वगैरह के लिए लगाया तो था नहीं, तो स्पष्ट है कि उन्होंने 295 वाले आंकड़े की भविष्यवाणी की तो इसके पीछे कुछ न कुछ प्रतीकवाद रहा होगा।

आप विचार करें, 295 वाला नंबर बोले जाने के पीछे एक और इतिहास जुड़ा हुआ है। 1977 में जब इंदिरा गांधी के खिलाफ विपक्षी दलों ने एक होकर जनता पार्टी का गठन किया था और भारत की उस समय की सबसे शक्तिशाली नेता को मात दी थी, उस समय जनता पार्टी को मिली कुल सीटों की संख्या 295 थी। संख्या 295 और इसके साथ जनता का पोल वाला टैगलाइन जोड़ा जाना, यह संयोग नहीं सुनियोजित कृत्य था।

2024 में नरेंद्र मोदी उसी चुनौती से जूझ रहे थे जिससे 10 वर्ष पूर्व मनमोहन सिंह जूझ रहे थे। एक दशक तक सरकार चलाने के बाद तीसरे कार्यकाल के लिए जनमत की मांग। लेकिन मोदी और मनमोहन का फर्क यह था कि तब मनमोहन सिंह की हार के जो भी कारक थे वो सब मोदी पर कतई लागू नहीं हो रहे थे। चुनाव परिणाम में भाजपा भले ही पूर्ण बहुमत से चूक गई लेकिन एनडीए को बहुमत मिला और नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं।

यूपीए-3 भले ही वास्तविकता में तब्दील नहीं हो पाया, लेकिन मोदी-3 हमारे सामने है। चुनावों के दौरान ये तो स्पष्ट हो गया कि विपक्ष और उसका पूरा का पूरा समर्थक तंत्र नरेंद्र मोदी को उसी तरह हराने में लगे थे जैसे इंदिरा गांधी को हराया गया था। ▶9पर

चुनाव नतीजों से पहले ही कांग्रेस के दबाव में आ गया सेबी

गांधी परिवार के करीबी को बना दिया सेबी का चीफ

■ यशवंत थोराट की पत्नी उषा थोराट बनाई गईं चीफ
■ फिर राहुल को उड़ानी ही थी शेयर घोटाले की पतंग

मुंबई, 06 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों के बाद और केंद्र सरकार के दोबारा गठन से पहले ही कांग्रेस के दबाव में आए सिक्युरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने गांधी परिवार के करीबी यशवंत थोराट की पत्नी उषा थोराट को सेबी पैनल का चीफ नियुक्त कर दिया। सेबी ने उषा थोराट को स्टॉक एक्सचेंजों के सेटलमेंट गारंटी फंड की समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। सेबी के इस हड़बड़ी में उठाए गए कदम पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इस

नियुक्ति के समय और कैंडिडेट के चयन पर भी सवाल उठ रहे हैं। सीधे तौर पर कहा जा रहा है कि राहुल गांधी के दबाव में सेबी ने यह कार्रवाई की। इसके बाद ही राहुल गांधी ने शेयर घोटाले का मामला उठाना शुरू कर दिया।

उषा थोराट, यशवंत थोराट की पत्नी हैं, जिन्हें नवंबर 2007 में नाबार्ड के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त होने के बाद राजीव गांधी फाउंडेशन का सीईओ बनाया गया और वे एक दशक से भी अधिक समय तक इस पद पर बने रहे। थोराट गांधी परिवार के स्वामिभक्त की हद तक करीबी हैं। उनकी पत्नी उषा थोराट यूपीए काल में ही भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर नियुक्त की गई थीं। ▶9पर

तो इसीलिए राहुल ने उछाला शेयर घोटाले का जिन्न

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि शेयर बाजार पर सरकार की ओर से की गई टिप्पणी से लाखों खुदरा निवेशकों का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि इससे निवेशकों को 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि यह शेयर बाजार का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला है। इसकी संसदीय समिति से जांच कराई जानी चाहिए। राहुल ने कहा, हमने नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री ने, गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने स्टॉक मार्केट पर टिप्पणी की। प्रधानमंत्री ने दो-तीन चार बार देश को कहा कि स्टॉक मार्केट तेजी से आगे बढ़ने जा रहा है। स्टॉक मार्केट में निवेश करने के लिए कहा।

अमित शाह कहते हैं कि 4 जून से पहले शेयर खरीदें। मोदी कहते हैं कि चार जून को स्टॉक खरीदें। 1 जून को मीडिया झूठे एग्जिट पोल निकालती है। भाजपा को जो आंतरिक एग्जिट पोल था, उसमें उसे 220 सीटें मिल रही थीं। ▶9पर

कंगाल केरल के सत्ताधारी घोटालों में मुब्तिला

केरल में दिल्ली जैसा शराब घोटाला!

ईडी से जांच कराने की मांग
सीएम पर भी उठ रही उंगली

तिरुअनंतपुरम, 06 जून (एजेंसियां)। गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे केरल में दिल्ली जैसा एक शराब घोटाला सामने आया है। अनुकूल शराब नीति बनाने के लिए राज्य के प्रत्येक बार मालिक से 2.50 लाख रुपए मांगे जा रहे हैं। बीते दिनों मलयालम टीवी चैनलों ने इससे संबंधित एक ऑडियो संदेश प्रसारित किया था। इसके बाद 24 मई से यह ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा और राज्य की राजनीति गरमा गई। भाजपा और यूडीएफ ने सत्तारूढ़ माकपा सरकार से आबकारी और पर्यटन मंत्रियों के इस्तीफे के साथ घोटाले की जांच कराने की मांग की है। सरकार को डर है कि जून में विधानसभा में विपक्ष इसे मुद्दा बना सकता है।

वायरल ऑडियो संदेश इडुक्की जिला अध्यक्ष और फेडरेशन आफ केरल होटल एसोसिएशन के राज्य उपाध्यक्ष अनिमोन का है। इसमें अनिमोन सभी बार-होटल मालिकों से प्रत्येक माह के पहले दिन ड्राई-डे खत्म करने, अधिकारियों को प्रभावित करने तथा काम के घंटे बढ़ाने वाली अनुकूल शराब नीति 2024-25 बनाने के लिए प्रति बार-होटल मालिक से 2.5 लाख रुपए घूस मांग रहे हैं। साथ ही, धमकी भरे लहजे में कहते हैं, हाल ही में आम सभा की बैठक में ये निर्णय लिए गए थे। सदस्यों (बार-होटल मालिकों) को वह (घूस) देने के लिए तैयार रहना चाहिए, जो आवश्यक है। अभी तक पूरे राज्य से आवश्यक धनराशि का मात्र एक तिहाई ही मिला है। ▶9पर

कश्मीर के प्राचीन मंदिर में आग लगी या लगाई गई?

106 साल का ऐतिहासिक शिव मंदिर जल कर खाक

गुलमर्ग, 06 जून (एजेंसियां)। गुलमर्ग की एक पहाड़ी पर स्थित 106 साल पुराना शिव मंदिर बुधवार को आग की चपेट में आकर पूरी तरह से जल गया। पुलिस और स्थानीय निवासियों ने मिलकर इस मंदिर की आग को बुझाने की पूरी कोशिश की, बावजूद इसके वह इस ऐतिहासिक मंदिर को बचाने में असफल रहे। पुलिस ने अब तक यह नहीं बताया कि प्राचीन शिव मंदिर में आग लगी या आग लगाई गई? पुलिस ने कहा कि मामले की छानबीन चल रही है।

बुधवार के दिन सुबह लगभग 11 बजे कुछ स्थानीय लोगों ने मंदिर से धुआं निकलता देखा। इसके बाद देखते ही देखते आग ने पूरे मंदिर को अपनी चपेट में ले लिया। लकड़ी और पुरानी सामग्री से निर्मित इस मंदिर में आग बहुत तेजी से फैल गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और मिलकर ▶9पर

शीर्ष सियासी गलियारे में चर्चा सरगर्म

शिवराज बनेंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष और नड्डा मंत्री!

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की चर्चा तेज हो गई है। चर्चा है कि मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है।

लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने सरकार बनाने की कवायद तेज कर दी है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत सभी नवनिर्वाचित सांसदों को दिल्ली

बड़े पैमाने पर सांगठनिक फेरबदल भी संभावित

तलब किया गया है। इस बीच अटकलें यह भी हैं कि शिवराज को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई कैबिनेट में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल भी 30 जून को खत्म होने वाला है। इस वजह से शिवराज को अध्यक्ष बनाने की चर्चा भी साथ-साथ चल रही है।भले ही भाजपा को अपने दम पर बहुमत न मिला हो, भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को स्पष्ट बहुमत मिल चुका है। इस वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार एनडीए सरकार बनने का रास्ता भी साफ हो गया है। सरकार बनाने की तैयारियों के बीच भाजपा ने अपने सभी नवनिर्वाचित सांसदों को दिल्ली तलब किया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और खजुराहो से सांसद वीडी शर्मा भी दिल्ली पहुंचे हैं। ▶9पर

नई सरकार का शपथ ग्रहण अब नौ जून को होगा

बांग्लादेश और नेपाल के पीएम भी शामिल होंगे

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को लोकसभा चुनाव में 293 सीटें मिलीं। नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुना गया। सभी घटक दलों ने अपने समर्थन का पत्र सौंप दिया है। अब मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह की तारीख को लेकर संशय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री पद के लिए होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तारीख में बदलाव किया गया है। अब मोदी आठ जून के बजाय नौ जून को शाम छह बजे शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने की तैयारियां हो रही हैं। ▶9पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 24^0

अलगाववादी खालिस्तानी, भ्रष्टाचारी का सांसद चुना जाना

लोकतंत्र की जय है या क्षय..?

नई दिल्ली, 06 जून। 2024 के लोकसभा चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं और अप्रत्याशित परिणाम भी आ चुके हैं। लेकिन उनमें भी जो चौंकाने वाले और राष्ट्रविरोधी परिणाम आए हैं, उसे लेकर पूरे देश को गंभीर होना चाहिए। हालांकि जो मतदाता राष्ट्रविरोधी और भ्रष्टाचारी जनप्रतिनिधि चुनते हैं, उनसे समझदारी और गंभीरता की उम्मीद करना व्यर्थ ही है। कश्मीर के बारामुला से इंजीनियर रशीद शेख, पंजाब के फरीदकोट से सरबजीत सिंह खालसा, खडूर साहिब से अमृतपाल सिंह और यूपी की जौनपुर सीट से बाबू सिंह कुशवाहा की जीत, पूरे देश के मतदाताओं का चरित्र समझने के लिए काफी है। चरित्रवान और समझदार मतदाताओं की वजह से अब ऐसे ही लोग भारत की संसद में आसीन होंगे।

पहले बात बारामुला की। शेक्सपियर ने कहा था, नाम में क्या रखा है? मगर कश्मीर का वराहमूल, जब बाद में वरमूल और फिर बारामुला हो जाता है, तब वहां की जनता किसी अब्दुल रशीद शेख को अपना नेता चुन कर भारत की संसद में भेजने का फैसला करती है। जम्मू कश्मीर में आतंकी गतिविधियां फैलाने वाला अब्दुल रशीद दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। उसे वर्ष 2019

शुभ-लाभ सरोकार

में एनआईए ने यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया था। उसने और किसी को नहीं बल्कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हराया है। रशीद दो बार विधायक रह चुका है। उस पर टेरर फन्डिंग के भी गंभीर आरोप हैं। रशीद की जीत सरकार के लिए इस बात को लेकर बहुत बड़ी चुनौती है कि वह क्षेत्र में अलगाववादी और आतंकवादी मानसिकता से कैसे निपटेगी।

फरीदकोट पंजाब से भी विजयी हुए सरबजीत सिंह खालसा की सोच भारत के प्रति अत्यंत घातक है। वह और कोई नहीं बल्कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह का बेटा है। उसने भी निर्दलीय जीत हासिल की है और उसे कुल 23.38 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं। खालसा परिवार अपने खालिस्तानी विचारों के लिए कुख्यात है। गौर करने वाली बात यह है कि सरबजीत सिंह ने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार करमजीत सिंह अनमोल को हराया है और यह वही आम आदमी पार्टी है, जिस पर खालिस्तानियों को खुलेआम समर्थन देने का आरोप बार-बार लगता है। ऐसे में क्या यह समझा जाए कि अब खालिस्तान के समर्थक किसी और को समर्थन न ▶9पर

इस बार जनता ने 251 अपराधियों और दागदारों को सांसद चुना

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। 2024 के लोकसभा चुनाव में देश की जनता ने 543 में से 252 आपराधिक छवि के लोगों को अपना पसंदीदा जनप्रतिनिधि चुना है। यानी, जनता की पसंद 46 प्रतिशत अपराधियों की तरफ रही। 543 विजेता उम्मीदवारों में से 251 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 170 पर अपराध के गंभीर मामले दर्ज हैं, जिसमें हत्या, हत्या का प्रयास, बलात्कार और महिलाओं के खिलाफ अन्य अपराध के मामले शामिल हैं। 27 विजेता सांसदों पर तो अपराध के दोषसिद्ध मामले हैं। चार विजेता सांसदों पर हत्या के मामले और 27 विजेता सांसदों पर हत्या प्रयास के मामले दर्ज हैं। ▶9पर

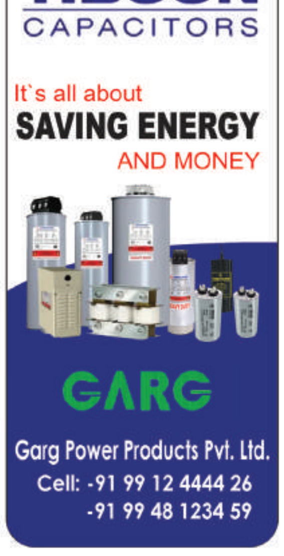

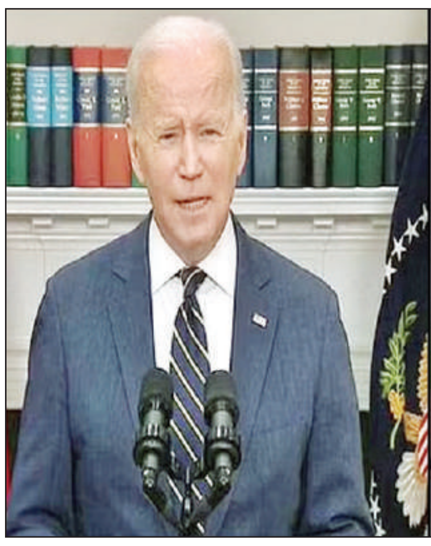

जो बाइडन ने पीएम मोदी से फोन पर क्या बात की, अमेरिकी एनएसए के भारत दौरे समेत इन मुद्दों पर भी हुई चर्चा

वॉशिंगटन, 06 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ चुके हैं। भाजपा नीत एनडीए बहुमत हासिल करने के बाद अब सरकार बनाने की प्रक्रिया में जुट चुकी है। नरेंद्र मोदी एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। रुझानों के बाद दुनिया भर के नेता पीएम मोदी को बधाई दे रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी फोन पर पीएम मोदी को जीत की बधाई दी। इस बीच दोनों नेताओं ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान की नई दिल्ली की आगामी यात्रा को लेकर चर्चा की।

बाइडन ने दी पीएम मोदी को बधाई – इससे पहले जो बाइडन ने पीएम मोदी और एनडीए को लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने पर बधाई दी। अमेरिका के व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए को लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत की बधाई दी। बाइडन ने सबसे बड़े लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आगे बढ़कर भाग लेने के लिए भारतीय नागरिकों की भी सराहना की। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका के बीच रिश्तों को और मजबूत करने पर जोर दिया। बयान में आगे कहा गया, दोनों नेताओं ने अमेरिका-भारत व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने और स्वतंत्र और समृद्ध भारत-प्रशांत क्षेत्र के अपने साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। दोनों नेताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान की नई दिल्ली की आगामी यात्रा को लेकर भी चर्चा हुई।

पीएम मोदी ने दी प्रतिक्रिया – राष्ट्रपति बाइडन की बधाई पर पीएम मोदी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति जो बाइडन के फोन कॉल से खुशी हुई। मैं उनकी बधाई और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी सराहना को बहुत महत्व देता हूं। उन्होंने आगे कहा, भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक साझेदारी आने वाले वर्षों में नए मील के पत्थर के रूप में साबित होंगे। हमारी साझेदारी मानवता के हित और वैश्विक भलाई के लिए एक ताकत बनी रहेगी। जो बाइडन ने इससे पहले सोशल मीडिया एक्स पर भी पीएम मोदी को जीत की बधाई दे चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

राजनीतिक विचारों के कारण किया गया हमला, स्लोवाकिया के पीएम का विपक्ष पर गोलीबारी का आरोप

ब्रातिस्लाव्हा। यूरोपीय देश स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की पिछले महीने हत्या करने की कोशिश की गई थी।

उनको विश्वास ही नहीं हो रहा कि किसी अकेले पागल शख्स ने उनकी हत्या करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा है कि पिछले महीने उनकी हत्या का प्रयास अकेले पागल शख्स ने किया था। स्लोवाकिया विपक्ष के कार्यकर्ता पर आरोप प्रधानमंत्री का सोशल मीडिया पर भाषण का एक अंश साझा किया गया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि स्लोवाकिया विपक्ष के एक कार्यकर्ता ने उनके राजनीतिक विचारों के कारण उनकी हत्या करने की कोशिश की थी। उन्होंने आगे कहा, मेरे पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि यह एक अकेले पागल व्यक्ति द्वारा किया गया हमला था। 15 मई को हुआ था हमला बता दें, पीएम फीको पर 15 मई को मध्य स्लोवाकिया के हंडलोवा शहर में एक बंदूकधारी ने हमला कर दिया था। हमले के बाद यह उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि फीको की माने तो वह कई महीनों से स्लोवाकिया में एक सरकारी राजनेता के खिलाफ हत्या के प्रयास की संभावना के बारे में सार्वजनिक रूप से चेतावनी दे रहे थे। जुलाई तक काम पर वापस आएंगे फिको ने यह भी कहा कि अगर उनकी हालत सही होती है, तो वह जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में काम पर वापस आ जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि 71 साल के हमलावर के प्रति उन्हें कोई नफरत नहीं है और न ही वह उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई करेंगे। राजनीतिक रूप से असफल विपक्ष ने बढ़ावा दिया उन्होंने कहा कि यह साफ है कि वह केवल बुराई और राजनीतिक घृणा के संदेशवाहक थे, जिसे राजनीतिक रूप से असफल और निराश विपक्ष ने बढ़ावा दिया था। यूरोपीय संसद के चुनावों से पहले राजनीतिक संचार पर रोक से पहले अंतिम दिन फिको का भाषण प्रकाशित हुआ था।

रिपोर्ट में बड़ा दावा- कैंसर से जूझ रहीं केट मिडलटन नहीं लौटेंगी शाही कामकाज पर

लंदन। ब्रिटेन के राजकुमार प्रिंस विलियम की पत्नी प्रिंसेस ऑफ वेल्स केट मिडलटन कैंसर से जूझ रही हैं और फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। उम्मीद जताई जा रही थी कि कुछ दिनों में वह वापस शाही कामकाजों को देखने लगेंगी, लेकिन शायद अब ऐसा नहीं होगा। अमेरिकी मीडिया की मुताबिक मिडलटन शायद कभी अपने शाही कर्तव्यों पर वापस नहीं आएंगी। कार्यक्रमों में रहती थीं सबसे आगे एक रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि वह शायद कभी उस भूमिका में वापस नहीं आएंगी, जिसमें लोगों ने उन्हें पहले देखा था। एक समय था जब वेल्स की राजकुमारी अपने पति प्रिंस विलियम के साथ शाही कार्यक्रमों में सबसे आगे रहती थीं। अब अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि केट ने हाल ही में कीमोथेरेपी करवाई है। इसलिए वह वर्तमान में इस बात पर ध्यान दे रही हैं कि जब वह वापस आएंगी तो क्या कर पाएंगी। यहां तक कि शाही विशेषज्ञ रिचर्ड फिट्जविलियम्स का कहना है कि अगर केट अपने शाही कर्तव्यों पर वापस आती हैं, तो यह फैसला पूरी तरह से डॉक्टरों की सलाह पर लिया जाएगा। पिछले महीने की शुरुआत में, एक सूत्र ने बताया था कि केट मिडलटन इस साल कोई शाही कामकाज में शामिल नहीं होंगी। सूत्र ने कहा था कि केट के लिए कोई प्लान नहीं है।

पारडुबिस में यात्री और कार्गो ट्रेन की टक्कर में चार की मौत, पीएम फियाला ने शोक जताया

प्राग। चेक गणराज्य पारडुबिस में एक यात्री ट्रेन और कार्गो ट्रेन की टक्कर में चार यात्रियों की मौत हो गई। इस हादसे 26 लोग घायल भी हुए हैं। क्षेत्रीय गवर्नर ने इस घटना की जानकारी दी। घटना के बाद बचावदल कर्मी मौके पर पहुंचे। इस घटना पर चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री पेट्र फियाला ने शोक व्यक्त करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम फियाला ने कहा, पारडुबिस में दो ट्रेनों की टक्कर एक बड़ा दुर्भाग्य है। हम सभी पीड़ितों और घायलों के बारे में सोच रहे हैं। यात्री ट्रेन के विवरण को साझा करते हुए पारडुबिस के गवर्नर मार्टिन नेटोलिकी ने कहा कि इसका संचालन रेल कंपनी रेजियोजेट द्वारा किया जाता था। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा, रेजियोजेट ट्रेन और मालगाड़ी के बीच आमने-सामने की टक्कर में कई लोगों की जान चली गई और दर्जनों घायल हो गए। समाचार एजेंसियों ने इस घटना का फुटेज जारी किया। इस फुटेज के अनुसार, एक गाड़ी ट्रैक से हटती हुई दिखाई दे रही है। पुसिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें पोस्ट करते हुए आपातकालीन सेवा वाहनों की लाइन और हेलीकॉप्टर दिखाया।

इजराइली सेना ने गाजा में एक स्कूल के अंदर हमास के ठिकानों को बनाया निशाना, हमले में 32 की मौत

यरूशलम, 06 जून (एजेंसियां)।

इजराइल की सेना ने बताया कि उन्होंने गाजा पट्टी में एक स्कूल के अंदर हमास के ठिकानों को निशाना बनाया। हमास से जुड़े मीडिया ने इस हमले का जिक्र करते हुए कहा कि कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों घायल हैं। यह हमला नुसीरत क्षेत्र में किया गया। हालांकि, इस हमले के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। स्थानीय मीडिया ने इस हमले में कम से कम 39 लोगों के मरने की सूचना दी। वहीं, फलस्तीन न्यूज एजेंसी ने बताया कि इस हमले में 32 लोगों की मौत हुई है।

इजराइली सेना ने स्कूल पर किया हमला

इजराइली सेना ने बताया कि उनके लड़ाकू विमानों ने फलस्तीनियों को सहायता प्रदान करने वाली संयुक्त राष्ट्र एजेंसी द्वारा संचालित स्कूल पर हमला किया। हमले के बाद इजराइली सेना ने बिना सबूत पेश किए दावा किया कि हमास और इस्लामिक जिहाद ने स्कूल को अपने अभियानों के लिए कवर के तौर पर इस्तेमाल किया। सेना ने बताया कि हमले से पहले नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, जिसमें हवाई निगरानी और अतिरिक्त खुफिया जानकारी शामिल हैं। बता दें कि नुसीरत शर्णार्थी कैंप गाजा पट्टी के बीचोबीच में स्थित है। यह 1948 में अरब-इजराइल युद्ध के समय का बना हुआ फलस्तीनी शर्णार्थी शिविर है। इजराइली सेना ने स्कूल का एक ग्राफिक प्रकाशित किया, जिसमें स्कूल की छत पर संयुक्त राष्ट्र लिखा हुआ था। इस ग्राफिक में स्कूल के उपरी मंजिल को निशाना बनाकर किए गए हमले का भी विवरण था।

पिछले साल से जारी है इजराइल-हमास संघर्ष

पिछले साल सात अक्तूबर को हमास ने इजराइल में घुसकर हमले किए, जिसमें लगभग 1,160 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में ज्यादातर इजराइली नागरिक ही शामिल थे। हमले के बाद हमास के आतंकी 250 से ज्यादा इजराइली और विदेशियों को बंधक बनाकर गाजा ले गए। हालांकि, इस संघर्ष के बीच हमास ने कुछ बंधकों को रिहा भी कर दिया था, लेकिन इजराइल का मानना है कि अभी भी 99 बंधक हमास के कब्जे में हैं।

अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन, 12 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

वॉशिंगटन। कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन करने पर 12 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इजराइल-गाजा पर संघर्ष को लेकर फलस्तीन समर्थक छात्रों ने जबरन विश्वविद्यालय अध्यक्ष के कार्यालय में खुद को बंद कर लिया था। जिसके बाद छात्रों और अधिकारियों के बीच झड़प हो गई। सुबह साढ़े 5 बजे छात्रों ने धावा बोला करीब 10 छात्रों ने सुबह साढ़े 5 बजे विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय की बिल्डिंग में दाखिल हुए थे और हथियारों से लैस करीब 50 छात्रों ने बिल्डिंग को चारों और से घेर लिया। इसके बाद सभी छात्र 'फलस्तीन को आजाद करो' के नारे लगाने लगे। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिब्रेट स्टैनफोर्ड ग्रुप ने लिखा, 'छात्रों के एक समूह ने विश्वविद्यालय अध्यक्ष के कार्यालय को घेर लिया और छात्रों ने इजराइल-गाजा युद्ध से जुड़ी कंपनियों को स्कूल से अलग करने सहित अन्य मांगें की। पुलिस को इमारत के अंदर दाखिल होने में 2 घंटे लग गए स्टैनफोर्ड के मुताबिक छात्रों के प्रदर्शन शुरू होने के बाद पुलिस को बिल्डिंग में अंदर घुसने के लिए लगभग दो घंटे लग गए। जिसके बाद बल पूर्वक 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया, इस दौरान एक अधिकारी को चोट लग गई। जबकि इमारत को काफी क्षति हुई है। स्कूल प्रशासन बोला- छात्रों के कृत्य से काफी दुख है सैलर स्कूल के प्रोवोस्ट जैनी मार्टिनेज ने बयान देते हुए कहा कि छात्रों के इस कृत्य से मैं काफी दुखी और चिंतित हूं। जिन आरोपी छात्रों को गिरफ्तार किया गया है उन्हें निलंबित किया जाएगा और साथ ही कई सीनियर छात्रों को अब स्कूल में डिग्री पूरी नहीं करने दी जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से फलस्तीन समर्थक शिविर और हमास के हमले से पीड़ितों के लिए इजराइल के समर्थन में प्रदर्शन कारियों को परिसर से हटा दिया गया है।

चीन के दौरे पर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ, शेनजेन सिटी में किया निवेशकों की बैठक को संबोधित

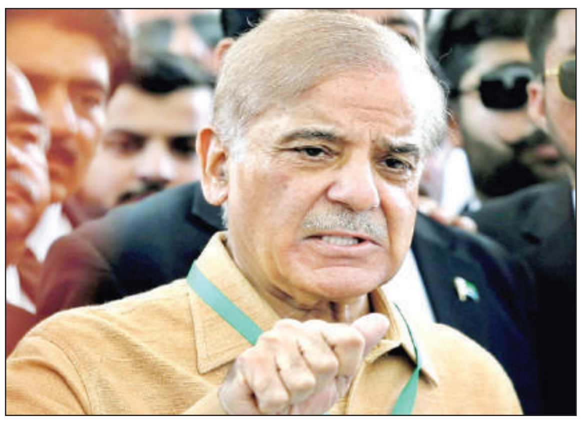

इस्लामाबाद, 06 जून (एजेंसियां)।

हाई-टेक सिटी शेनझेन में निवेशकों की बैठक को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने चीनी कर्मियों को आतंकियों हमलों से सुरक्षा देने का आश्वासन दिया। मार्च में पाकिस्तान के बेशम में हुए आतंकी हमलों में पांच चीनी कर्मी और उनके पाकिस्तानी ड्राइवर की मौत हो गई थी। इस घटना का जिक्र करते हुए शरीफ ने कहा कि ऐसी नौबत फिर नहीं आएगी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चीन के दौरे पर हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य नेताओं से मुलाकात के लिए पीएम शरीफ बीजिंग पहुंच चुके हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के चीन के दौरा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच के संबंध को बेहतर करना, पाकिस्तान को आर्थिक संकट से बाहर निकालना और निवेश की संभावनाओं बातचीत करना है। बता दें कि पीएम शरीफ चार जून से ही चीन की पांच दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने हाई-टेक सिटी शेनजेन का दौरा किया और निवेशकों की बैठकों को संबोधित भी किया। शहबाज शरीफ इस दौरान चीन के प्रीमियर ली कियांग और अन्य नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। वह यहां पाकिस्तान-चीन मैत्री और व्यापार कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। पीएम शरीफ चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर पर काम करने वाले चीनी कंपनियों के सीईओ से भी मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है। हाई-टेक सिटी शेनझेन में निवेशकों की बैठक को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने चीनी कर्मियों को आतंकियों हमलों से सुरक्षा देने का आश्वासन दिया। दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद 72 वर्षीय शहबाज शरीफ अपनी पहली चीन यात्रा पर हैं। पाकिस्तान-चीन बिजनेस फोरम में शरीफ ने चीनी निवेशकों को पूरी सुविधा देने और पाकिस्तान में चीनी व्यक्तियों, परियोजनों और निवेशकों की सुरक्षा भी आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पाकिस्तान में चीनी श्रमिकों की रक्षा के लिए कई सुरक्षा उपाए किए।

क्सास में भारतीय-अमेरिकी व्यक्ति पर लगा घृणा अपराध का आरोप, हो सकती है 10 साल की जेल

वॉशिंगटन, 06 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के टेक्सास में एक भारतीय-अमेरिकी व्यक्ति पर संघीय घृणा अपराध का आरोप लगाया गया है। दरअसल, व्यक्ति पर एक सिख गैर-लाभकारी संगठन के कर्मचारी को धमकियां देने का भी आरोप है। आरोपी की पहचान 48 वर्षीय भूषण अठाले के तौर पर की गई है। न्याय विभाग की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि भूषण अठाले को खतरनाक हथियार का इस्तेमाल करने की धमकी देने और संघ द्वारा संरक्षित गतिविधियों में हस्कतक्षेप करने का भी आरोप लगाया गया है। इस मामले में उन्हें अधिकतम 10 साल की सजा हो सकती है।

बयान में कहा गया कि अंतरराज्यीय धमकी भेजने के लिए भी उन्हें पांच साल की सजा हो सकती है। इन दोनों आरोपों में उन्हें 250,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लग सकता है। बता दें कि 17 सितंबर 2022 में अठाले के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि अठाले ने एक ऐसे नंबर पर फोन किया था, जो अमेरिका में सिखों नागरिक

अधिकार की रक्षा करता है।

अठाले ने कुल सात वॉइस नोट भेजे, जिसमें सिखों के प्रति अत्यधिक घृणा व्यक्त की गई। इस साल मार्च में भी अठाले ने एक वॉइसमेल छोड़ा, जिसमें उन्होंने सिखों के साथ मुस्लिमों को भी निशाना बनाया। न्याय विभा ने बताया कि अठाले का धार्मिक-आधारित टिप्पणियां और धमकियां देने का लंबा इतिहास रहा है। इससे पहले भी उसने एक नेटवर्किंग साइट का इस्तेमाल कर कहा था कि वह पाकिस्तान और मुस्मिलों से नफरत करता है।

सुनीता विलियम्स ने उड़ान भरने से पहले कैलिप्सो कैप्सूल से कह दी ऐसी बात, अब हो रही वायरल

वॉशिंगटन, 06 जून (एजेंसियां)।

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने इतिहास रचा। उन्होंने एक बार फिर अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी। हालांकि, उड़ान से पहले उन्होंने कैलिप्सो से कहा कि हमें अंतरिक्ष ले चलो और वापस भी ले आओ।

बता दें, भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स तीसरी बार अपने सहयोगी बैरी बुच विलियम्स के साथ अंतरिक्ष के लिए रवाना हुई हैं। दोनों ने बोइंग कंपनी के स्टारलाइनर यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर उड़ान भरी।

अब संदेश हो रहा वायरल

सुनीता ने उड़ान भरने से पहले मिशन कंट्रोल को संदेश भेजकर कहा था- चलो चलते हैं, कैलिप्सो। हमें अंतरिक्ष ले चलो और वापस ले आओ।

सुनीता की मां बोनी पांड्या ने एक मीडिया चैनल को बताया कि उड़ान भरने से कुछ घंटे पहले उनकी बेटी काफी सकारात्मक थी और अंतरिक्ष में

उड़ान भरने को लेकर बहुत ही खुश थी। वहीं, नासा ने नया अपडेट देते हुए कहा कि सुनीता और बुच विलमोर दोनों कक्षा में स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर शुरुआती परीक्षण करने में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। पहले छह घंटे बहुत ही दिलचस्प रहे हैं।

5 जून को शुरू हुआ सुनीता का अंतरिक्ष अभियान

सुनीता विलियम्स का स्टारलाइनर अभियान पांच जून को केप कैनावेरल अंतिक्ष स्टेशन से शुरू हुआ। भारतीय समयानुसार यह अभियान रात आठ बजकर 22 मिनट पर शुरू हुआ। यह यान अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में छह जून रात 9 बजकर 45 मिनट पर पहुंचेगा। इस अभियान में विलियम्स के साथ उनके सहयोगी बुच विल्मोर भी गए हैं।

ऐसा करने वाली दुनिया की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बनीं

बताया गया है कि बोइंग स्टारलाइनर यान की उड़ान में कई बार, कई वजहों से दरी हुई। आखिरकार, फ्लोरिडा के केप कैनवेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से इस यान की रवानगी हुई। इस तरह के मिशन पर जाने वाली सुनीता विलियम्स दुनिया की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बन गई हैं। मई 1987 में सुनीते ने अमेरिका की नौसेना अकादमी से प्रशिक्षण लिया था। इसके बाद वे अमेरिका की नौसेना से जुड़ीं थीं। 1998 में उन्हें नासा द्वारा अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना गया था। इससे पहले वर्ष 2006 और वर्ष 2012 में सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष अभियानों का हिस्सा बन चुकीं हैं।

खेती और जलीय कृषि में प्लास्टिक प्रदूषण का बढ़ता जोखिम, तत्काल कदम उठाने की जरूरत

संयुक्त राष्ट्र, 06 जून (एजेंसियां)।

दुनिया भर में दैनिक जीवन में एकल प्रयोग वाले प्लास्टिक, बोतलों व अन्य उत्पादों को लेकर जागरूकता का प्रसार किया जाता है। उसकी री-सायकलिंग पर काम किया जा रहा है और प्लास्टिक के उचित निपटान व सतत उपयोग के तरी सुझाए जा रहे हैं, लेकिन उत्पादन के आरम्भ में, कृषि और उससे संबद्ध क्षेत्रों में, प्लास्टिक के इस्तेमाल की समस्या तेजी से उभरकर सामने आई है, जिसके लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। 47 वर्षीय हरिपाल सिंह उत्तर प्रदेश के नंजली किठौर गांव में एक पॉलीहाउस में खेती का काम करते हैं। उनके पॉलीहाउस में खेती के लिए मल्च फिल्में, बीज के लिए बोरियाँ, कीटनाशकों की बोतलें, सिंचाई के लिए छोटे-लम्बे पाइप, मंडी में ले जाने के लिए थैले, सभी प्लास्टिक के हैं। हरिपाल सिंह बताते हैं कि खेती का ज़्यादातर सामान प्लास्टिक में ही आता है, ये उत्पाद सस्ते होते हैं, एयर टाइट रहते हैं, जिससे भंडारण क्षमता बढ़ जाती है और उन्हें

बाजार में बेचने के लिए ले जाने में भी आसानी होती है। लेकिन इस्तेमाल के बाद प्लास्टिक की इन विभिन्न वस्तुओं का होता क्या है हरिपाल सिंह के मुताबिक, मल्च फिल्में तो दो तीन साल तक चलती हैं, बाकी प्लास्टिक को बाहर कूड़े में फेंक देते हैं या इकट्ठा करके जला देते है। कृषि व उससे जुड़े क्षेत्रों, यानि फसल व पशुधन उत्पादन, वानिकी, मत्स्य पालन एवं अन्य जलीय कृषि आदि में प्लास्टिक का व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता रहा है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संस्था (एफ़एओ) के अनुसार, 2019 में कृषि मूल्य श्रृंखलाओं में वैश्विक स्तर पर 1.25 करोड़ टन प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग किया गया, लेकिन इस्तेमाल के बाद खुले स्थानों में फेंक दिए जाने पर, इनसे पर्यावरण के लिए खतरा पैदा हो रहा है और मिट्टी में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कण जमा होने से, स्वास्थ्य जोखिम बढ़ता जा रहा है। भारत में संयुक्त राष्ट्र के कृषि संगठन (एफएओ) में वरिष्ठ कानूनी शोधकर्ता, नीति विश्लेषक व परियोजना प्रबन्धक शालिनी भूटानी बताती हैं कि कृषि उत्पादन के क्षेत्र में हर एक स्तर पर प्लास्टिक का इस्तेमाल होता है। अगर देखा जाए तो बहुत ही गिने-चुने देश हैं, जहां इस कूड़े को एकत्रित कर उचित ढंग से निपटान किया जाता है वरना या तो उन्हें जलाया जाता है, मिट्टी में दबा दिया जाता है या फिर बस खुले स्थानों में फेंक दिया जाता है। इतने सालों के इस्तेमाल के बाद, अब इसने एक विशाल समस्या का रूप ले लिया है, क्योंकि इससे न केवल मिट्टी व पानी की गुणवत्ता पर असर हो रहा है, बल्कि यह एक खाद्य सुरक्षा व कृषि उत्पादकता व भावी पीढ़ी के भविष्य का मुद्दा भी बन गया है। जलीय कृषि में प्लास्टिक प्रदूषण केवल भूमि पर ही नहीं, जलीय कृषि उत्पादन में भी हर स्तर पर प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है, फिर चाहे वो टैंक, जाल, फीड बैग, लाइनर, पाइपिंग, पॉलीस्टाइनिन बक्से, उत्पाद परिवहन या फिर रासायनिक के भंडारण के लिए हों। एफएओ के अनुमानों के मुताबिक, अभी तक यह माना जाता रहा है कि महासागरों में पाए जाने वाला लगभग 80 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा, जलीय कृषि जैसे समुद्री उद्योगों के बजाय भूमि-आधारित स्रोतों से उत्पन्न होता है, लेकिन अब यह स्पष्ट हो रहा है कि विभिन्न प्रकार के मछली पकड़ने वाले गियर भी समुद्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं। शालिनी भूटानी कहती हैं कि जल कृषि में जो मछुआरे और विशेषकर जो बड़े ट्रोलर्स हैं, उनमें जिन फिशिंग गियर का इस्तेमाल होता है, उसे एक खास नाम दिया गया है यानि फेंका हुआ, खोया हुआ या त्यागा हुआ, मछली पकड़ने का सामान - यह एक बहुत बड़ा मसला बनकर सामने आया है। इसके अलावा, रोजमर्रा में सामान्य प्लास्टिक उत्पाद भी उपयोग किए जाते हैं, जैसेकि मछली पकड़ने जाते समय प्लास्टिक के कप और पीने के पानी की बोतलें। इनमें से कई उत्पाद आम दिन में मछुआरों के लिए आवश्यक बन गए हैं, लेकिन इस सामग्री की सूची की समीक्षा की जाए तो कुल प्लास्टिक कचरे की मात्रा आश्चर्यजनक होगी। आंकड़ों का अभाव अधिकांश वर्तमान आंकड़ें, समुद्र तट के सफाई अभियानों, तटीय सर्वेक्षण और निकाले गए कचरे की उत्पत्ति का निर्धारण करने के लिए उसके पृथक्कीकरण से आते हैं, लेकिन इसकी अपनी सीमाएं हैं और इस पर बहुत काम किए जाने की आवश्यकता है। जलीय कृषि क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे का उत्पादन और प्रबन्धन एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण से समुद्री जैव-विविधता और समुद्री उत्पादों से स्वास्थ्य जोखिमों का भी ख़तरा बढ़ रहा है। तटीय जल में माइक्रोऔर नैनोप्लास्टिक्स की उपस्थिति से जलीय कृषि व पारिस्थितिकी पर बुरा असर पड़ रहा है। जलीय कृषि उत्पादन पर प्लास्टिक का प्रभाव बेहद जटिल है- प्लास्टिक के आकार और उनमें मौजूद रसायनों के मिश्रण के आधार पर, इसका जानवरों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। मीसोप्लास्टिक्स जलीय जानवरों के लिए जोखिम नहीं बनते, क्योंकि अपने बड़े आकार के कारण वो आहार एवं श्वसन बाधाओं को पार करने में असमर्थ होते हैं।

भाजपा की बढ़ती पैठ से तमिलनाडु सरकार बौखलाई

भाजपा नेता अन्नामलाई की फोटो के साथ काटा बकरे का गला

चेन्नई, 06 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु में हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के परिणामस्वरूप उपजे राजनीतिक तनाव ने चिंताजनक मोड़ ले लिया है। डीएमके समर्थकों द्वारा सार्वजनिक रूप से एक बकरे का गला काटते हुए वीडियो सामने आया है, जिसमें बकरे के मुंह पर तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई की तस्वीर लगाई गई है। इस घटनाक्रम ने राज्य में राजनीतिक माहौल को और अधिक गरमा दिया है।

तमिलनाडु में राजनीतिक विरोध की यह घटना न केवल राज्य की राजनीतिक स्थिति को उजागर करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि चुनावी पराजय और जीत का जश्न मनाने के तरीके किस हद तक असंवेदनशील और हिंसक हो सकते हैं। यह वीडियो ऑनलाइन वायरल होते ही राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इस वीडियो को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, अन्नामलाई के राजनीतिक विरोधियों ने इस तरह जीत का जश्न मनाया, यह बर्बरतापूर्ण है। मालवीय ने इस घटना की कड़ी आलोचना की और इसे घृणित और अस्वीकार्य करार दिया।

इस घटना पर डीएमके की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि डीएमके इस मुद्दे पर क्या कदम उठाती है और कैसे अपने समर्थकों को नियंत्रित करती है। किसी भी राजनीतिक दल को इस तरह की घटनाओं पर स्पष्ट और सख्त रुख अपनाना चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की हिंसा को रोका जा सके।

गौरतलब है कि कोयंबटूर सीट से डीएमके के पी गणपति राजकुमार ने अन्नामलाई को हराया है। इस पराजय के बाद यह वीडियो सामने आया है, जिसने राजनीतिक तापमान को और बढ़ा दिया है। चुनावी हार के बाद इस तरह की घटनाओं ने तमिलनाडु में राजनीतिक और सामाजिक तनाव को और गहरा कर दिया है। इस घटना ने न केवल अन्नामलाई समर्थकों को आहत किया है, बल्कि नागरिकों द्वारा यह सवाल भी उठाया गया है कि क्या हम वास्तव में लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन कर रहे हैं। राजनीतिक दलों और उनके समर्थकों को इस बात को समझना चाहिए कि चुनावी जीत या हार के बावजूद, एक स्वस्थ और लोकतांत्रिक समाज में हिंसा और बर्बरता के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। अब देखना यह है कि तमिलनाडु की राजनीति इस घटना के बाद किस दिशा में जाती है।

कोर्ट ने खारिज की केजरीवाल की जमानत याचिका

बीमार थे तो जी-जान लगाकर कैसे किया चुनाव प्रचार?

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के शराब घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को जमानत देने से राउज एवेन्यू कोर्ट ने मना कर दिया है। केजरीवाल ने अपनी तबीयत खराब होने का हवाला देते हुए मांग की थी कि उन्हें टेस्ट और इलाज के लिए जमानत दी जाए, लेकिन कोर्ट ने यह मांग खारिज कर दी। साथ ही केजरीवाल से कोर्ट ने अहम सवाल भी पूछे हैं।

कोर्ट में केजरीवाल के केस की सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि चुनाव के दौरान उन्होंने खूब प्रचार किया था, जो दिखाता है वह किसी गंभीर या जीवन संकट में डालने वाली बीमारी से ग्रस्त नहीं हैं।

केजरीवाल ने कुछ जरूरी टेस्ट करवाने के लिए 7 दिन की मोहलत मांगी थी। राउज एवेन्यू कोर्ट की जज कावेरी जज ने कहा कि डायबिटीज या यहां तक कि टाइप-2 डायबिटीज को इतना कोई गंभीर रोग नहीं कहा जा सकता है, जिसके चलते केजरीवाल को जमानत दी जा सके। कोर्ट ने कहा कि किटोन लेवल और वजन में कमी के निर्धारण के लिए टेस्ट करवाने के लिए अंतरिम राहत का आधार मेडिकल ग्राउंड से कमजोर है। कोर्ट ने कहा कि जाहिर तौर पर खुद आवेदक के मुताबिक वह अंतरिम जमानत संभावित बीमारी का पता लगाने के लिए चाहते हैं, इसे राहत के लिए उचित आधार नहीं कहा जा सकता है। खासकर तब, जब चिंता का समाधान आवेदक के हिरासत में रहते हुए भी किया जा सकता है।

केजरीवाल ने गंभीर बीमारी का हवाला देते हुए अपनी 21 दिन की अंतरिम जमानत को 7 दिन तक बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है। जज कावेरी बावेजा ने कहा कि केजरीवाल की जांच हिरासत में क्यों नहीं हो सकती है? उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देश दिया है कि केजरीवाल के स्वास्थ्य की जांच करवाई जाए, आदेश में यह भी कहा गया कि एम्स में इसके लिए मेडिकल बोर्ड गठन किया जा सकता है।

कोर्ट ने जेल प्रशासन से कहा कि डॉक्टर की सलाह पर बिना किसी देरी के उनके स्वास्थ्य की जांच कराई जाए। अदालत ने यह भी कहा कि टेस्ट रिपोर्ट के आधार पर जो भी जरूरी उपचार हो, वो कराया ही जाए। बता दें कि केजरीवाल की जमानत याचिका पर अब 7 जून को सुनवाई होगी, बता दें कि उनके केस की डेली सुनवाई होगी।

अब ओड़ीशा के नए मुख्यमंत्री की चर्चा

संबित पात्रा, धर्मेंद्र प्रधान बैजयंत पांडा या कौन?

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। ओड़ीशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की है। नतीजे सामने आने के बाद नवीन पटनायक ने बुधवार को ओड़ीशा के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राज्यपाल रघुबर दास को अपना इस्तीफा सौंपा। भाजपा ने प्रदेश में 147 सीटों में से 78 सीटें जीती हैं। पटनायक की बीजू जनता दल (बीजेडी) को 51 सीटें मिली हैं। अब सवाल और चर्चा दोनों ही है कि ओड़ीशा का नया मुख्यमंत्री कौन बनेगा?

बीजेडी की चुनावी हार के बाद अब सबकी निगाहें ओड़ीशा के अगले मुख्यमंत्री पर टिकी हैं। अटकलों के बीच राज्य भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल ने बुधवार को कहा कि पार्टी का संसदीय बोर्ड एक-दो दिन में इस पर फैसला कर लेगा। सामल ने कहा, मुख्यमंत्री का चयन प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित मानदंडों के आधार पर किया जाएगा एक ओड़िया व्यक्ति जो राज्य की संस्कृति और परंपरा को कायम रखेगा, वह ओड़ीशा का अगला मुख्यमंत्री होगा।

ओड़ीशा के मुख्यमंत्री के लिए जिन नामों की चर्चा है उनमें केंद्रीय मंत्री रहे धर्मेंद्र प्रधान, राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा और बैजयंत पांडा का नाम शामिल है। धर्मेंद्र प्रधान का नाम ऊपर चल रहा है। प्रधान ने बीजद के प्रणब प्रकाश दास के खिलाफ 1 लाख से अधिक मतों के अंतर से संबलपुर लोकसभा सीट जीती है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा ने ओड़ीशा में केंद्रपाड़ा लोकसभा सीट जीती है। वह बीजेडी से एक बार राज्यसभा सांसद और दो बार लोकसभा सांसद रह चुके हैं। पांडा छह साल पहले भाजपा में शामिल हुए और 2019 में केंद्रपाड़ा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था जहां वह हार गए थे।

चर्चा में भुवनेश्वर की सांसद अपराजिता सारंगी का नाम भी है। अपराजिता ने कांग्रेस नेता यासिर नवाज और बीजू जनता दल के नेता मन्मथ राउत्रे के खिलाफ भुव-नेश्वर सीट जीती है। वह भी मुख्यमंत्री पद के लिए एक अहम नाम मानी जा रही हैं। प्रताप सारंगी बालासोर के मौजूदा सांसद हैं। उनका भी नाम इस फेहरिस्त में है। पूर्व केंद्रीय आदिवासी मंत्री जुएल ओरांव पांच बार सांसद और एक बार विधायक रहे हैं। वह ओड़ीशा में भाजपा के शुरुआती सदस्यों में से एक रहे हैं। ओरांव को अक्टूबर 1999 में पहला केंद्रीय जनजातीय मामलों का मंत्री बनाया गया था। उन्होंने लोकसभा के चुनावों में सुंदरगढ़ लोकसभा क्षेत्र से जीत हासिल की है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा का नाम भी मुख्यमंत्री पद को लेकर चर्चा में है। पात्रा ने बीजद नेता अरूप पटनायक और कांग्रेस उम्मीदवार जय नारायण पटनायक के खिलाफ पुरी लोकसभा सीट जीती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेडी के पिनाकी मिश्रा ने पात्रा को हराकर जीत हासिल की थी।

कश्मीर में किसी भी हिंदू प्रत्याशी की नहीं बची जमानत

जम्मू, 06 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 का परिणाम सबके सामने है। देश में इस बार मिली-जुली सरकार बनने जा रही है। जम्मू कश्मीर की पांच लोकसभा सीटों में से दो पर भाजपा और दो पर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जीत दर्ज की जबकि एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी को जीत हासिल हुई।

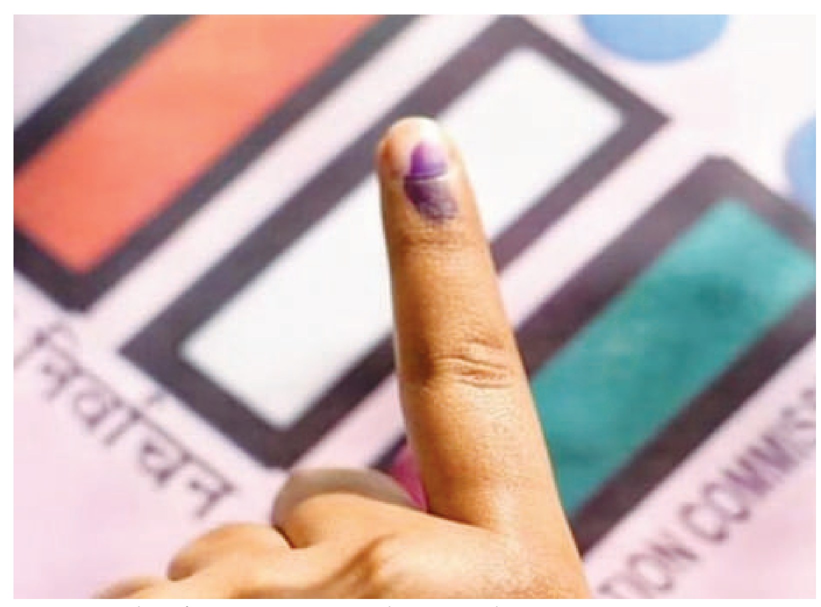

जम्मू-कश्मीर की पांच लोकसभा सीटों में से दो सीटें जम्मू और उधमपुर जम्मू संभाग में आती हैं और श्रीनगर एवं बारामूला सीटें कश्मीर संभाग में आती हैं। इसके अलावा अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट राज्य के दोनों हिस्सों को कवर करती है। अनंतनाग राजौरी, श्रीनगर और बारामुला लोकसभा सीट मुस्लिम बहुल सीटें हैं।

जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर लोकसभा सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने जीत दर्ज की। उन्हें 356866 वोट हासिल हुए।

उन्होंने पीडीपी के वाहिद उर रहमान पारा को हराया। पीडीपी प्रत्याशी को 168450 वोट हासिल हुए। यहां तीसरे नंबर पर रहे अपनी पार्टी के मोहम्मद अशरफ मीर रहे। उन्हें 65954 वोट हासिल हुए। श्रीनगर लोकसभा सीट पर पैंथर्स पार्टी के हकीकत सिंह ने चुनाव लड़ा। उन्हें सिर्फ 3778 वोट (.56 प्रतिशत) हासिल हुए। वह इस सीट पर एकमात्र हिंदू प्रत्याशी थे।

कश्मीर संभाग की बरामूला लोकसभा सीट पर जेल में बंद निर्दलीय प्रत्याशी अब्दुल रशीद शेख ने दो लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की। उन्हें 4,72,481 वोट हासिल हुए। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला को हराया। उमर अब्दुल्ला को 2,68,339 वोट प्राप्त हुए। इस सीट पर तीसरे नंबर पर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद गनी लोन (1,73,239 वोट) रहे जबकि चौथे नंबर पर पीडीपी के मीर मोहम्मद फयाज (27,488) रहे। इस सीट पर एकमात्र हिंदू प्रत्याशी अरुण कुमार रैना थे। उन्हें सिर्फ 2241 वोट (0.22 प्रतिशत) हासिल हुए।

जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग लोकसभा सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के मियां अल्ताफ अहमद को जीत हासिल हुई। उन्होंने 521836 वोट हासिल कर पीडीपी चीफ और राज्य की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती को 2,81,794 वोटों से हराया। महबूबा मुफ्ती को 2,40,042 वोट प्राप्त हुए। इस सीट पर तीसरे नंबर पर अपनी पार्टी के जफर इकबाल खान मनहास (1,42,195) रहे।

अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर चार हिंदू और एक सिख प्रत्याशी ने भी चुनाव लड़ा था। इनमें से चार निर्दलीय और नेशनल आवामी यूनाइटेड पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़े। इनमें सबसे ज्यादा वोट सुशील कुमार शर्मा (9228 वोट - 0.9 प्रतिशत) को मिला। यहां बलदेव शर्मा को 6189 वोट (0.6 प्रतिशत), दिलीप कुमार पंडिता को 3722 वोट (0.36 प्रतिशत) और सिख समुदाय से आने वाले रविंदर सिंह को 2962 वोट (0.29 प्रतिशत) प्राप्त हुए। इसके अलावा नेशनल आवामी यूनाइटेड पार्टी के सुदर्शन सिंह को 2382 वोट (0.23 प्रतिशत) मिले।

मेडिकल छात्र की ईशनिंदा वाली पोस्ट से कश्मीर में तनाव

जम्मू, 06 जून (ब्यूरो)। श्रीनगर में पुलिस ने मध्य कश्मीर के श्रीनगर जिले में एक संवेदनशील पोस्ट के खिलाफ संज्ञान लिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने जीएमसी श्रीनगर के एक छात्र द्वारा एक विशेष समुदाय की धार्मिक भावनाओं के खिलाफ संवेदनशील सामग्री पोस्ट करने की घटना का संज्ञान लिया है। जीएमसी श्रीनगर प्रशासन से संदेश प्राप्त होने पर 6 जून 2024 को करण नगर पुलिस स्टेशन में एक आपराधिक मामला, एफआईआर संख्या 13/24 यू/एस 153,153ए, 295ए, 505 (2) (बी) आईपीसी के तहत दर्ज किया गया है। कश्मीर पुलिस के आईजी वीके विर्दी ने आम जनता से अपील की है कि वे अफवाहों/झूठी सूचनाओं को फैलाने से बचें, उन्हें असामाजिक तत्वों के झूठे प्रचार का शिकार नहीं होना चाहिए। अधिकारी ने कहा कि जो लोग भड़काऊ कृत्य/उकसाने में शामिल पाए जाते हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, बुधवार को एक बाहरी मेडिकल छात्र द्वारा अपत्तिजनक एक पोस्ट को लेकर कॉलेज में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। अधिकारियों ने बताया कि जीएमसी श्रीनगर के कई छात्रों और जूनियर डॉक्टरों ने उक्त मेडिकल छात्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्होंने गैर-स्थानीय छात्र को अपमानजनक चित्र हटाने के लिए तीन घंटे का समय दिया था, लेकिन उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया। आरोप है कि इस पोस्ट से धार्मिक भावनाओं को आहत करने की कोशिश की गई।

उधर, जीएमसी श्रीनगर ने कहा, मामले का तत्काल संज्ञान लिया गया है। जांच लंबित रहने तक संबंधित छात्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई के लिए 13 एचओडी/एचओयू की जांच ने शुरू की है। सभी संबंधितों से अनुरोध है कि वे परिसर में शांति बनाए रखें।

जीएमसी श्रीनगर मामले पर पुलिस ने संज्ञान लिया है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा, पुलिस ने जीएमसी श्रीनगर के एक छात्र द्वारा एक विशेष समुदाय की धार्मिक भावनाओं के खिलाफ संवेदनशील सामग्री पोस्ट करने की घटना का संज्ञान लिया है।

आतंकी राशिद के चुनाव जीतने के बाद भी उठ रहे कई सवाल

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 06 जून।

जेल में बंद नेता अब्दुल रशीद शेख, जिन्हें इंजीनियर रशीद के नाम से भी जाना जाता है, की 2024 के लोकसभा चुनावों में बारामुला संसदीय क्षेत्र से 2 लाख से ज़्यादा वोटों के महत्वपूर्ण अंतर से जीत के बाद, सवाल उठता है कि जेल से उनकी रिहाई के बारे में क्या निहितार्थ और अगले कदम हो सकते हैं।

इस पर कश्मीर के कई वकीलों के मुताबिक, चुनाव जीतने का उनकी रिहाई पर कोई सीधा कानूनी असर नहीं है। हालांकि, शपथ समारोह में शामिल होने के लिए उन्हें ट्रायल कोर्ट से अंतरिम जमानत की जरूरत होगी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट सुनील फर्नांडिस के बकौल, इंजीनियर रशीद विशेष अदालत का रुख कर सकते हैं, इस मामले में एनआईए अदालत उन्हें विचाराधीन कैदी के लिए अंतरिम जमानत दे सकती है। वे कहते हैं कि वह शपथ समारोह में शामिल होने के लिए उस कानूनी उपाय का लाभ उठा सकते हैं और बाद में वे नियमित जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। दोनों मामलों में, यह धन शोधन निवारण अधिनियम के अनुसार अदालत के समक्ष एनआईए द्वारा अपनाए जाने वाले रुख पर निर्भर करता है।

एडवोकेट फर्नांडीस ने कहा कि एनआईए अदालत द्वारा नियमित जमानत तभी दी जा सकती है जब याचिकाकर्ता न्यायाधीश को यह संतुष्टि दे सके कि प्रथम दृष्टया उसने अपराध की आय नहीं ली है, जिसे साबित करना याचिकाकर्ता के लिए इस समय बहुत मुश्किल लगता है।

जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय

के सीनियर एडवोकेट सैयद फासिल कादरी कहते हैं कि इंजीनियर राशिद जमानत के लिए एनआईए अदालत का दरव-ाजा खटखटा सकते हैं। अगर जमानत मिल जाती है, तो उन्हें शपथ समारोह के लिए संसद में उपस्थित होने की अनुमति दी जाएगी। स्थानीय अदालत के एक अन्य वकील एडवोकेट समीर ने कहा कि इंजीनियर राशिद की कैद उनकी चुनावी जीत से अलग मामला है। संसद में उपस्थित होने से पहले उन्हें आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करनी चाहिए। जब तक एनआईए अदालत द्वारा जमानत नहीं दी जाती है, या दोषी साबित नहीं किया जाता है, तब तक उन्हें रिहा नहीं किया जा सकता है।

समीर ने यह भी कहा कि अगर इंजीनियर राशिद अपनी कैद के कारण शपथ समारोह के 60 दिनों के भीतर संसद में शामिल होने में विफल रहते हैं, तो उनकी सीट खाली हो जाएगी। इसके अलावा, अगर वह दो साल तक जेल में रहता है, तो उसे अयोग्य ठहराया जा सकता है।

जानकारी के लिए इंजीनियर राशिद 9 अगस्त 2019 से तिहाड़ जेल में आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोप में कैद है। और संसद में उपस्थित होने के लिए, जेल में बंद सांसद को शपथ ग्रहण समारोह में ले जाने के लिए अधिकारियों से अनुमति लेनी होगी। शपथ लेने के बाद, उसे जेल वापस लौटना होगा। इसके बाद, उसे सदन की कार्यवाही में शामिल होने में अपनी असमर्थता के बारे में अध्यक्ष को सूचित करना होगा। इसके बाद अध्यक्ष सदन की अनुपस्थिति संबंधी समिति से परामर्श करेंगे। समिति यह सिफारिश करेगी कि सांसद को संसदीय सत्रों से छुट्टी दी जानी चाहिए या नहीं। इसके बाद अध्यक्ष इस सिफारिश पर मतदान करेंगे।

गौरतलब है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार आम चुनाव हुए। इंजीनियर राशिद ने कुल 472,481 वोट हासिल किए और जेकेएनसी के उमर अब्दुल्ला, जेकेपीसी के सज्जाद गनी लोन और पीडीपी के मीर फैयाज जैसे राजनीतिक दिग्गजों को 204,142 वोटों के बड़े अंतर से हराया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप की सहकर्मी के साथ लोकप्रियता बढेगी । व्यावसायिक रूप से चीजें ठीक ठाक चलेगी आपकी प्रगति होगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी और आपको आर्थिक लाभ प्राप्त करने के नये रास्ते बनेंगे . भाई–बहनों मे संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे. परिवार के सदस्यों के साथ यात्रा की योजना बन सकती है. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदमय और खुशहाल रहेगा । हल्का और तंदरुस्ती वाला भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें आप का दिन पाजिटिव रहेगा । आज आपके पहले किये गये प्रयास सफल होंगे अगर आप बिजनेसमैन है तो मेहनत ज्यादा करनी पडेगी। परिवार वालो के साथ समय बिताए उत्साह पूर्ण माहौल रहेगा. छात्रों के लिये आज का दिन ठीक है. कुछ ना कुछ नया सिखने को मिलेगा. आप को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा. शारीरिक रुप से आप फिट रहेगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज परिवार की सभी जरूरी और आवश्यक बातो पर गंभीर रुप से विचार करना चाहिए । परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. बिजनेस में बढ़ोतरी के लिये नए मौके मिल सकते हैं. मित्र और सम्बन्धी आप की मदद कर सकते हैं आप को लाभ पहुचा सकते हैं जीवनसाथी से प्यार और सहयोग मिलेगा. पति–पत्नी के बीच आपसी तालमेल बना रहेगा. भाइयों का सहयोग मिलेगा. संतान के कार्यों से आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को योग एवं प्राणायाम करते रहना चाहिए आप का कोई पुराना रोग परेशान कर सकता हैं पेट , कमर से जुडा मरज आप के व्यवस्थित जीवन को अस्त व्यस्त कर सकता हैं आर्थिक रुप से कमजोरी के कारण आप को कर्ज की रकम लेनी पड सकती हैं कार्यस्थल पर आप को सदैव अपने सहकर्मियों का समर्थन लेने के लिए मृदु भाषी होना पडेगा अगर आप प्रॉपर्टी–डीलर है या कन्स्ट्रक्शन का कार्य करते है तो सभी दस्तावेजों को गौर करके ही आगे बढाना चाहिए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज पहले जो जरूरी खास काम है उस को पूरा करने की कोशिश करें. अपने काम मे फुर्ती दिखाए आप ईनाम के हकदार होंगे। छात्रों को कम मेहनत करने पर भी प्रबल भाग्य के बल पर सफलता हासिल हो सकती है. विवाहित जोडें आज एक दूसरे की भावनाओं को समझे और एक दूसरे की मन की बात जानने की कोशिश करें, रिश्तों में मधुरता बढेगी. अगर आप किसी निजी समस्या से परेशान चल रहे हैं तो, उससे निजात पाने के लिये कोई ठंडा स कदम उठाना पडेगा जिससे आपकी मुश्किल आसान हो सकती है.स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप के लिए जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसानदेह साबित हो सकता हैं , इसलिए सोच विचार करके ही नतीजे पर पहुंचे ताकि जिन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जैसे जैसे समय बितता जाएगा वित्तीय तौर पर सुधार आएगा.पारिवारिक सदस्य की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत पडेगी. परन्तु सुधार जल्दी ही देखने को मिलेगा । जमीन का सौदा करना अभी के समय मे लाभकारी हैं दूसरे को खुश करने के लिए खुद को तनाव से न थकाएँ. थकान को दूर करने के लिए मैडिटेशन करते रहें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज पुरानी परियोजनाए जल्दी ही अपने अन्तिम रुप मे पहुंचेगी आपको विभिन्न निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है. आपकी कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी हो सकती हैं और आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आप एक समृद्ध और सुखी पारिवारिक जीवन जिएंगे, परिवार में उत्सव हो सकता है. आपके बच्चों का प्रदर्शन आपके मन में गर्व और खुशी की भावना पैदा करेगा. आज मौसम सम्बन्धित बिमारी घर के सदस्यों को परेशान कर सकती हैं , आयुर्वेदिक वस्तुओं का इस्तेमाल करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज भैरव मंदिर के दर्शन करें तेल का दीपक प्रज्वलित करें, अटके हुए कोर्ट–कचहरी के मामलें सुलझ सकते हैं . कुछ लोगों का व्यवहार आज आपकी समझ से बाहर रहेगा. जरुरत पड़ने पर साथ के कुछ लोग आपकी मदद नहीं करेंगे. ऐसी स्थितियों में पुराना घनिष्ठ मित्र जरूर याद आएगा ज्यादातर समय बच्चों का घर पर बितेगा, और उनसे कुछ बातें करेंगे. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. घर का माहौल खुशनुमा रहेगा. अचानक धनलाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन कुछ तकलीफ़े ला सकता हैं आपकी मुलाकात ईष्ट मित्रों से हो सकती है। किस्मत का साथ मिलेगा। घर परिवार में किसी सदस्य को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। इलाज में खर्च ज्यादा होने की संभावना है। दूसरों की मदद कर सकते हैं।अपनी दिनचर्या में बदलाव लाना होगा जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक बना रहे। अपरिचित लोगों से वार्ता नही करना चाहिए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज हनुमान मंत्र का जप करें तेल से अभिषेक करना चाहिए परन्तु आज का दिन व्यस्तता में बीतेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको परिवार का सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। कार्य क्षेत्र में भी नुकसान उठाना पड सकता है। प्रभु की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी। आपकी किसी समस्या का समाधान होगा। युवाओं को नौकरी मिल सकती है। कुसंगति को छोड़ें। निवेश के अवसर आएंगे। छात्रों को सफलता निश्चित हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का माहौल खुशनुमा रहेगा पारिवारिक सुख शांति भी रहेगी। आज का दिन ठीक रहेगा। वाहन चलाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज धार्मिक कार्यों में आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंतित रहेंगे। जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे कुछ भूल हो सकती है। आपको विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। किसी से विवाद हो सकता है। घनिष्ठ मित्रों के साथ समय व्यतीत करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भाग्य प्रबल हैं कर्मो के आधार पर निश्चित ही सफलता मिलेगी किस्मत का साथ मिलेगा। किसी से विवाद होने के बाद मन में नकारात्मक सोच ज्यादा रहेगी। स्वभाव में कुछ चिड़चिड़ापन दिखाई देगा। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है। बुजुर्गों को सेहत से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको निवेश पर अच्छा फायदा मिलेगा । छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। भोजन बहुत ही हल्का करें स्वास्थ्य एकदम चुस्त दुरुस्त रहेगा

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 07 जून 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा सायं 04:47 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 07:43 तक
योग : शूल रात्रि 08:04 तक
करण : किंस्तुघ्न प्रात: 05:24 तक
चन्द्रराशि : वृषभ प्रात: 07:56 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : चन्द्रदर्शन, मृगशिरा में रवि रात्रि 01:05 से , करवीर व्रत

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चलती कार में लगी आग, दो लोगों ने उतर कर बचाई जान

स्थानीय लोगों और दमकल के कर्मचारियों ने पाया काबू

भरतपुर,06 जून (एजेंसियां)। भरतपुर के चिकसाना थाना इलाके में के चलती कार में अचानक आग लग गई। आग लगते देख कार में बैठे दो लोग उतर कर भागे और अपनी जान बचाई। कार सिलेंडर और पेट्रोल की थी। गनीमत यह रही कि, कार में लगा सिलेंडर नहीं फटा। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

चिकसाना थाने के महेंद्र सिंह ने बताया कि, अचल तांबी और यतेंद्र सिंह निवासी कोठी दलवीर के पास थाना मथुरा गेट दोनों व्यक्ति भरतपुर के अछनेरा जा रहे थे। इस दौरान उंदरा गांव के पास चलती कार में अचानक आग लग गई। दोनों व्यक्तियों ने कार को सड़क किनारे रोका और कार से उतरकर भागे। घटना की सूचना दोनों व्यक्तियों ने तुरंत चिकसाना थाना पुलिस को दी। घटना के बारे में दमकल को सूचना दी गई।

कार गैस की थी जिसमें सिलेंडर लगा था। घटना को देख मौके पर काफी लोग इकट्ठे हो गए। आग इतनी तेज थी कि, कुछ देर में पूरी कार जलने लगी। जिसमें आग की ऊंची–ऊंची लपटें निकल रहीं थी। घटना के 15 मिनट के अंदर ही पुलिस और दमकल की गाड़ियां पहुंच गई। दमकल के कर्मचारियों और ग्रामीणों की मदद से आग को बुझाया गया। कार पूरी तरह से जल गई। गनीमत यह रही की कोई जनहानि नहीं हुई।

राजस्थानी गायक से फिरौती में 15 लाख मांगने वाले 6 गिरफ्तार

गाने बनवाने का झांसा देकर किया अपहरण

बूंदी,06 जून (एजेंसियां)। बूंदी जिले में राजस्थानी गायक के अपहरण और फिरौती मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने गायक का अपहरण कर 15 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। इस पर बूंदी पुलिस ने नाकाबंदी कर 36 घंटे में वारदात का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर गायक को सुरक्षित बचा लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से स्कॉर्पियो कार भी जब्त की है।

अपहरण की सूचना मिलते ही करवर पुलिस ने पड़ोसी जिले सवाई माधोपुर में नाकेबंदी करवाई थी। वहां बोली थाना इलाके में आरोपी नाकेबंदी में पकड़े गए। सात आरोपियों को नामजद करते हुए आरोपी गोलू, जयसिंह, विक्रम, खेमचन्द, विक्रम, अनिल को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

एसपी हनुमान प्रसाद मीना ने बताया कि तीन जून को शाम के समय आकाश निवासी कैदारा की झौपडियां ने करवर थाने में एक रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया कि मेरे बेटे नेमलाल को सुबह 11 बजे करीब मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने कहा कि मुझे तीन गाने बनवाने हैं तो मेरे बेटे ने कहा कि कल आ जाना। उसी नम्बर से मेरे पास अगले दिन फोन आया और कहा कि हम करवर आ गए हैं और हमारी गाड़ी में पेट्रोल खत्म हो गया है आप करवर आ जाओ।

मेरा बेटा और दोस्त अंकित पुत्र गोपीलाल मीणा दोनों बाइक लेकर करवर जिन्दल पेट्रोल पम्प के पास पहुंच गए। वहां दो लड़के रोड पर खडे. मिले। वो और बेटा आपस में बातें करने लगे इतने में एक स्कॉर्पियो गाड़ी काले रंग की बिना नम्बर की करवर की तरफ से पास आकर रुकी। स्कॉर्पियो में पीछे से साइड की फाटक खोलकर दो व्यक्ति नीचे ऊतरे। बदमाशों ने जबरदस्ती बेटे को पकड़कर गाड़ी में बिठा लिया। इतने में अंकित वहां से भाग निकला। अंकित ने वापस आकर पूरी घटना बताई। उसने बताया कि बेटे आकाश को गाड़ी में बिठाकर मुंह पर साफी बांधी गाड़ी में 6-7 आदमी थे, जो सवाईमाधोपुर की तरफ गए हैं। गाड़ी में बैठे व्यक्ति ड्राईवर को खेमचन्द व ड्राईवर के पास बैठी सवारी को विक्रम नाम लेकर पुकार रहे थे। इस घटना की जानकारी करवर थाना पुलिस को दी।

झाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई

75 लाख का डोडा पोस्ट बरामद कर दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जालोर,06 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सांचौर जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के विरुद्ध पुलिस लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई जारी है। जिले के झाब पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 444.520 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया। साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर डोडा पोस्त की तस्करी में प्रयुक्त एक पिकअप वाहन को जब्त किया है।

पुलिस की ओर से बरामद किए गए अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त की बाजार कीमत 75 लाख रुपये आंकी जा रही है। पुलिस के अनुसार सांचौर एसपी हरिशंकर के निर्देशन में पुलिस मुख्यालय द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिए विशेष चलाया जा रहा है, जिसमें अभियान के तहत झाब थाना अधिकारी कमलेश कुमार नेतृत्व में गठित टीम द्वारा गश्त के दौरान गांव चोरा में एक पिकअप वाहन से भरे हुए कुल 22 कट्टों में 444.520 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त बरामदकर आरोपी दीपाराम पुत्र तेजाराम बिश्नोई निवासी खिरोड़ी वह भजनलाल पुत्र किशनाराम बिश्नोई निवासी खिरोड़ी को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार कल थानाधिकारी कमलेश कुमार मय टीम ने सरहद छोरा में गोशाला के पास सामने से एक पिकअप वाहन के चालक ने पुलिस को वाहन को आता देख भागने का प्रयास किया। जिस पर पुलिस टीम ने उक्त ट्रॉले का पीछा किया। पुलिस ने आरोपियों को दस्तयाब कर वाहन पिकअप कीतलाशी ली। तलाशी के दौरान कुल 22 कट्टों में भरा 444.520 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त बरामद हुआ। जिस पर आरोपी दीपाराम पुत्र तेजाराम बिश्नोई निवासी खिरोड़ी भजनलाल बिश्नोई पुत्र किशनाराम बिश्नोई निवासी खिरोड़ी को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी दीपाराम पुत्र तेजाराम बिश्नोई पूर्व में पुलिस विभाग में कांस्टेबल रह चुका है जो वर्तमान में ग्राम विकास अधिकारी लगा हुआ है। वहीं आरोपी भजनलाल के विरुद्ध भी पूर्व में एक एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों से पुलिस की पूछताछ अनुसंधान जारी है। सांचौर जिला पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के अनुसार जिला पुलिस की ओर से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत झाब पुलिस ने गश्त के दौरान कार्रवाई कर 444.520 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्ट बरामदकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रॉपर्टी विवाद के चलते देवर ने भाभी सहित भतीजे–भतीजी पर चाकू से किया वार

भतीजे व भतीजी की हुई मौत

जयपुर,06 जून (एजेंसियां)। जयपुर में प्रॉपर्टी के विवाद में देवर ने अपनी भाभी और भतीजे–भतीजी पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। हमले के बाद आरोपी मौके से भागकर रेलवे ट्रैक पर पहुंचा और ट्रेन के आगे छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया।

चाकू से हमले में घायल दोनों मासूमों की मौत हो गई है, जबकि महिला का हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। घटना झोटवाड़ा इलाके की है। डीसीपी पश्चिम अमित कुमार ने बताया– लक्ष्मी नगर, निवारू रोड स्थित नंद गांव में बुधवार रात करीब 9 बजे प्रॉपर्टी विवाद को लेकर देवर रघुवीर ने अपनी भाभी शकुंतला, मासूम भतीजे सूर्यप्रताप और भतीजी दिव्यांशी को चाकू से गोद डाला।

हमले के बाद रघुवीर मौके से बाइक लेकर फरार हो गया। चीखें सुनकर पड़ोसी इकट्ठे हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर झोटवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो महिला और 2 बच्चे लहूलुहान हालत में मिले। घर में खून ही खून फैला था। पुलिस ने मां–बच्चों को एसएमएस हॉस्पिटल में पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने दिव्यांशी को मृत घोषित कर दिया, जबकि सूर्यप्रताप और शकुंतला को इलाज के लिए भर्ती किया। इलाज के दौरान सूर्यप्रताप ने भी दम तोड़ दिया। शकुंतला की हालत गंभीर बनी हुई है। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से मौके से सबूत जुटाए हैं।

सरहिंद रेल हादसा: लोको पायलट ने कबूला झपकी से हुआ हादसा

सिग्नल को नहीं देख पाए, 22 कर्मचारियों के बयान दर्ज

अंबाला,06 जून (एजेंसियां)। मालगाड़ी के लोको पायलट ने कमिश्नर रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) के समक्ष बयान दर्ज करवाए हैं कि नींद की झपकी के कारण वो सिग्नल को नहीं देख पाए और हादसा हो गया। लगभग 20 से 22 कर्मचारियों के बयान दर्ज करने के बाद सीआरएस की टीम वापिस लौट गई है।

अब तथ्यों और प्राप्त बयानों के आधार पर दुर्घटना का आकलन किया जाएगा जिससे दोबारा से ऐसी कोई नौबत न आए। वहीं, दुर्घटना से सबक लेते हुए डीएफसीसीआईएल कॉरिडोर के अधिकारी भी दोबारा से लोको पायलटों का मनोबल बढ़ाने में जुट गए हैं। इस दौरान यह भी जानकारी सामने आई है कि जितने भी पहले रेलवे हादसे हुए हैं वो सुबह तीन और चार बजे के बीच हुए हैं क्योंकि इस दौरान नींद बहुत आती है।

ऐसे ही कुछ मामलों में लोको पायलट ने पूर्व भी अपने बयान दर्ज करवाए हैं। गौरतलब है कि रविवार तड़के लगभग 3.16 बजे डीएफसीसीआईएल कॉरिडोर के न्यू सरहिंद रेलवे स्टेशन पर हादसा हो गया था। जब पहले ही स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी को पीछे से आई दूसरी मालगाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के कारण मालगाड़ी का इंजन अंबाला–लुधियाना रेल सेक्शन की मुख्य अप लाइन पर पलट गया और इस दौरान कोलकाता–जम्मूतवी स्पेशल ट्रेन नंबर 04681 लाइन से गुजर रही थी। इस ट्रेन के अंतिम दो कोच इंजन की चपेट में आ गए। गनीमत रही कि समय रहते यात्री ट्रेन के लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई।

चुनाव के सकारात्मक नतीजों पर बोले पायलट

भाजपा की जन विरोधी नीतियों पर इंडिया अलाइंस को मिला समर्थन

टोंक,06 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव नतीजों पर सचिन पायलट ने बड़ा बयान दिया। टोंक में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा कि जनता ने भाजपा की जन विरोधी नीतियों पर इंडिया अलाइंस को समर्थन दिया है।

राजस्थान से लेकर गुजरात तक हमारे अलाइंस के साथी चुनाव जीतकर आए हैं। देश में निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को जेल में भेजा गया। युवाओं के साथ अग्निवीर जैसी योजनाओं के नाम पर धोखा किया गया।

अभी कुछ कहना जल्दबाजी

इतना ही नहीं देश में सरकार के गठन को लेकर भी पायलट ने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। अभी हम वेट एंड वॉच की स्थिति में हैं।

संजना जाटव के पास जनता का आशीर्वाद

सबसे कम उम्र के सांसद के रिकार्ड पर भी पायलट ने कहा कि भरतपुर से हमारी प्रत्याशी संजना जाटव तो सबसे कम उम्र की सांसद निर्वाचित हुई हैं। उन्होंने साबित किया कि जनता का आशीर्वाद उनके साथ है।

डूबने से दो सप्ताह में छठी मौत, नहर किनारे मिली युवक की बाइक

महेंद्रगढ़,06 जून (एजेंसियां)। महेंद्रगढ़ में पिछले दो सप्ताह में नहरों व जोहड़ों में डूबने से छह मौत हो चुकी हैं। वीरवार को शहर निवासी करीब 30 वर्षीय व्यक्ति की जेएलएन एनबी–2 पंप हाउस के पास डूबने से मौत हो गई। पंप हाउस कर्मचारियों की और से पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद सदर थाना प्रभारी धर्मबीर सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंच गए तथा शव को नहर से बाहर निकालकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है महेंद्रगढ़ के मोहल्ला नीमड़ी नीचे निवासी करीब 30 वर्षीय युवक की बाइक भी नहर किनारे मिली।

कर्मचारियों की मानें तो जब वह जेएलएन एनबी–2 पंप हाउस के उत्तर छोर पर पहुंचे तो एक शव तैराता दिखाई दिया। सूचना के बाद मौके पर 112 की दो गाड़ियां भी पहुंच गई थी। ईआरवी में तैनात युद्धवीर ने टीम की मदद से शव को बाहर निकाला तथा नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ़ पहुंचाया।बता दें कि पिछले दो सप्ताह के दौरान गांव डेरोली जाट में दो युवकों, अटेली के गांव फतेहपुर फतनी जोहड़ में डूबने से एक ही परिवार के दो युवाओं की मौत हो चुकी है। वहीं गांव दौचाना निवासी 18 वर्षीय राजेंद्र की नहर में नहाते समय पेड़ की जड़ों में पैर फंसने से उसकी डूबकर मौत हो गई थी।

पुरानी कोर्ट रोड पर रंजिश में 15–20 बदमाशों ने गाड़ी पर बरसाई ईंटें

दो युवकों ने भागकर बचाई जान

फतेहाबाद,06 जून (एजेंसियां)। फतेहाबाद के पुरानी कोर्ट रोड पर वीरवार दोपहर को चार गाड़ियों में आए करीब 15 से 20 युवकों ने टाटा हैरीयर गाड़ी सवार दो युवकों पर रंजिश के चलते हमला कर दिया। हमले से बचने के लिए दोनों युवक गाड़ी छोड़ वहां से भागे तो हमलावरों ने ईंटों से गाड़ी पर हमला बोल दिया और चारों तरफ के शीशे तोड़ दिए। गाड़ी के शीशे तोडने.के बाद हमलावर युवक वहां से फरार हो गए। युवकों पर गाड़ी में से एक लाख की नकदी व चेन भी छीनने के आरोप लगाए गए है। हैरियर गाड़ी सवार युवकों द्वारा डायल 112 पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज ढूंढ रही है।

मामले के मुतबिक गांव भोड़िया खेड़ा निवासी सचिन व विनोद ने बताया कि अप्रैल माह में उनकी यमुनानगर के रादौर क्षेत्र में गाड़ी व करीब 11 लाख रुपये की नकदी की लूटपाट हुई थी। उस मामले में उन्होंने कुछ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। आरोप है कि अब दूसरे पक्ष द्वारा उन पर समझौते का दबाव बनाया जा रहा है और धमकियां दी जा रही थी।

वीरवार दोपहर को दोनों गाड़ी लेकर फतेहाबाद के पुरानी कोर्ट रोड पर काम से आए थे। उन्होंने ब्राहम्ण धर्मशाला के पास गाड़ी खड़ी की और इतने में दो क्रेटा और दो थार में सवार होकर आए 15 से 20 युवकों ने हमला कर दिया। इस दौरान उन्होंने जान बचाने के लिए भाग गए। इसके बाद हमलावर युवकों ने गाड़ी पर ईंटे बरसाई और शीशे तोड़ दिए। हमले के बाद युवक मौके से भाग गए। इसके बाद उन्होंने डायल 112 और पुलिस अधिकारियों को सूचना दी।

क्यों छोटे बच्चों का नहीं किया जाता है दाह संस्कार? जानिए कारण

हिंदू धर्म में जीवन के हर एक चक्र का अपना- अपना स्थान है। 16 संस्कारों में से एक अंतिम संस्कार को माना जाता है, यह व्यक्ति का आखिरी और सबसे अहम संस्कार है। गरुण पुराण के अनुसार, मृत्यु के बाद शरीर को जलाने (ऊीशारींळेप) का विधान है, लेकिन शिशु व सन्यासी को दफनाने की परंपरा है, जिसको लेकर लोगों के मन में अक्सर यह सवाल उठता है कि आखिर ऐसा क्यों होता है?

शिशुओं को क्यों दफनाया जाता है?

गरुण पुराण के अनुसार, गर्भ में पल रहे शिशु या फिर 2 साल से कम उम्र के बच्चे की मृत्यु होती है, तो उसे जलाने की अनुमति नहीं है। ऐसा माना जाता कि छोटी उम्र में मृत्यु होने पर आत्मा को शरीर से लगाव नहीं रहता है, नाही उसे शरीर से कोई लाभ होता है। इस वजह से आत्मा उस शरीर को तुरंत छोड़ देती है। यही कारण है कि नवजात शिशु को जलाने की जगह दफनाया जाता है। या फिर किसी नदी में विसर्जित कर दिया जाता है।

साधु-संतों को क्यों नहीं जलाया जाता?

गरुण पुराण के अनुसार, साधु-संतों को भी नहीं जलाया जाता है, क्योंकि संत पुरुषों की आत्मा शरीर में रहते हुए भी सांसारिक सुखों का त्याग कर देती है। साथ ही मोह-माया से दूर रहती है। इसके अलावा तप और पूजा-पाठ करके अपनी इंद्रियों पर विजय भी प्राप्त कर लेती है। इसी वजह से उनके शरीर को दफनाने की परंपरा है।

इस एक श्राप के कारण महिलाएं अपने पेट में कुछ नहीं छिपा सकतीं, पढ़िए पौराणिक कथा

महाभारत का युद्ध कौरवों और पांडवों के बीच लड़ा गया था। उस समय की ऐसी कई घटनाएं हैं, जो आज भी याद की जाती हैं। महाभारत काल में दिया गया एक श्राप आज भी महिलाओं को प्रभावित कर रहा है। इससे जुड़ी पौराणिक कथा क्या है आइए, जानते हैं।

क्रोधित हो गए थे युधिष्ठिर

एक पौराणिक कथा में यह बताया गया है कि जब महाभारत का युद्ध खत्म हो गया था, तो माता कुंती ने कर्ण के शव को गोद में ले रखा था और रो रही थीं। ऐसा दृश्य देखकर पांडव हैरान रह गए थे और कुंती से पूछने लगे कि वह शत्रु की मृत्यु पर आंसू क्यों बहा रही हैं। तब कुंती ने कहा कि कर्ण उनका बड़ा पुत्र है।

यह सुनकर युधिष्ठिर क्रोधित हो गए और उन्होंने अपनी माता कुंती को श्राप देते हुए कहा कि आज से समस्त स्त्री जाति अपने पेट में कुछ भी छिपाकर नहीं रख सकेगी। तभी से माना जाता है कि यह श्राप महिलाओं पर अभी तक असर करता है।

ऋषि दुर्वासा ने दिया था कुंती को मंत्र

कर्ण के जन्म के बारे में एक बहुत ही रोचक कहानी महाभारत ग्रंथ में मिलती है, जिसके अनुसार, एक बार ऋषि दुर्वासा कुंती की सेवा से बहुत प्रसन्न हुए।

इससे वह कुंती को एक मंत्र देते हैं और कहते हैं कि इस मंत्र का जाप करके तुम जिस भी देवता का आह्वान करोगी, तुम्हें उसी देवता से पुत्र प्राप्त होगा।

तब कुंती ने इस मंत्र का परीक्षण करने के बारे में सोचा और सूर्य देव का आह्वान किया और फिर उन्होंने कर्ण को सूर्य देव के कवच और कुंडल पहने हुए प्राप्त किया। लेकिन लोक-लाज के भय से कुंती ने बालक को एक बक्से में बंद करके नदी में प्रवाहित कर दिया।

विनायक चतुर्थी पर बनने जा रहे हैं बेहद शुभ संयोग

प्राप्त होगा कई गुना फल

इस बार विनायक चतुर्थी 10 जून को मनाई जाने वाली है। यह पर्व हर माह शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है। इसके अलावा विशेष कार्यों में सफलता पाने के लिए व्रत भी रखा जाता है।

भगवान गणेश सभी प्रकार के कष्टों को दूर करते हैं। ऐसे में विनायक चतुर्थी पर सच्चे मन से बप्पा की पूजा करने से सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। ज्योतिषियों के मुताबिक, विनायक चतुर्थी पर कई शुभ योग बन रहे हैं। इनमें दुर्लभ ध्रुव योग भी शामिल है। इन योगों में भगवान गणेश की पूजा करने से कई गुना फल प्राप्त होता है।

विनायक चतुर्थी 2024 तिथि

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 9 जून को दोपहर 3.44 बजे होगी और इसकी समाप्ति 10 जून को शाम 4.14 बजे होगी। वहीं, इस दिन चंद्र दर्शन का समय 02 घंटे 47 मिनट रहेगा। चंद्रास्त का समय रात 10:54 बजे है। आप शुभ मुहूर्त देखकर भगवान गणेश की पूजा कर सकते हैं।

ध्रुव योग

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर ध्रुव योग बन रहा है। यह योग शाम 4 बजकर 48 मिनट तक है। ध्रुव योग को ज्योतिषी शुभ मानते हैं। इस योग में भगवान गणेश की पूजा करने से बहुत लाभ मिलता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग

इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग भी बन रहा है। दोनों योग सुबह 5.23 बजे से बन रहे हैं। ये योग रात 9 बजकर 40 मिनट पर समाप्त होंगे।

पुष्य नक्षत्र संयोग

विनायक चतुर्थी पर पुष्य नक्षत्र का संयोग भी बनने जा रहा है। इस योग में भगवान गणेश की पूजा करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

गलती से भी न लें इन लोगों की सलाह

वरना बिगड़ जाएगा बना-बनाया काम, जाने विदुर नीति

असल में विदुर-नीति महाभारत युद्ध से पहले युद्ध के परिणाम को लेकर धृतराष्ट्र और महात्मा विदुर के बीच हुआ संवाद है। चाणक्य नीति की तरह ही विदुर नीति भी काफी लोकप्रिय है। महाभारत काल के महात्मा विदुर ने अपनी नीति में ऐसी कई बातों का वर्णन किया है, जिन्हें अपनाने से व्यक्ति जीवन की कई समस्याओं से बच सकता है।

किन लोगों से रहना है दूर

महात्मा विदुर के अनुसार, ऐसे लोगों से कभी सलाह नहीं लेनी चाहिए, जो हमेशा जल्दबाजी में रहते हैं या फिर बिना सोचे-समझे ही कोई भी कार्य कर देते हैं। क्योंकि ऐसे लोग खुद के साथ-साथ दूसरों का भी काम बिगाड़ देते हैं। ऐसे में इस प्रकार के लोगों से हमेशा सतर्क रहना चाहिए।

ये लोग कर सकते हैं नुकसान

विदुर जी का कहना है कि कभी किसी चापलूस व्यक्ति से भी सलाह लेने से बचना चाहिए। क्योंकि ऐसे लोग सिर्फ अपने फायदे के लिए ही हां में हां मिलाते हैं, चाहे वह बात गलत ही क्यों न हो। ऐसे में यदि आप इन लोगों से सलाह लेते हैं, तो इससे आपको फायदे की जगह नुकसान हो सकता है।

इनकी सलाह भी पड़ सकती है भारी

महात्मा विदुर ने ऐसे लोगों की सलाह लेने से भी मना किया गया है, जो कम समझदार यानी अल्प बुद्धि वाले होते हैं या फिर ऐसे व्यक्ति की भी सलाह न लें जो उस क्षेत्र से संबंधित न हो। क्योंकि इनकी सलाह भी आपके मुसीबत में डाल सकती है। महात्मा विदुर ने ऐसे लोगों से भी सलाह लेने से मना किया है जो अधिक सोचते हैं या फिर हर बात में केवल नकारात्मकता ढूंढते हैं। ऐसे लोगों को दीर्घसूत्री कहा जाता है।

मिथुन राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं चंद्र देव

इन 3 राशियों की पलट जाएगी किस्मत

कुंडली में मौजूद ग्रह किसी न किसी चीज के कारक माने जाते हैं। इसी तरह ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा को मन का कारक माना गया है। चंद्रमा इस समय वृषभ राशि में है। इस राशि में चंद्रमा उच्च का होता है। इसी कारण से वृषभ राशि वालों को सदैव शुभ फल की प्राप्ति होती है। 7 जून को चंद्रमा वृषभ से मिथुन राशि में गोचर करने जा रहे हैं। चंद्रमा के गोचर का प्रभाव सभी राशियों के जातकों पर देखने को मिलेगा। वहीं, 3 राशियां ऐसी हैं, जिन्हें इस गोचर से सबसे ज्यादा लाभ मिलने वाला है।

ज्योतिषियों के मुताबिक, चंद्रमा 7 जून को सुबह 7 बजकर 55 मिनट पर वृषभ राशि से मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। चंद्रमा 9 जून तक इसी राशि में रहने वाले हैं। फिर चंद्रमा मिथुन से कर्क राशि में गोचर करेंगे। बता दें कि चंद्रमा एक राशि में सवा दो दिन तक रहते हैं। चंद्रमा के राशि परिवर्तन से कर्क राशि के जातकों को भी काफी लाभ मिलने वाला है।

वृषभ राशि

चंद्र देव फिलहाल वृषभ राशि में विराजमान हैं। मिथुन राशि में गोचर करने के बाद चंद्र देव वृषभ राशि के धन भाव में उपस्थित रहेंगे। इन जातकों को जमकर धन लाभ हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक रूप से इन राशि वालों के लिए यह समय शुभ रहने वाला है। व्यापारियों को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

मिथुन राशि

चंद्र देव मिथुन राशि में ही प्रवेश करने जा रहे हैं। ऐसे में इस दौरान इन राशि वालों को जमकर लाभ होने वाला है। निवेश से लाभ मिलेगा। काम के नए मौके मिलेंगे। कारोबारियों को लाभ प्राप्त होगा। इस दौरान आप खूब सारा धन कमा सकते हैं। हर काम में भाग्य का साथ मिलेगा। साथ ही हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क राशि

कर्क राशि के स्वामी चंद्र देव माने जाते हैं। इस राशि पर भगवान शिव की कृपा बनी रहती है।

परिवार में खुशियां आएंगी। किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आपके पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस दौरान मानसिक तनाव से छुटकारा मिलता है।

हनुमान चालीसा की इन चौपाइयों का रोजाना करें पाठ, जाग जाएगा सोया हुआ भाग्य

हनुमान जी, हिंदू धर्म के सबसे ज्यादा पूजे जाने वाले देवों में से एक हैं। मुख्य रूप से हनुमान जी को प्रभु श्री राम के परम भक्त के रूप में जाना जाता है। हनुमान जी की कृपा प्राप्ति के लिए नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ बेहतर माना गया है। ऐसे में यदि आप किसी कारणवश संपूर्ण चालीसा का पाठ करने में सक्षम नहीं है, तो केवल इन चौपाइयों का पाठ करके भी हनुमान जी की कृपा का पात्र बन सकते है।

अष्ट-सिद्धि नवनिधि के दाता।
अस बर दीन जानकी माता।।

हनुमान चालीसा की ये चौपाई सबसे महत्वपूर्ण चौपाइयों में से एक है। इसके अनुसार, हनुमान जी आठ सिद्धि और नौ निधियों को देने वाले देवता हैं। यह वरदान उन्हें माता सीता से प्राप्त हुआ था। ऐसे में रोजाना इस चौपाई का पाठ करने से जीवन में कई तरह की सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं।

सब सुख लहै तुम्हारी सरना,
तुम रक्षक काहू को डरना।

हनुमान चालीसा की इस चौपाई में कहा गया है कि जो भी आपकी अर्थात हनुमान जी की शरण में आता है, उन सभी को सुख प्राप्ति होती है और कभी किसी का डर नहीं सताता।

भूत-पिशाच निकट नहीं आवे।
महाबीर जब नाम सुनावे।।

हनुमान चालीसा की इस चौपाई को बहुत ही लाभकारी माना गया है। यदि किसी व्यक्ति को हमेशा किसी-न-किसी बात का जर सताता रहता है, तो ऐसे में नियमित रूप से इस चौपाई का जाप करना चाहिए। इससे मन से सभी प्रकार के भय समाप्त हो जाते हैं।

नासे रोग हरे सब पीरा।
जो सुमिरे हनुमंत बलबीरा।।

इस चौपाई में कहा गया है कि जो व्यक्ति निरंतर रूप से हनुमान जी का ध्यान करता रहता है, उसे सभी प्रकार की बीमारियों और दुख-दर्द से छुटकारा मिलता है।

14 जून को पड़ रही है मासिक दुर्गाष्टमी

मां दुर्गा को इस तरह करें प्रसन्न

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, मां दुर्गा के लिए हर महीने मासिक दुर्गाष्टमी का व्रत रखा जाता है। इस दिन व्रत करने से मां दुर्गा प्रसन्न होकर जातक पर अपना आशीर्वाद बनाएं रखती हैं। आइए, जानते हैं कि इस बार मासिक दुर्गाष्टमी का पर्व कब मनाया जाएगा और इस दिन किस तरह माता रानी की पूजा करनी चाहिए।

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 13 जून 2024 को रात्रि 8 बजकर 03 मिनट पर प्रारंभ होगी। यह तिथि 14 जून को रात 10 बजकर 33 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में मासिक दुर्गाष्टमी का व्रत उदया तिथि के अनुसार, 14 जून, शुक्रवार को रखा जाएगा।

मासिक दुर्गाष्टमी पूजा विधि

मासिक दुर्गाष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें।

इसके बाद मां दुर्गा का ध्यान करें और व्रत का संकल्प लें।

मंदिर की साफ-सफाई के बाद एक चौकी पर साफ लाल कपड़ा बिछाएं।

इसके बाद मां दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।

लाल रंग मां दुर्गा का पसंदीदा रंग माना जाता है। ऐसे में सोलह श्रृंगार का सामान, लाल चुनरी, लाल फूल आदि चढ़ाएं।

अंत में मां दुर्गा की आरती और उनके मंत्रों का जाप करें।

सभी लोगों में प्रसाद बांट दें।

इन मंत्रों का करें जाप

या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु तुष्टिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
ॐ जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी।
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते।
सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोऽस्तुते।।

भद्रावास योग में मनाई जाएगी गायत्री जयंती, जानिए शुभ मुहूर्त एवं महत्व

हर वर्ष ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को गायत्री जयंती मनाई जाती है। यह पर्व गंगा दशहरा के एक दिन बाद मनाया जाता है। इस वर्ष 16 जून को गंगा दशहरा है। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मां गायत्री की विधि-विधान से पूजा की जाती है। धार्मिक मत है कि मां गायत्री की पूजा करने से साधक को बड़े से बड़े काम में सफलता मिलती है। साथ ही साधक बुद्धिमान और विवेकवान बनता है। ज्योतिषियों की मानें तो गायत्री जयंती पर दुर्लभ भद्रावास का संयोग बन रहा है। साथ ही शिव योग का भी निर्माण हो रहा है। इन योग में मां गायत्री की पूजा करने से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध हो जाएंगे। आइए, योग और शुभ मुहूर्त के बारे में जानते हैं।

शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 17 जून को प्रातः काल 04 बजकर 43 मिनट पर शुरू होगी और 18 जून को सुबह 06 बजकर 44 मिनट पर समाप्त होगी। इस प्रकार 17 जून को गायत्री जयंती मनाई जाएगी। इसके अगले दिन निर्जला एकादशी मनाई जाएगी। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है।

भद्रावास योग

ज्योतिषियों की मानें तो गायत्री जयंती पर भद्रावास योग का निर्माण शाम 05 बजकर 38 मिनट से हो रहा है। यह योग पूर्ण रात्रि तक है। इस दौरान मां गायत्री की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को भद्रावास पाताल में रहेंगी। भद्रा के पाताल में रहने के दौरान पृथ्वी के समस्त जीवों का कल्याण होता है।

शिव योग

गायत्री जयंती पर शिव योग भी बन रहा है। इस योग का निर्माण 17 जून को रात 09 बजकर 39 मिनट से हो रहा है। यह योग 18 जून को रात 09 बजकर 39 मिनट तक रहेगा। इस योग में मां गायत्री की उपासना करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होगी।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 23 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 07 बजकर 21 मिनट पर
चंद्रोदय- दोपहर 03 बजकर 02 मिनट पर
चंद्रास्त- देर रात 02 बजकर 18 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 03 मिनट से 04 बजकर 43 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 42 मिनट से 03 बजकर 38 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 20 मिनट से 07 बजकर 40 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 02 मिनट से 12 बजकर 42 मिनट तक

कल्कि 2898 एडी पर आया बड़ा अपडेट

10 जून को रिलीज होगा फिल्म का ट्रेलर

कल्कि 2898 एडी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। हाल में ही इससे संबधित एक एनिमेटेड सीरीज लॉन्च की गई थी। अब निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर को लेकर नई घोषणा की है। कल्कि 2898 एडी की चर्चा देशभर में जोरों शोरों से हो रही है। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसका देश भर में दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में साइंस-फिक्शन और भारतीय पौराणिक कथाओं का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलने वाला है। फिल्म में कई बड़े कलाकार एक साथ नजर आएंगे। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अब इस फिल्म के ट्रेलर को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। यह अब तक की बनी सबसे महंगी भारतीय फिल्मों में से एक है। फिल्म पर 425 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। बीते कुछ दिनों फिल्म को लेकर लगातार नई खबरें सामने आ रही थीं। हर खबर के साथ दर्शकों की उत्सुकता बढ़ती जा रही है। अब इसके निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर रिलीज डेट से पर्दा हटाया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर जारी कर ट्रेलर के रिलीज डेट की घोषणा की है। जारी हुए नए पोस्टर के मुताबिक, फिल्म का ट्रेलर 10,जून 2024 को रिलीज किया जाएगा। बीते कुछ समय से फिल्म के निर्माता लगातार नए तरीकों से फिल्म की मार्केटिंग कर रहे हैं। बीते सोमवार को ही मेकर्स ने एक पोस्ट कर जल्द ही फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट जारी करने इशारा किया था, जिसके बाद आज फिल्म के ट्रेलर के रिलीज डेट की घोषणा की गई है। इससे पहले भी मेकर्स ने कुछ पोस्टर्स जारी किए थे, जिससे दर्शकों का उत्साह काफी बढ़ गया था। इसके अलावा निर्माताओं के तरफ से फिल्म के दो अहम किरदार भैरव और बुज्जी को लेकर एक एनिमेटेड सीरीज भी जारी किया था। इस सीरीज के द्वारा निर्माताओं ने फिल्म में दिखाई जाने वाली दुनिया से परिचय कराया है। बता दें कि कल्कि 2898 एडी एक पैन इंडिया फिल्म है। फिल्म में कई बड़े कलाकार नजर आने वाले हैं। फिल्म में प्रभास, अमिताभ

बच्चन,कमल हासन, दीपिका पादुकोण, दिशा पाटनी, ब्रह्मानंदम, पशुपति और राजेंद्र प्रसाद जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। इस फिल्म का निर्माण वैजयंती मूवीज के बैनर तले सी अश्विनी दत्त कर रहे हैं। फिल्म का संगीत संतोष नारायणन ने दिया है। फिल्म इस साल ही 27 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

साड़ी में कयामत ढाती दिखीं अवनीत कौर

बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस के बीच लाइमलाइट लूट लेती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया हेंडल पर पोस्ट करती हैं तो लोग अक्सर उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने एथनिक लुक से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।अवनीत कौर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने बोल्ड और हॉट लुक से फैंस को इस कदर कायल किया हुआ है कि लोग उनकी तस्वीरों पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाते हैं।एक्ट्रेस हर बार इंडियन और वेस्टर्न लुक में अपनी फोटोज शेयर कर के अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।अवनीत कौर का फैशन स्टेटमेंट हमेशा से ही ऑन प्वॉइंट रहता है। उनका हर एक स्टाइल फैंस काफी ज्यादा फॉलो करते हैं।हाल ही में हुए फोटोशूट में आप

देख सकते हैं एक्ट्रेस अवनीत कौर पिंक कलर की बेहद ही सिंपल साड़ी पहने हुए नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने रिवीलिंग ब्लाउज भी कैरी किया हुआ है।कानों नें झुमके, खुले बाल और सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।इन तस्वीरों पर भी एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- लुकिंग गॉर्जियस, फिर दूसरे यूजर ने लिखा सो हॉट एंड ग्लैमरस। वहीं तीसरे यूजर ने हार्ट इमोजी भेजते हुए कॉमेंट ब्यूटिफुल कॉमेंट किया है।

ईशान खट्टर के साथ काम करना चाहती हैं अनुष्का सेन

अनुष्का सेन का नाम टीवी जगत की उन अभिनेत्रियो की सूची मे शामिल है, जिन्होंने छोटी उम्र में इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया है।अनुष्का अभी 21 साल की हैं और वे टीवी शो से लेकर वेब सीरीज और फिल्मों तक में अपनी अदाकारी का तड़का लगा चुकी हैं।अब अनुष्का ने अभिनेता ईशान खट्टर के साथ काम करने की इच्छा जताई है। ईशान उनके पसंदीदा अभिनेता हैं।अनुष्का ने बताया कि उन्हें ईशान की अदाकारी बहुत पसंद है।बातचीत में अनुष्का ने दिग्गज अभिनेता रणवीर सिंह की भी खूब तारीफ की।उन्होंने कहा, रणवीर सिंह की ऊर्जा बहुत अलग है। हे भगवान, क्या ऊर्जा है। मुझे बहुत अच्छा लगता है जब वह अपनी एनर्जी के साथ दिखाई देते हैं और मुझे वह सफेद कपड़ों में बहुत अच्छे लगे हैं। मुझे यह बहुत पसंद है।अनुष्का अब तक क्रेजी कुक्कड़ फैमिली, लिहाफ: द क्लिल्ट और सम्माद्रि जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।अनुष्का ने साल 2009 में आया टीवी शो यहां मैं घर घर खेली के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। हालांकि, अनुष्का को पहचान बालवीर से मिली, जो साल 2012 में आया था।झांसी की रानी, अपना टाइम भी आएगा, देवों के देव...महादेव और इंटरनेट वाला लव जैसे टीवी शो में नजर आ चुकी हैं।अनुष्का रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 11 में भी दिखाई दी थीं।

स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सीखते वक्त आया शो बादल पे पांव है का आइडिया: सरगुन मेहता

अपकमिंग सीरियल बादल पे पांव है की निर्माता सरगुन मेहता ने शो के यूनीक कॉन्सेप्ट के बारे में कहा कि स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग करने वाली महिला के ऊपर पहली बार किसी शो की कहानी बनाई गई है।सरगुन ने कहा, मैं बहुत लंबे समय से स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सीखना चाहती थी, और मेरे सभी दोस्त, मेरे पापा, मेरे भाई और यहां तक कि अब मेरी भाभी भी स्टॉक ट्रेडिंग करते हैं। जब मैं स्टॉक के बारे में सीख रही थी, तब यह आइडिया मेरे दिमाग में आया और मैं सोचने लगी कि मैं यह क्यों करना चाहती हूं और किस तरह के लोग स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग करते हैं।उन्होंने कहा, तभी बानी का किरदार मेरे दिमाग में आया। यह न केवल मेरे सभी शो से अलग है, बल्कि यह सभी टीवी शो से भी अलग है। सबसे पहले, यह पूरी तरह से एक अलग दुनिया है। लंबे समय तक, महिलाएं केवल सिलाई या खाना पकाने का काम करती थीं क्योंकि उनके लिए करियर के ऑप्शन कम थे। इसलिए, उनमें जो भी स्किल थी, उन्होंने जो कुछ भी सीखा.. उसे करियर में बदल दिया।सरगुन ने कहा, लेकिन आज की पीढ़ी किसी खास हुनर से बंधी नहीं है। उन्होंने अपने लिए करियर के नए रास्ते खोल लिए हैं। आज महिलाएं हर काम कर रही हैं, तो फिर शेयर बाजार में ट्रेडिंग क्यों नहीं।एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू द्वारा निभाए गए बानी के किरदार को लेकर सरगुन ने कहा, इस किरदार की परिकल्पना काफी हद तक इस बात पर आधारित है कि मेरी परवरिश कैसे हुई है और मेरी मां कैसी हैं। हम ऐसे लोग हैं जो वाकई बड़े सपने देखते हैं। इसलिए, यह शो ऐसी लड़की की कहानी है जो उन सबसे सवाल कर रही है जो कहते हैं कि यही हमारी किस्मत है, और हम इसी में खुश हैं। वह उस सामाजिक मानदंड को चुनौती देती है।बानी के किरदार के लिए अमनदीप सिद्धू को चुनने पर सरगुन ने कहा, जब हमने अमनदीप का पहला ऑडिशन देखा तो मैं तुरंत उससे कनेक्ट हो गई। जब हमने उनके साथ मॉक शूट किया तो मेरे डायरेक्टर और मैं उन्हें चुनने के लिए 100 प्रतिशत राजी हो गए। हालांकि, मैं तब तक अमनदीप से नहीं मिली थी। लेकिन जब मैं पहली बार उससे मिली और उसे कुछ सीन सुनाए, तो मैंने उसकी आंखों में एक अलग चमक देखी।सरगुन ने कहा, उसने मुझे अपनी जिंदगी के कई ऐसे किस्से बताए जहां वह बिल्कुल बानी की तरह थी। उस पल, मुझे यकीन हो गया कि वह बानी ही है। अमनदीप बानी के बहुत करीब थी और मुझे लगता है कि वह बस इस किरदार को अपनाने का इंतजार कर रही थी। बादल पे पांव है 10 जून से सोनी सब पर प्रसारित होगा।

सामंथा रुथ प्रभु की लेटेस्ट तस्वीर ने मचाया हंगामा

साउथ की खूबसूरत एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। इन दिनों भले ही एक्ट्रेस एक्टिंग से ब्रेक ले चुकी हैं, लेकिन आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। हालिया शेयर की गई तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु आए दिन अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फोटोज पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही छा जाता है।हाल ही में एक्ट्रेस सामथा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उन पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने रेड कलर का बेहद ही सेक्सी जंपसूट आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं।

बालों को ओपन कर के और साथ ही न्यूड मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

संपादकीय

अप्रत्याशित जनादेश

आम चुनाव का जनादेश बेहद अप्रत्याशित रहा। बेशक भाजपा-एनडीए के पक्ष में स्पष्ट बहुमत लगता है, लेकिन भाजपा अपने बूते बहुमत के जादुई आंकड़े को छूती नहीं लगती। भाजपा अभी तक 243 सीटों पर विजयी रही है, जबकि मतगणना जारी थी। बहुमत के लिए कमोबेश 272 का आंकड़ा अपेक्षित है। दूसरी ओर कांग्रेस 97 सीटें जीती थी। यह आंकड़ा 2019 की 52 सीटों से लगभग दोगुना है। यह आलेख लिखने तक 'इंडिया' गठबंधन ने 228 सीटें जीत कर देश को चौंका दिया है। भाजपा को सबसे बड़ा झटका उप्र में लगा, जहां वह 70 से अधिक सीटें जीतने की रणनीति पर काम कर रही थी, लेकिन अब आंकड़ा 35 के करीब थमता लगता है। सपा और कांग्रेस 40 सीटों से भी आगे थीं। उप्र ने भाजपा की स्पष्ट जीत के तमाम समीकरण उलट दिए हैं। पार्टी नेतृत्व समझ ही नहीं पा रहा है कि आखिर उप्र में ऐसा झटका क्यों लगा? उप्र के अलावा पश्चिम बंगाल में 'दीदी' का करिश्मा एक बार फिर चला और भाजपा सबसे शानदार जीत हासिल करने में नाकाम रही है। ममता बनर्जी की पार्टी 'तृणमूल कांग्रेस' कुल 42 सीटों में से 32 सीट पर निर्णायक तौर पर आगे थी। राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों में भी, भाजपा के लिए, खूब उलटफेर हुए। तमिलनाडु और पंजाब में तो भाजपा 'शून्य' रही है। दक्षिण भारत की पहली उम्मीद केरल साबित होता लगता है, जहां भाजपा 2 सीटों पर आगे थी। अब की बार आंध्रप्रदेश, केरल में भाजपा का खाता खुलता लग रहा है। हालांकि तेलंगाना में भाजपा बेहतर प्रदर्शन करती लग रही है, लेकिन कर्नाटक का प्रदर्शन वैसा नहीं रहा, जिसकी अपेक्षा थी। आंध्रप्रदेश में तेलुगूदेशम पार्टी-भाजपा गठबंधन को विधानसभा में प्रचंड बहुमत मिला है, लिहाजा नए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू होंगे। बेशक गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड आदि राज्यों में भाजपा ने लगभग 'क्लीन स्वीप' किया है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा पहली बार बहुमत हासिल करने में नाकाम रही है। अब भाजपा आत्ममंथन करेगी कि अयोध्या वाली संसदीय सीट पर उसका प्रत्याशी क्यों पराजित हो गया? क्या राम मंदिर से अधिक प्रभाव अन्य जातियों और मुद्दों का रहा? बहरहाल अकेली भाजपा न तो 370 का लक्ष्य हासिल कर पाई और 400 पार तो बहुत दूर की कौड़ी है। हम अपने आलेखों में जिक्र करते रहे हैं कि संविधान बदलने और लोकतंत्र खत्म होने सरीखे मुद्दों ने उप्र, राजस्थान, हरियाणा जैसे राज्यों के ग्रामीण अंचलों में लोगों को सोचने पर विवश किया था, लिहाजा वोट भाजपा के पक्ष में नहीं डाले जाएंगे। ऐसा ही कुछ हुआ है कि भाजपा पराजित हुई है। इनसे आरक्षण का मुद्दा भी शंकित हुआ। उसके मद्देनजर भी वोट बदले गए। बेशक नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लें, क्योंकि भाजपा-एनडीए के पक्ष में फिलहाल 298 सीटों का समर्थन है। इनमें करीब 240 सीटें भाजपा की हैं और 227 सीटें कांग्रेस नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन के पक्ष में हैं। गौरतलब यह है कि टीडीपी की 16 और जद-यू की 14 सीटें एनडीए और मोदी सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बात की है। शरद पवार भी नायडू और नीतीश के संपर्क में बताए जाते हैं। क्या तोडफ़ोड़ का खेल शुरू हो गया है? क्या यह अनिश्चितता केंद्र सरकार की स्थिरता पर सवाल साबित हो सकती है? 2024 के जनादेश ने साबित किया है कि कांग्रेस इस देश से कभी भी खत्म नहीं की जा सकती। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केरल की वायनाड और रायबरेली सीटों से जीत रहे हैं। कांग्रेस को इस चुनाव में 97 सीटें मिलती दिख रही हैं। इस चुनाव में अखिलेश यादव की सपा ने भी जबरदस्त जीत हासिल कर अपना नेतृत्व साबित किया है। अब ओडिशा में भी भाजपा सरकार बनेगी। जनता ने नवीन पटनायक के विकल्प के तौर पर भाजपा का शासन चुना है। कोई जीता, कोई हारा, लेकिन भारत देश का सबसे बड़ा लोकतंत्र निर्विवाद रूप से विजयी रहा। लोकसभा चुनाव का एक संदेश यह भी है कि आम आदमी पार्टी के पक्ष में सहानुभूति की कोई लहर नहीं चली। दिल्ली में सभी सात सीटें भाजपा जीत रही थी, जबकि पंजाब में भी आप कुछ खास नहीं कर पाई।

भाजपा अभी तक 243 सीटों पर विजयी रही है, जबकि मतगणना जारी थी। बहुमत के लिए कमोबेश 272 का आंकड़ा अपेक्षित है। दूसरी ओर कांग्रेस 97 सीटें जीती थी। यह आंकड़ा 2019 की 52 सीटों से लगभग दोगुना है। यह आलेख लिखने तक 'इंडिया' गठबंधन ने 228 सीटें जीत कर देश को चौंका दिया है। भाजपा को सबसे बड़ा झटका उप्र में लगा, जहां वह 70 से अधिक सीटें जीतने की रणनीति पर काम कर रही थी, लेकिन अब आंकड़ा 35 के करीब थमता लगता है। सपा और कांग्रेस 40 सीटों से भी आगे थीं। उप्र ने भाजपा की स्पष्ट जीत के तमाम समीकरण उलट दिए हैं। पार्टी नेतृत्व समझ ही नहीं पा रहा है कि आखिर उप्र में ऐसा झटका क्यों लगा? उप्र के अलावा पश्चिम बंगाल में 'दीदी' का करिश्मा एक बार फिर चला और भाजपा सबसे शानदार जीत हासिल करने में नाकाम रही है। ममता बनर्जी की पार्टी 'तृणमूल कांग्रेस' कुल 42 सीटों में से 32 सीट पर निर्णायक तौर पर आगे थी। राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों में भी, भाजपा के लिए, खूब उलटफेर हुए। तमिलनाडु और पंजाब में तो भाजपा 'शून्य' रही है।

बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गई

पर्यावरण के बड़े खतरों से निपटने के लिये कोशिशें भी बड़ी हों

ललित गर्ग

इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है।

इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिए यह खास दिवस मनाया जाता है और देश एवं दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की याद दिलाई जाती है। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इस वर्ष बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। वर्तमान समय में पर्यावरण के समक्ष तरह-तरह की चुनौतियां गंभीर चिन्ता का विषय बनी हुई हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इस बार पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है, जबकि अनेक देश युद्ध की विभीषिका के कहर से जूझ रही है और दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ता तापमान, असंतुलित पर्यावरण जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। पर्यावरण को समर्पित यह खास दिन हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने एवं उसके प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित करता है। विश्व पर्यावरण दिवस 1974 से ही मनाया जाता है, जब संयुक्त राष्ट्र ने पहली बार इसकी घोषणा की थी। सऊदी अरब 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह की मेज़बानी करेगा, जिसका थीम होगी 'हमारी भूमि, हमारा भविष्य।' यह थीम भूमि और इकोसिस्टम को बहाल करने, जैव विविधता की रक्षा करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक सामूहिक प्रयास पर जोर देती है। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय है 'भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता।' मानवता भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। इस वर्ष का विषय का फोकस 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है। ग्लोबल वार्मिंग का खतरनाक प्रभाव अब साफतौर पर दिखने लगा है। देखा जा सकता है कि गर्मियां आग उगलने लगी हैं और सर्दियों में गर्मी का अहसास होने लगा है। असंतुलित पर्यावरण विनाश का कारण बन रहा है। आजकल जब उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्से रेकार्ड गर्मी से तप रहे हैं तब पश्चिम बंगाल और केरल में भयानक बारिश हो रही है। इस तरह एक साथ इतनी तेज बारिश से नुकसान होता है। बढ़ते शहरीकरण विकास योजनाओं और जिंदगी से जुड़े हर क्षेत्र में पानी की जरूरतें बढ़ रही है। दूसरी तरफ पानी के कुदरती स्रोत कम होते जा रहे हैं। हमें पानी के इस्तेमाल के तौर-तरीकों में तुरंत बदलाव करते हुए संयम बरतने की जरूरत है। खेती में पानी के इस्तेमाल, पानी को इकट्ठा करने और उन्हें भूगर्भीय स्रोतों तक पहुंचाने के तौर-तरीकों और पानी के आम इस्तेमाल को बदलना होगा। नई सरकार को इस पर ज्यादा ध्यान देना होगा क्योंकि पानी की उपलब्धता के सारे समीकरण बदल गए हैं। तापमान का 50 डिग्री पार करना जटिल एवं गंभीर पर्यावरणीय घटना है। फ्रिज, एसी, कूलर और कारों की बिक्री बढ़ने से बिजली की खपत बढेगी। यह स्थिति कोयले, पेट्रोल, डीजल के इस्तेमाल को बढ़ायेगी। ऐसे में लगातार ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रही धरती और गर्म हो जाएगी। देश-दुनिया में गर्मी के नए रेकार्ड बनेंगे। इन दिनों कई शहरों का तापमान रेकार्ड तोड़ चुका है। इससे दिहाड़ी मजदूर, किसान और मेहनतकश लोगों को जूझना पड़ रहा है। वहीं ज्यादा बारिश वाले क्षेत्रों में पानी की कमी हो रही है तो सूखी जगहों पर बेतहाशा बारिश। इन घटनाओं की वजह को समझना होगा, उसे गंभीरता से लेना होगा। नई बनने वाली सरकार को पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देना होगा। जलवायु परिवर्तन के अलावा कई समस्याएं मानव निर्मित भी है। माना कि बादल फटने, जंगलों में आग जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन अपेक्षाकृत नए माने जाने वाले हिमालय एवं पहाड़ी क्षेत्रों में नए बांध और सड़क बनाए जाने से होने वाले नुकसान ज्यादा सामने आ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन ऐसा मसला है जिसमें पर्यावरण से होने वाला खतरा किसी देश की सीमा या उसकी हैसियत नहीं देखता। सबको बराबर नुकसान होता है। इसलिए विश्व के सभी देशों एवं विशेषतः विकसित एवं शक्तिसम्पन्न देशों को उदार एवं दूरगामी नजरिया अपनाना होगा। अपने-अपने स्वार्थों को नजरअंदाज करते हुए विश्व मानवता को केन्द्र में रखना जरूरी है। कई बिंदुओं पर दुनिया पीछे जा रही हैं। दुनियाभर में जो युद्ध चल रहे हैं, उनकी वजह से भी सारे समीकरण बदल गये हैं। पहले कोविड ने नुकसान पहुंचाया, उसके बाद रूस-युक्रेन युद्ध और इस्राइल-गाजा का मामला चल रहा है। युद्धों का पर्यावरण पर सबसे घातक असर पड़ता है और यही जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण भी बनते हैं। पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं। इसमें हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल होते हैं, जैसे कि हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे, जानवर और अन्य जीव-जंतु। पर्यावरण के घटक परस्पर एक-दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। हालांकि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने की आज बड़ी आवश्यकता है, इस दृष्टि से विश्व पर्यावरण दिवस मनाना केवल आयोजनात्मक न होकर प्रयोजनात्मक बने, यह अपेक्षित है। बदलते मौसम का ग्लेशियर पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। सदियों से ग्लेशियर पिघलकर नदियों के रूप में लोगों को जीवन देते रहे हैं। लेकिन पिछले दो-तीन दशकों में पर्यावरण के बढ़ रहे दुष्परिणामों के कारण इनके पिघलने की गति में जो तेजी आई है, वह चिंताजनक है। ऐसे में मुंबई समेत दुनिया के कई हिस्सों एवं महानगरों-नगरों के डूबने की आशंका तेजी से बढ़ चुकी है। इसका खुलासा अमरीकन नेशनल अकादमी ऑफ साइंस ने किया है। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। सार्वभौमिक तापमान में लगातार होती इस वृद्धि के कारण विश्व के ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। ग्लेशियर के तेजी से पिघलने के कारण महासागर में जलस्तर में ऐसी ही बढ़ोतरी होती रही तो महासागरों का बढ़ता हुआ क्षेत्रफल और जलस्तर एक दिन तटवर्ती स्थल, भागों और द्वीपों को जलमग्न कर देगा।

दृष्टि कोण

मोदी ब्रांड की छवि पर जो आघात हुआ है, उससे देश ही नहीं दुनिया भी हैरान है

भारत की राष्ट्रीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला दशक काफी बड़े और कड़े फैसलों वाला रहा और उनके निर्णयों और नेतृत्व की धमक देश में ही नहीं पूरी दुनिया में रही जिसके चलते वह समूचे विश्व में सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में उभरे। लेकिन साल 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम उनके लिए आश्चर्य लेकर आये जब उनकी पार्टी भाजपा ने लोकसभा में अपना बहुमत खो दिया और सरकार बनाने के लिए दूसरे दलों पर निर्भर हो गयी। इन चुनाव परिणामों ने मोदी की अजेय रहने वाले नेता की छवि पर बहुत बड़ा असर डाला है जिसकी गूंज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनाई दे रही है। देखा जाये तो भारत में तो विपक्ष मोदी को राजनीतिक रूप से नुकसान पहुँचाना चाहता ही था साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई ऐसी शक्तियां थीं जोकि मोदी की ग्लोबल लीडर के रूप में पुख्ता होती छवि को नुकसान पहुँचाना चाहती थीं। कह सकते हैं कि भारत में विपक्ष को और विदेशों में भारत विरोधी शक्तियों को कहीं ना कहीं अपने मिशन में थोड़ी-बहुत कामयाबी मिल गयी है। लेकिन यह भी सत्य और एक तथ्य है कि मोदी की कार्यशैली मक्खन पर नहीं अपितु पत्थर पर लकीर खींचने की है इसलिए वह तीसरे कार्यकाल में अपने कामकाज से विरोधियों को तगड़ा जवाब अवश्य ही देंगे। चुनाव परिणाम यह भी दर्शाते हैं कि 'अबकी बार 400 पार' के नारे की ही नहीं बल्कि 'मोदी है तो मुमकिन है' और 'जो राम को लाये हैं हम उनको लाएंगे' जैसे नारों की भी हवा पूरी तरह निकल गयी है। चुनाव प्रचार की बात हो या भाजपा के संकल्प पत्र में किये गये वादों की, सब कुछ 'मोदी की गारंटी' के ही इर्दगिर्द केंद्रित था इसलिए कहा जा सकता है कि मोदी ब्रांड की छवि पर सीधा असर पड़ा है। इसलिए अब समय आ गया है जब भाजपा को सिर्फ मोदी नाम के सहारे रहने की बजाय और भी पहलुओं पर काम करना पड़ेगा। जबसे मोदी केंद्र की राजनीति में आये हैं तबसे यही देखने को मिलता है कि पंचायत से लेकर संसद तक के चुनाव पर भाजपा सिर्फ मोदी नाम के सहारे ही रहती है। भाजपा ने चुनाव में 'मोदी की गारंटी' के अलावा 'विकास भी और विरासत भी' का नारा दिया था और करोड़ों लोगों के गरीबी रेखा से बाहर निकलने तथा भारत के सांस्कृतिक गौरव की बहाली की दिशा में उठाये गये कदमों का हवाला दिया था फिर भी वह स्पष्ट बहुमत से बहुत दूर रह गयी। दूसरी ओर, भाजपा की सीट घटने से सिर्फ पार्टी के ही नेता हैरान और परेशान नहीं हैं बल्कि कई विदेशी नेता भी इस बात से हैरान हैं कि दिन-रात अपने देश के लिए काम करते रहने वाले प्रधानमंत्री को चुनावों में जनता ने क्यों सजा दे दी है। आप दुनिया भर की समाचार वेबसाइटों को देखेंगे तो सभी ने मोदी की सीटें घटने पर हैरानी जताई है। इन चुनाव परिणामों ने मोदी के विदेशों में रुतबे को निश्चित रूप से प्रभावित किया है। दरअसल, जिस तरह का माहौल बनाया गया था उसमें ना तो देश में और ना ही दुनिया में किसी को इस तरह के चुनाव परिणामों की अपेक्षा थी। यही कारण है कि भाजपा तो अपने चुनावी प्रदर्शन पर मंथन कर ही रही है दुनिया के भी कई बड़े नेता भारत के चुनाव परिणामों को लेकर चर्चा कर रहे हैं और इसके कारणों की समीक्षा कर रहे हैं। हम आपको यह भी बता दें कि साल 2024 में दुनिया के अधिकांश देशों में चुनाव होने हैं। कई छोटे-बड़े देशों में जून महीने की शुरुआत तक चुनाव हो चुके हैं और अमेरिका सहित कई अन्य देशों में चुनाव इस साल के अंत से पहले होने हैं। एक खास बात यह है कि अब तक जितने देशों में चुनाव हुए हैं उनमें से ज्यादातर में सरकारें वापस सत्ता में नहीं लौटी हैं लेकिन मोदी दस साल राज करने के बाद भी तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में लौट आये हैं। भले उनकी सीटों की संख्या कम हो गयी है लेकिन काम करने के लिए उनके पास स्पष्ट जनादेश है। मोदी ने जब 2014 में भारत सरकार की कमान संभाली थी तबसे दुनिया के तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्ष बदल चुके हैं लेकिन मोदी सत्ता में कायम हैं जिसका सीधा मतलब यही है कि जनता को उनके नेतृत्व और उनकी नीतियों में विश्वास है। यह विश्वास ही तो है कि विपक्ष के घोषणापत्र में की गयी फ्री की तमाम सौगातों की बजाय जनता ने मोदी के वादों को तवज्जो दी है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की आखिरी कैबिनेट बैठक की बात करें तो उसमें उन्होंने साफ कहा है कि हार-जीत राजनीति का हिस्सा है और नंबरगेम चलता रहता है। उन्होंने कहा है कि लेकिन इस सबका असर देश के विकास पर नहीं पड़ना चाहिए। वैसे देखा जाये तो लोकतंत्र में नंबरगेम ही मायने रखता है लेकिन मोदी के लिए इसका खास महत्व नहीं है। इस बात को हम गुजरात के उदाहरण से भी समझ सकते हैं। मोदी के मुख्यमंत्री रहते हुए भाजपा ने 2002 में 127 सीटों पर जीत हासिल की थी उसके बाद पार्टी अगले चुनाव में 117 सीटों पर और उसके बाद 116 सीटों पर पहुँच गयी थी। यही नहीं, मोदी के दिल्ली आने के बाद गुजरात में जो पहला विधानसभा चुनाव हुआ था उसमें भाजपा 99 सीटों पर आ गयी थी लेकिन 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने गुजरात में अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये थे। नंबरगेम ऊपर नीचे होता रहा लेकिन मोदी ने गुजरात के विकास को जरा भी प्रभावित नहीं होने दिया।

कुछ अलग

गठबंधन युग की वापसी

अठारहवीं लोकसभा चुनाव के परिणाम के शुरुआती रुझानों से स्पष्ट है कि सत्तारूढ़ पाटा भारतीय जनता पाटा (भाजपा) को अप्रात्याशित हार का सामना करना पड़ा है। भाजपा ने चुनाव के पहले एनडीए की छतरी बड़ी कर ली थी अन्यथा वह सीधे चुनाव परिणाम में विपक्ष से हार जाती। अभी तो जनता दल (यू) और तेलगु देशम पाटा जैसी दो बड़ी सहयोगियों के कारण सरकार बनाने में वह सफल हो जाएगी। क्योंकि चुनाव पूर्व गठबंधन को 292 सीटों पर बढ़त है जो बहुमत से 20 सीट ज्यादा है। एनडीए गठबंधन में सबसे बड़ी पाटा भाजपा ही है और उसे 240 सीटें मिलने के आसार हैं जबकि इंडिया गठबंधन को भले ही 234 सीटें मिलने का अनुमान है किन्तु उसमें सबसे बड़ी पाटा कांग्रोस का 100 का आंकड़ा भी पार होता नहीं दिख रहा है। यही कारण है कि एनडीए की सरकार बनती दिख रही है। अब एक बार फिर गठबंधन युग की वापसी हुई है। भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान उत्तर प्रादेश में उठाना पड़ा जहां वह 80 सीटों के जीतने का दावा कर रही थी। उत्तर प्रादेश में समाजवादी पाटा और कांग्रोस गठबंधन ने मिलकर 43 सीटें जीत लीं जबकि भाजपा को 33 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। भाजपा को उत्तर प्रादेश पर बहुत भरोसा था किन्तु वहां के मतदाताओं ने पाटा को निराश किया। यदि ऐसा हुआ है तो इसके लिए मतदाताओं की भाजपा के प्राति निराशा ही जिम्मेदार हैं। भाजपा ने जो काम किया उसका प्राचार भी वह ठीक से नहीं कर पाई जबकि विपक्ष ने महंगाई, बेरोजगारी और आरक्षण के मुद्दे पर मतदाताओं को रिझाया। उप्रा के अलावा राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र में भी उसे वैसी सफलता नहीं मिली। जैसी कि 2019 में मिली थी। भाजपा के लिए तो यह आत्ममंथन का समय है। उसे ओडिशा में भले ही बड़ी सफलता मिली है लेकिन साथ ही उसने नवीन पटनायक की असफलता से बड़ा सबक भी सीखना चिहए कि वैसे कोईं दल अपने कार्यंकर्ताओं, नेताओं की उपेक्षा करने पर किस गति को प्राप्त होता है। नवीन बाबू अब अपनी ही पाटा पर बोझ बन गए थे। कार्यंकर्ताओं से मिलते नहीं थे और पुराने नेताओं की बात नहीं मानते थे। ऐसा नहीं है कि यह चुनाव भाजपा को ही सबक सिखाने के लिए आया है। भाजपा तो फिर भी कह सकती है कि दस वर्षो में उसे 10 वर्षो के सत्ता विरोधी लहर से जूझना पड़ा किन्तु यह भी सच है कि अकेले प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ने की रणनीति भी भाजपा को बदलनी पड़ेगी। राज्यों में नेतृत्व यदि विकसित नहीं किया जाएगा तो यही हाल होगा। मध्य प्रादेश में यदि पाटा ने पूरी तरह विपक्ष का सफाया करने में सफलता हासिल की तो वहां के स्थानीय नेताओं की स्वीरियता को श्रेय जाता है। उप्रा में भाजपा के पास अकेले योगी के अलावा कोईं चेहरा ही नहीं है और उन्हें भी पूरी छूट नहीं है। चर्चा तो यह भी है कि राज्य में अफसरशाह ही राज्य सरकार से नाराज है। कारण है कि एक सेवानिवृत्त आईंएएस अधिकारी को मुख्य सचिव बनाए जाने से कईं वरिष्ठ आईंएएस अधिकारी अपने भविष्य को चौपट होते देख रहे हैं। मजे की बात तो यह है कि जिस सेवानिवृत्त अधिकारी को राज्य का मुख्य सचिव बनाया गया है वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इच्छाओं के विपरीत नौकरशाहों का मुखिया बना है। जब राज्य के मुख्यमंत्री को खुली छूट नहीं मिलेगी तो उसके सिर हार का ठीकरा फोड़ना भी उचित नहीं होगा। बहरहाल भाजपा के लिए उत्तर प्रादेश के अलावा महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा में भी झटका लगा है। इसलिए उसको आत्ममंथन करने की ज्यादा जरूरत है। आत्ममंथन की जरूरत तो कांग्रोस को भी है जो मध्य प्रादेश, आंध्र प्रादेश, कर्नाटक, दिल्ली, हिमाचल और ओडिशा में अप्रात्याशित रूप से हारी है।

देश दुनिया से से

बढ़ती पर्यावरणीय चेतना

पर्यावरण राजनीतिक दलों का प्रमुख मुद्दा नहीं बना, परन्तु दोनों प्रमुख दलों ने अपने-अपने घोषणापत्रों में इसे अंतिम पृष्ठों पर स्थान जरूर दिया। लोकसभा चुनाव में बिगड़ा पर्यावरण भले ही प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया हो, परन्तु पिछले 5-6 महीनों की घटनाओं पर नजर डालें तो ऐसा लगता है कि अब पर्यावरणीय चेतना बढ़ रही है। कई सामाजिक संगठनों एवं जन आंदोलनों ने स्वतंत्र या संयुक्त रूप से जारी अपने प्रयत्नों में पर्यावरण के मुद्दों का जिक्र किया एवं चुनाव प्रचार के समय प्रत्याशियों से इस पर चर्चा भी की। दिल्ली के लगभग 2500 से ज्यादा रहवासी कल्याण संगठनों (रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) ने संयुक्त रूप से 'यूनाईटेड रेजीडेंट ज्वाइंट एक्शन ऑफ दिल्ली' के बैनर तले लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर 24 बिंदुओं वाला एक नागरिक घोषणापत्र जारी किया जिसमें प्रमुख मुद्दा दिल्ली को प्रदूषण एवं ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने का था।

हालांकि पर्यावरण के नाम पर हमारे राजनीतिज्ञ आम तौर पर मुंह बिचकाते हैं और अक्सर इसे विकास के बरअक्स खड़ा कर देते हैं, लेकिन सत्तर-अस्सी के दशक के बाद आम लोगों ने इस मसले को तरजीह देना शुरू कर दिया है। हाल के आम चुनाव में भी कई स्थानों पर पर्यावरण के मुद्दों को उछाला गया है। इस आलेख में पर्यावरण के मसले को खंगालने का प्रयास करेंगे। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस, 05 जून के एक दिन पूर्व देश की लोकसभा के चुनाव परिणाम घोषित होने से प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में इसकी बहुलता रहेगी एवं पर्यावरण किनारे पर। इस लोकसभा चुनाव में बिगड़ा पर्यावरण राजनीतिक दलों का प्रमुख मुद्दा नहीं बना, परन्तु दोनों प्रमुख दलों ने अपने-अपने घोषणापत्रों में इसे अंतिम पृष्ठों पर स्थान जरूर दिया। लोकसभा चुनाव में बिगड़ा पर्यावरण भले ही प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया हो, परन्तु पिछले 5-6 महीनों की घटनाओं पर नजर डालें तो ऐसा लगता है कि अब पर्यावरणीय चेतना बढ़ रही है। कई सामाजिक संगठनों एवं जन आंदोलनों ने स्वतंत्र या संयुक्त रूप से जारी अपने प्रयत्नों में पर्यावरण के मुद्दों का जिक्र किया एवं चुनाव प्रचार के समय प्रत्याशियों से इस पर चर्चा भी की। दिल्ली के लगभग 2500 से ज्यादा रहवासी कल्याण संगठनों (रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) ने संयुक्त रूप से 'यूनाईटेड रेजीडेंट ज्वाइंट एक्शन ऑफ दिल्ली' के बैनर तले लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर 24 बिंदुओं वाला एक नागरिक घोषणापत्र जारी किया जिसमें प्रमुख मुद्दा दिल्ली को प्रदूषण एवं ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने का था। दिल्ली के अलावा मुम्बई में भी कई संगठनों (नेट कनेक्ट), वायर फाउंडेशन, सागर शक्ति, वेटलेंड्स एंड हिल्स तथा एलायंस फार रिवर्स के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने अपने अभियान में सभी राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर मांग की कि वे पर्यावरण एवं प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के प्रयासों का उल्लेख अपने घोषणापत्रों में जरूर करें। इसी प्रकार 86 नागरिकों तथा जनआंदोलन से जुड़े संगठनों ने एक राष्ट्रीय मंच के तहत आम चुनाव 2024 के संदर्भ में एक जन घोषणापत्र जारी किया। इसमें देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों के साथ परिस्थितिकी सुरक्षा (इकोलाजिकल कंजर्वेशन) सुनिश्चित करने की मांग भी की गई। इसके तहत विलुप्त होती प्रजातियों को बचाना, वायु, जल एवं भूमि प्रदूषण तथा भोज्य पदार्थों में कीटनाशी की विषाक्तता रोकने तथा प्लास्टिक पर रोक लगाने की बातें प्रमुख हैं। ऊर्जा की बचत एवं पर्यावरण सुरक्षा के नियम-कानूनों को सख्त करने के साथ-साथ चुनाव तथा मानव अधिकार आयोग के समान एक स्वतंत्र, संवैधानिक इकाई, राष्ट्रीय पर्यावरण आयुक्त बनाने का सुझाव भी दिया गया। देश के पर्यावरण से जुड़े 70 समूहों ने हिमालय क्षेत्र को सुरक्षित रखने हेतु वहां बांध, रेलवे, जलविद्युत, चार लेन राजमार्ग एवं वन कटाई पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि योजनाओं के लिए जनमत संग्रह एवं सार्वजनिक विचार-विमर्श अनिवार्य बनाया जाए। इसी वर्ष के प्रारम्भिक महीनों में लद्दाख के करीब 30 हजार लोगों ने कडकती ठंड में अपने वन, पानी, भूमि एवं रोजगार आदि के लिए प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में प्रदर्शन एवं आंदोलन किया। पर्यावरण संरक्षण को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग भी की गई। इसे देखकर पश्चिम बंगाल के कुछ नेताओं ने दार्जिलिंग के लिए इसी प्रकार की मांग रखी। पर्यावरण सुरक्षा हेतु विभिन्न संगठनों की मांग के साथ-साथ पर्यावरण चेतना के कई प्रसंग भी सामने आए। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आत्माराम सनातन धर्म कालेज में आयोजित युवा संसद में छात्र-छात्राओं ने दिल्ली के दमघोंटू प्रदूषण को चुनावी मुद्दा बनाने की बात बेबाकी से रखी। मुम्बई में कई क्षेत्रों में मतदाताओं ने दलों के प्रत्याशियों के सामने प्रदूषण कम करने एवं हरियाली बचाने के प्रयास करने हेतु कहा। कुछ प्रत्याशियों ने अपने वादों में साफ हवा रखने का जिक्र भी किया। राजेंद्र नगर (हैदराबाद के पास) स्थित तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों ने सरकार के उस आदेश का विरोध किया जिसमें हाईकोर्ट भवन बनाने हेतु लाखों पेड़ काटे जाना प्रस्तावित था। इसे लेकर जनवरी माह में कई दिनों तक प्रदर्शन किए गए एवं पेड़ों से लिपटकर उन्हें बचाने का संकल्प लिया गया। चिमटघाटी गांव (झारखंड) के लोगों ने सरकारी स्वीकृति के बाद भी सडक़ इसलिए नहीं बनने दी कि इससे पेड़ काटे जाने थे। उन्होंने कहा कि ये पेड़ हमारे पूर्वजों की विरासत हैं, जिसे ऐसे ही आगे की पीढ़ी को सौंपना है। उज्जैन (मध्य प्रदेश) के कोठी रोड पर पुराने पेड़ों को काटने का विरोध लोगों ने किया एवं 2 मई को तख्तियां लेकर प्रदर्शन भी किया। कलेक्टर एवं पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर से चर्चा कर पेड़ों को बचाने हेतु गुहार लगाई। हरिओम वृक्ष मित्र सेवा समिति तथा एक फेसबुक समूह 'रूपांतरण' ने भी काफी सक्रियता दर्शाई। खेरवाडी गांव (शिवाजी नगर क्षेत्र, पुणे) के 10 हजार लोगों ने पानी की समस्या से त्रस्त होकर चुनाव के बहिष्कार का निर्णय लिया एवं जगह-जगह 'पानी नहीं तो वोट नहीं' के पोस्टर लगाए। ये सारे प्रसंग पर्यावरणीय चेतना को दर्शाते हैं। ऐसी ही चेतना यदि विकसित होती रही तो आगामी चुनाव में पर्यावरण का मुद्दा बनना लगभग निश्चित लगता है। इन प्रयासों के बावजूद हमें यह ध्यान रखना है कि अभी भी पर्यावरण के लिए काफी कुछ किया जाना शेष है, क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग के कारण विश्व भर के हालात काफी नाजुक हो गए हैं। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियर विहीन देशों की संख्या तेजी से बढने लगी है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता की अभी भी बड़ी जरूरत है। केवल सरकारी प्रयासों से पर्यावरण की सुरक्षा नहीं हो पाएगी। इसके लिए नागरिक समाज को आगे आना होगा। युवाओं को इस क्षेत्र में बड़ी भागीदारी निभानी है। युवाओं को संकल्प लेना चाहिए कि वे अपनी-अपनी शादी पर कम से कम एक सौ पौधे रोपेंगे तथा उनका पालन-पोषण भी सुनिश्चित करेंगे।

आप का नजरिया

छोटा हिमाचल, सबक बड़े

हिमाचल की जनता देश से अलग अपनी लोकतांत्रिक भूमिका में स्पष्ट है। एक साथ लोकसभा चुनाव के गले में सांप की तरह पड़े उपचुनावों को यहां के मतदाता ने अलग-अलग परिप्रेक्ष्य में देखा, समझा और फैसला दिया। ऐसे हम न तो पूरा जश्न मनाने की छूट भाजपा को देते हैं और न ही कांग्रेस को यह हक देते हैं कि वह इतरा सके। पूरा प्रदेश दिल्ली सरकार के लौटने के लिए कदमताल करता रहा और इस तरह 2019 की आबोहवा में फिर से संसद को आशा भरी निगाहों से हिमाचल देख रहा है। इतना ही नहीं, शिमला में सुक्खू सरकार को बचाए रखने के पक्ष में संवैधानिक मर्यादा का अलख भी जगा है। भले ही छह उपचुनावों में कांग्रेस अपनी दो सीटें गंवा रही है, लेकिन सियासी डाके में इज्जत बचाकर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कुछ कांटे हटाए, तो कहीं अपनी भूमि अर्जित की। जिन चार सीटों पर कांग्रेस जीत रही है, वहां मुख्यमंत्री का चेहरा भी जीत रहा है, बल्कि शिद्दत से अगर उपचुनाव हुए तो सुखविंदर सुक्खू ने अपने ताज और जीत के राज को परवान चढ़ाया। यह दीगर है कि प्रदेश की सबसे अहम लड़ाई को वह धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र में सुधीर शर्मा के सामने हार गए। इस तरह उपचुनावों में जीत हासिल करके दो बागी सुधीर शर्मा और इंद्रदत लखनपाल निश्चित रूप से बड़े नेता घोषित हो रहे हैं। कहीं तो कांग्रेस ने बहुत कुछ खोया है और इसलिए जब पुनः विधानसभा सत्र के आर-पार चुनाव खड़े होंगे, तो भाजपा की ओर से जली कटी सुनाने के लिए भाजपा के दो विधायक बढ़ेंगे। खास तौर पर चुनावी आरोप-प्रत्यारोप की दुखती रगें जब चीखेंगी तो प्रदेश के सामने राजनीति का एक अलग ब्यौरा आएगा। बहरहाल, पूरे चुनाव पर दृष्टिपात करें तो भाजपा का संगठन, उसकी चुनाव जीतने के प्रति निष्ठा और नेतृत्व की बेजोड़ मिसाल सामने आती है। यह पार्टी लोकसभा में सौ फीसदी सफलता हासिल करती है, जबकि राज्यसभा की एक सीट के अतिरिक्त विधानसभा में दो विधायक भी कांग्रेस से छीन लेती है। अभी परिदृश्य में तीन और घायल उपचुनाव घूम रहे हैं। तीन निर्दलीयों के माध्यम से भाजपा को अगले चुनाव की तैयारी करनी है, तो लोकसभा में नई सरकार के पदचाप में हिमाचल को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व की आशा पूरी करनी है। जिस तरह लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के दिग्गज नेता आनंद शर्मा को पटकनी देते हुए कांगड़ा ने डा. राजीव भारद्वाज को गले लगाया और सुधीर शर्मा को जीत का हार पहनाया, उसके पीछे एक गहन आक्रोश सरकार के प्रति देखना होगा। कांगड़ा ने सुक्खू सरकार और कांग्रेस आलाकमान को संदेश दिया है, तो हमीरपुर ने राजेंद्र राणा को पटकनी देकर यह बता दिया कि सुजानपुर अब जिला से मुख्यमंत्री का पद खोना नहीं चाहता। एक वोट पीएम, एक वोट सीएम का नारा यूं तो भाजपा की ओर से ही गूंजा था, लेकिन राजेंद्र राणा को पुराना हिसाब चुकता करना पड़ा। गगरेट में सार्वजनिक छवि खोने का हर्जाना चैतन्य शर्मा को चुकाना पड़ा, तो कुटलैहड़ में वीरेंद्र कंवर से पीछा छुड़ा कर भाजपा ने अवसर गंवा दिया। बहरहाल, कांग्रेस से भाजपा में आकर हारे चार पूर्व विधायकों के पास न अब जमीन बची और न ही जमीर तो इसलिए कि हिमाचल ने दलबदल की परिभाषा को काफी हद तक अस्वीकार कर दिया।

अल्कारेज ने लगातार दूसरे साल बनाई सेमीफाइनल में जगह, बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी अंतिम-चार में पहुंची

पेरिस, 06 जून (एजेंसियां)।

अल्काराज ने मैच के बाद कहा- मैं फ्रेंच ओपन में फिर से सेमीफाइनल में पहुंचकर बहुत खुश हूं। ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में खेलना हमेशा से खास रहता है। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में लगातार दूसरे साल जगह बनाई। उन्होंने स्टेफानोस सितसिपास को पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सीधे सेटों में पराजित कर दिया। अल्काराज ने यह मुकाबला 6-3, 7-6, 6-4 से अपने नाम किया। अल्काराज का सेमीफाइनल में मुकाबला इटली के खिलाड़ी जैनिक सिनर से होगा जिन्होंने अपने क्वार्टर फाइनल मैच में ग्रिगोर दिमित्रोव को सीधे सेटों में 6-2, 6-4, 7-6 से शिकस्त दी थी। अल्काराज ने मैच के बाद कहा- मैं फ्रेंच ओपन में फिर से सेमीफाइनल में पहुंचकर बहुत खुश हूं। ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में खेलना हमेशा से खास रहता है। जैनिक सिनर के खिलाफ मुकबाला आसान नहीं रहेगा। वह कड़े प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन मैं इस चुनौती के लिए तैयार हूं। बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी अंतिम-चार में पहुंची भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल में अंतिम-चार में जगह बनाई। बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में जरिन वलीगन और सांडर गिले की जोड़ी को तीन सेट तक चले मुकाबले में 7-6, 5-7, 6-1 से हराया। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का सेमीफाइनल में मुकाबला सिमोन बोलेल्ली और एड्रिया वाससोरी की जोड़ी से होगा। रिबाकिना को हराकर पाओलिनी सेमीफाइनल में जैसमीन पाओलिनी ने चौथी वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना को 6-2, 4-6, 6-4 से हराकर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और कैरियर में पहली बार वह किसी ग्रैंडस्लैम के अंतिम चार में पहुंची है। इटली की 12वीं वरीयता प्राप्त पाओलिनी अब तक 16 ग्रैंडस्लैम खेलकर पहले या दूसरे दौर में बाहर होती आई है । उन्होंने इस साल जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन में चौथे दौर में जगह बनाई थी। अब उनका सामना दूसरी रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका या 17 वर्ष की गैर वरीय मीरा आंद्रीवा से होगा।

न्यूज ब्रीफ

पाक के दिग्गज क्रिकेटर ने पीसीबी को जमकर लताड़ा, बाबर आजम को भी नहीं बख्शा और लगाया पक्षपात करने का आरोप

नई दिल्ली। बाबर आजम इस समय टी20 वर्ल्ड कप 2024 की तैयारियों में जुटे हुए हैं, जहां उनकी कोशिश

पाकिस्तान को चैंपियन बनाने की होगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 से कुछ समय पहले ही बाबर आजम को दोबारा कप्तान बनाया। हालांकि, बाबर आजम की कप्तानी और पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान क्रिकेट जिस दिशा में जा रहा है, उससे पूर्व दिग्गज क्रिकेटर अहमद शहजाद खुश नहीं हैं। शहजाद ने पाकिस्तान के एक टीवी चैनल पर पीसीबी की जमकर आलोचना की और बाबर आजम पर बड़ा आरोप भी लगाया। यह पूछने पर कि बाबर आजम राष्ट्रीय टीम में खिलाड़ी चुनने में पक्षपात दर्शाते हैं तो शहजाद ने खुलकर अपनी राय रखी। शहजाद ने कहा, बाबर आजम के बारे में बोलूं तो वहां दोस्ती दिखती है। देखें वो लंबे समय तक खिलाड़ियों को लेकर चलते हैं। यह अच्छा नहीं लगता है। अगर मैं मैचों की संख्या पर ध्यान दूंगा तो महसूस होगा कि खिलाड़ियों को इतना लंबा समय मिला नहीं। अगर कोई अन्य कप्तान होता तो वो खिलाड़ियों को 35-40 मैच तक नहीं लेकर बढ़ता बाबर आजम को अपने बारे में सोचने की जरुरत है। नहीं जीतने का कारण क्या शहजाद ने साथ ही कहा, हम क्रिकेट द्विपक्षीय सीरीज जीतने के लिए नहीं बल्कि आईसीसी इवेंट्स जीतने के लिए खेलते हैं। क्या पिछले पांच साल में हमने कोई इवेंट जीता अगर हम नहीं जीते तो मैं कहूंगा कि राष्ट्रीय टीम में गैंग, दोस्ता और एक एजेंट के साथ तोला था, जो पिछले चार-पांच साल में क्रिकेट को घुमा रहे हैं।बता दें कि बाबर आजम ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद सभी प्रारूपों से कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद शान मसूद को टेस्ट कप्तानी जबकि शाहीन अफरीदी को टी20 कप्तानी सौंपी गई थी। हालांकि, पीएसएल और फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ शाहीन अफरीदी के नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन खराब रहा। फिर पीसीबी ने बाबर आजम को दोबारा सफेद गेंद कप्तान बनाया।

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं ये टीमें : कैफ

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में

भारत, न्यूजीलैंड और मेजबान वेस्टइंडीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान में से कोई एक टीम अंतिम चार में पहुंचेगी। टी20 विश्व कप के लिए भारत और पाक को के ग्रुप ए में रखा गया है और दोनों ही टीमों के बीच 9 जून को न्यूयॉर्क में आमने-सामने होंगे। यह टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला भी है। 138 आधिकारिक मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कैफ का कहना है कि उन्हें वेस्टइंडीज में चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच फाइनल दिख रहा है। कैफ ने कहा कि किसी तरह न्यूजीलैंड ने शीर्ष 4 में जगह बना ली है, आईसीसी आयोजनों में आप उन्हें ख़ारिज नहीं कर सकते इसलिए न्यूजीलैंड को जोड़ें। मुझे लगता है कि वेस्ट इंडीज चूंकि अपने घर में खेल रही है इसलिए घरेलू मैदान पर वह एक खतरनाक टीम हो सकती है। मुझे नहीं पता कि शायद ऑस्ट्रेलिया या पाकिस्तान में से कोई एक आ सकता है। अगर पाकिस्तान के साथ फाइनल आता है तो अच्छा है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में एक साथ कुल सात मैच खेले हैं जहां टीम इंडिया 6 बार विजयी हुई है। पाकिस्तान को एकमात्र जीत 2021 में मिली थी। बहरहाल, कैफ का मानना है कि भारत के पास 2022 के मुकाबले बेहतर टीम है। कैफ ने कहा कि पिछली बार की तुलना में हमारे पास काफी बेहतर गेंदबाजी आक्रमण है, हमारे पास चहल थे लेकिन हम उन्हें पहले एकादश में नहीं खिला सके। इस साल हमारे पास कुलदीप यादव हैं, हमारे पास अक्षर पटेल, जडेजा हैं, अच्छे स्पिनर हैं। सभी अनुभवी और विकेट लेने वाले खिलाड़ी अपने दिन पर खेल बदल सकते हैं।

एमएलसी में खेलेंगे कमिंस, फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ किया करार

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज पैट कमिंस अब अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में भी खेलेंगे। कमिंस ने इसके लिए एमएलसी टीम सेन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ चार साल का अनुबंध है। इसी के साथ ही वह एमएलसी से जुड़ने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। एमएलसी लीग को हाल ही में आईपीसी ने लिस्ट ए का दर्जा दे दिया था। इस टूर्नामेंट का दूसरा सत्र छह से 29 जुलाई तक खेला जाएगा। कमिंस ने कहा, 'एमएलसी काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। इससे क्रिकेट के लिए अमेरिकी बाजार में काफी क्षमता दिख रही है। कमिंस ने अब तक विदेशी लीग के तौर पर केवल आईपीएल में ही खेला है। वह 2018-19 सत्र से ऑस्ट्रेलिया की घरेलू बिग बैश लीग से भी बाहर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम को अगले साल जून-जुलाई में सीरीज के लिए वेस्टइंडीज का दौरा करना है और ऐसे में देखना होगा कि कमिंस तब इस टी20 लीग के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं। सेन फ्रांसिस्को की टीम में पहले से ही ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क भी शामिल हैं।

आयरलैंड के कोच ने हार के बाद न्यूयॉर्क पिच की आलोचना की

न्यूयॉर्क, 06 जून (एजेंसियां)।

आयरलैंड के कोच हेनरिक मलान ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मुकाबले के लिए इस्तेमाल की गयी पिच की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अच्छा खेलने के लिए अच्छी पिच का होना महत्वपूर्ण है लेकिन नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की पिच मानकों पर खरी नहीं उतरी।

मलान की यह प्रतिक्रिया भारत से आठ विकेट से हार के बाद आयी है जब भारत ने आयरलैंड को मात्र 96 रन पर समेट दिया था। पिच पर काफी स्विंग और असमान उछाल थी।

कोच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,जब आप मैच खेलते हैं तो आपको वास्तव में अच्छी सतह की आवश्यकता होती है जो आप प्राप्त कर सकते हैं लेकिन दुर्भाग्य से हमने पिछले कुछ मैचों में जो देखा है वह उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है। इसलिए उम्मीद है कि यह आगे चलकर थोड़ा सपाट हो सकती है और हम कुछ अच्छा क्रिकेट देख सकते हैं।

सोमवार को इस मैदान पर श्रीलंका की टीम 77 रन पर आउट हो गई और दक्षिण अफ्रीका ने चुनौतीपूर्ण पिच पर मैच जीत लिया। मैच न्यूयॉर्क की पिचों की अधिक जांच कराएगा, विशेषकर तब जब यहां आयरलैंड का सामना कनाडा से होगा और रविवार को भारत का पाकिस्तान से जोरदार मुकाबला होगा।

मलान ने कहा,मुझे लगता है कि हम सिर्फ अच्छा क्रिकेट देखना चाहते हैं, है ना यह हमारे आयोजन का शिखर है और इसमें हर समय 200 का मैच होना जरूरी नहीं ।

हार्दिक पांड्या के 3-27 के नेतृत्व में भारत के तेज गेंदबाजों ने सामूहिक रूप से आठ विकेट लेकर आयरलैंड को ध्वस्त कर दिया। आयरलैंड को कठिन पिच पर अपनी बल्लेबाजी योजनाओं को अनुकूलित करने और बदलने में संघर्ष करना पड़ा। केवल गैरेथ डेलानी 26 रन बनाकर शीर्ष स्कोर बनाने में सफल रहे और नौवें और दसवें विकेट के लिए क्रमश: 27 और 19 की साझेदारी में शामिल थी।

जब हमें यह वास्तव में कठिन लग रहा था, तो हम इस बारे में बात कर रहे थे कि क्या हम 130-140 तक पहुंच सकते हैं और क्या हम गेंदबाजी के दृष्टिकोण से अपने कौशल के निष्पादन में इसका समर्थन कर सकते हैं, शायद, हम कोशिश करने पर विचार कर रहे थे।

जिस तरह से उन्होंने सामने गेंदबाजी की, उसे देखें, तो यह स्पष्ट रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था। हमें अपना गेम प्लान कई बार बदलना पड़ा और दुर्भाग्य से यह उस तरह से नहीं हुआ जैसा हम चाहते थे और मुझे लगता है कि उन्होंने कुछ शानदार गेंदबाज़ी थी। उनके पास तीन या चार अच्छे तेज गेंदबाज हैं जिन्हें हमने काफी समय से देखा है जो इस स्तर पर प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके बारे में बात करना एक बात है और दबाव होने पर इसे निष्पादित करना दूसरी बात है।

उन्होंने यह कहते हुए हस्ताक्षर किए कि आयरलैंड ने न्यूयॉर्क में पिचों के व्यवहार पर काफी होमवर्क किया था, लेकिन इससे उन्हें भारत से बेहतर प्रदर्शन करने में मदद नहीं मिली। हमने जितना हो सके उतना होमवर्क करने की कोशिश की, भले ही हम ग्राउंड ट्रेनिंग या सतह पर नहीं खेल रहे थे।

हमने ग्राउंड्समैन से बात की; उस अभ्यास मैच में स्कोर बिल्कुल अलग थे जो उस सतह पर खेला गया था। इसलिए, हमें जरूरी नहीं था कि यह वैसा ही व्यवहार करेगा जैसा उसने किया, लेकिन फिर से हमें बेहतर होना होगा हम अपने कौशल का निष्पादन कर रहे हैं और यह स्पष्ट रूप से कुछ ऐसा है जिस पर हम विचार करेंगे।

रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं: बोले- बस थोड़ा दर्द है, आयरलैंड के खिलाफ चोट की वजह से रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा

न्यूयॉर्क। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है। रोहित ने आयरलैंड के खिलाफ मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कहा, बस थोड़ा सा दर्द (हाथ

में) है। न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में भारत-आयरलैंड मैच के दौरान ड्रॉप-इन पिचों में असामान्य उछाल देखा गया, जिस कारण भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विकेटकीपर ऋषभ पंत चोटिल हो गए। रोहित को तो रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। उन्हें नौवें ओवर की दूसरी गेंद पर ऊपरी बांह पर चोट लगी। चोट के कारण उन्हें 10वें ओवर की अंतिम गेंद के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा। रोहित की अर्धशतकीय पारी भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने नसाउ में स्विंग और बाउंस हो रही आयरलैंड की गेंदबाजी के सामने आक्रामक बैटिंग की। टीम पर दबाव नहीं बनने दिया। 140 के स्ट्राइक रेट से 52 रन बनाए। 4 चौके और 3 छक्के जड़े। जब रोहित चोट के चलते रिटायर हुए, तब इंडिया को जीत के लिए 21 रन चाहिए थे। रोहित ने विराट के साथ 22 और ऋषभ पंत के साथ 54 रन की साझेदारी भी की। विराट ने रोहित के साथ साझेदारी में सिर्फ 1 रन बनाया था। भारत ने आयरलैंड को हराया टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया ने आयरलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच जीत लिया। न्यूयॉर्क के नसाउ इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। इंडियन बॉलर्स ने आयरलैंड की टीम को 96 रन पर ऑलआउट कर दिया। इसके बाद बल्लेबाजों ने 13वें ओवर में टारगेट चेज कर लिया। रोहित शर्मा ने फिफ्टी लगाई।

कोच स्टिमक के बाद रियल मैड्रिड के स्टार ने दी छेत्री को विदाई मैच के लिए बधाई, कही यह बात

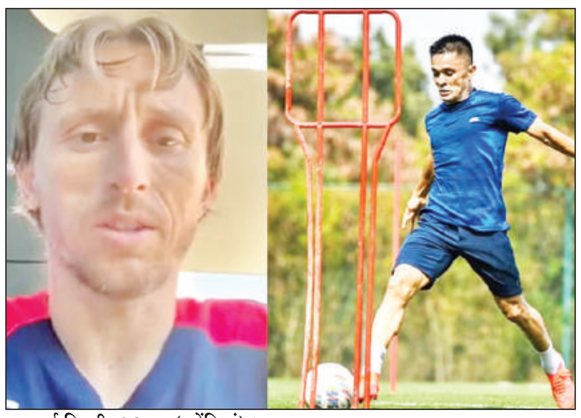

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

भारतीय फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमक ने सुनील छेत्री को उनके करियर के आखिरी मुकाबले के लिए बधाई दी। कुवैत के खिलाफ भारतीय टीम के कप्तान अपना अंतिम मुकाबला खेलेंगे। इस मैच के लिए रियल मैड्रिड के मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने भी छेत्री को शुभकामनाएं दी। स्टिमक ने उनकी वीडियो पोस्ट कर उन्हें धन्यवाद दिया।

भारत दूसरे स्थान पर

भारत ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंकों के साथ कतर (12 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर काबिज है। अफगानिस्तान गोल अंतर से पिछड़कर तीसरे स्थान पर है। कुवैत तीन अंक के साथ आखिरी पायदान पर है। भारतीय टीम अगर कुवैत को हराने में सफल रही तो वह तीसरे चरण के क्वालिफिकेशन में जगह लगभग पक्की कर लेगी क्योंकि अफगानिस्तान गोल अंतर के मामले में भारत से सात गोल पीछे है। रियल मैड्रिड के स्टार ने दी बधाई लुका ने कहा, हाय सुनील, मैं आपको बधाई देना चाहता हूं और राष्ट्रीय टीम के लिए आपके आखिरी मैच के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं। आपके करियर के लिए बधाई। आप इस खेल के लीजेंड हैं। आपके साथियों से मैं उम्मीद करता हूं कि आप उनके आखिरी मैच को यादगार बनाएंगे। टीम क्रोएशिया की ओर से शुभकामनाएं।

छेत्री के संन्यास पर कोच ने जताई निराशा

भारतीय फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमक ने दिग्गज भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री के संन्यास पर भी बात की। उन्होंने कप्तान के रिटायरमेंट पर निराशा जताई। स्टिमक ने कहा, एक कोच के तौर पर जाहिर है मैं निराश हूं क्योंकि सुनील हमें छोड़कर जा रहा है। वह अगर बेंगलुरु एफसी के लिए अच्छा करते है और हमें उनकी जरूरत हुई तो मैं उन्हें इस फैसले पर फिर से विचार करने के लिए बोल सकता हूं।

इमाद वसीम अमेरिका के खिलाफ मुकाबले से हटे ताकि भारत के खिलाफ मैच के लिए फिट रह सकें

डलास, 06 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिन आलराउंडर इमाद वसीम बगल में खिंचाव के कारण अमेरिका के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले से हट गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि विश्व कप के लिए अंतर्राष्ट्रीय संन्यास से बाहर आने वाले इमाद को मेडिकल टीम ने आराम की सलाह दी है और उनके नौ जून को भारत के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले तक फिट हो जाने की उम्मीद है। इमाद को पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी 20 से पहले नेट्स में अभ्यास करते समय दायीं बगल में कुछ परेशानी महसूस हुई थी और वह उस मैच में नहीं खेले थे। कप्तान बाबर आजम ने पत्रकारों से कहा कि उनकी टीम अमेरिका को हल्के में नहीं लेगी, जिसने ह्यूस्टन में बांग्लादेश को 2-1 से हराया था और टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में 195 रनों का पीछा करते हुए कनाडा को हराया था। हम टीम चयन में हॉर्स-फॉर-कोर्स नीति का पालन करेंगे क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका में परिस्थितियां नई होंगी और कुछ ऐसे प्रतिद्वंद्वी होंगे जिनके साथ हमने पहले नहीं खेला है। आधुनिक क्रिकेट में, फ्लोटिंग खिलाड़ियों की अवधारणा और महत्व पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है और हमारे खिलाड़ी इसके साथ-साथ अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में भी जानते हैं। यह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए गर्व का क्षण और एक बड़ा अवसर होगा जब वे एक पूर्व चैंपियन से खेलेंगे। टूर्नामेंट से पहले बांग्लादेश को 2-1 से और फिर शुरूआती मैच में कनाडा को बड़े अंतर से हराने के बाद, उन्होंने दिखा दिया है कि वे यहां रहने के लायक हैं, जो इस क्षेत्र में क्रिकेट के प्रचार और विकास के लिए बहुत अच्छी खबर है। हम आत्मसंतुष्ट हुए बिना उन्हें वह सम्मान देंगे जिसके वे हकदार हैं।

पावरलिफ्टर संदीप कौर पर डोपिंग मामले में दस साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

नाडा की डोपिंग निरोधक अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने पावरलिफ्टर संदीप कौर पर प्रतिबंधित दवाओं के इस्तेमाल के दूसरे अपराध के कारण दस साल का प्रतिबंध लगा दिया है। पंजाब की 31 वर्ष की पावरलिफ्टर संदीप पर डोपिंग के दूसरे अपराध के लिये आठ साल का प्रतिबंध लगाया गया और अतिरिक्त दो साल उनके नमूनों में कई प्रतिबंधित पदार्थ पाये जाने के कारण लगाया गया है। पहली बार उन्हें 2019 में स्टानोजोलोल के सेवन का दोषी पाया गया था।

कौर पिछले साल अगस्त में ही चार साल के प्रतिबंध के बाद लौटी है । वह उत्तराखंड के काशीपुर में राष्ट्रीय सीनियर महिला पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में ओपन 69 किलो वर्ग में तीसरे स्थान पर रही थी। प्रतिस्पर्धा के दौरान लिये गए उनके मूत्र के नमूनों में नोरांड्रोस्टेरोन, मेटांडियेनोन और मेफेंटरमाइन के अंश पाये गए। एडीडीपी ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि कौर यह बता नहीं सकी है कि ये पदार्थ उनके शरीर में कैसे गए। राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने अपने वकील के मार्फत पैनल से अनुरोध किया कि मामले की गंभीरता को भी ध्यान में रखा जाये क्योंकि खिलाड़ी ने कई प्रतिबंधित पदार्थों का सेवन किया है और निलंबन की अवधि दो साल और बढाई जाए। एडीडीपी ने नाडा की दलील स्वीकार करके प्रतिबंध दस साल का कर दिया जो छह सितंबर 2023 से लागू होगा। एक अन्य अहम फैसले में वुशू खिलाड़ी अवनीश गिरि पर प्रतिबंध के दौरान एक प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिये चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। गोवा राष्ट्रीय खेल 2023 में रजत पदक जीतने वाली केरल की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम की सदस्य नेहा वी पर भी डोप टेस्ट में नाकाम रहने के लिये चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है।

एंड्रीवा 27 वर्षों में सबसे युवा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनलिस्ट बनीं

पेरिस, 06 जून (एजेंसियां)।

युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका को अपसेट करते हुए फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर इतिहास रच दिया। वह पिछले लगभग तीन दशक में 17 साल की उम्र में सबसे युवा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनलिस्ट बन गयीं। एंड्रीवा ने क्वार्टरफाइनल में पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए 6-7(5), 6-4, 6-4 से जीत हासिल की। उनका सेमीफाइनल में इटली की जैस्मिन पाओलिनी से मुकाबला होगा जो पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंची हैं। एंड्रीवा ने दो घंटे 29 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका के पूरी तरह फिट नहीं होने का फायदा उठाया। सबालेंका ने पहले सेट में मेडिकल टाइमआउट लिया और मैच में बाद में भी उन्हें इसकी जरूरत पड़ी। एंड्रीवा ने अंतत: तीन करियर भिड़ंत में पहली बार विश्व नंबर 2 सबालेंका को हराया। एंड्रीवा पूर्व नंबर 1 मार्टिना हिंगिस के बाद ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने

वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं, जो 1997 में रौलां गैरो और यूएस ओपन दोनों के सेमीफाइनल में पहुंचने पर 16 साल की थीं। इस साल एंड्रीवा का सामना करने से पहले सबालेंका ने किसी ग्रैंड स्लैम मैच में एक भी सेट नहीं हारा था। वह 11 मैचों में 22 सेटों में से केवल दो में चार से अधिक गेम हारी थीं। लेकिन 1999 में विंबलडन के पहले दौर में 16 वर्षीय जेलेना डॉकिक के हिंगिस को हराने के बाद किसी ग्रैंड स्लैम इवेंट में विश्व नंबर 1 या नंबर 2 को हराने वाली एंड्रीवा सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। एंड्रीवा 16 साल की मोनिका सेलेस के पेरिस के 1990 के फाइनल में स्टेफनी ग्राफ को हराने के बाद फ्रेंच ओपन में ऐसा करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गयी हैं। सबालेंका ने पहले सेट के दूसरे गेम में एंड्रीवा की सर्विस तोड़कर शुरुआत की, लेकिन किशोरी ने तुरंत सर्विस तोड़कर स्कोर 1-2 कर दिया। हालाँकि, सबालेंका ने तीसरे गेम में दूसरी बार सर्विस ब्रेक करके स्कोर 3-1 कर दिया, लेकिन एंड्रीवा ने फिर से वापसी करते हुए स्कोर 2-3 कर दिया। उन्होंने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए स्कोर 3-3 कर लिया। हालाँकि, सबालेंका ने लगातार तीन विनर लगाते हुए टाई-ब्रेकर 7-5 से जीत लिया। दूसरे सेट में, दोनों खिलाड़ियों ने फिर से कुछ मौकों पर ब्रेक का आदान-प्रदान किया, इससे पहले कि एंड्रीवा ने 10वें गेम में एक महत्वपूर्ण ब्रेक लिया, कुछ ज़बरदस्त बैकहैंड शॉट लगाए और सेट 6-4 से जीत लिया। निर्णायक सेट में गेम 2-2 तक सर्विस के साथ चलने के बाद, सबालेंका ने सर्विस तोड़ी और अगले गेम में एंड्रीवा को फायदा मिला। एंड्रीवा ने 10वें गेम में फिर से एक बेहतरीन बैकहैंड विनर के साथ महत्वपूर्ण ब्रेक लिया और मैच में जीत पक्की कर ली।

एक ओवर में पांच विकेट गिरने पर भी हैट्रिक नहीं लगा पाये थे आमिर

मुम्बई । क्रिकेट इतिहास में एक से बढ़कर एक रोमांचक मैच हुए हैं। इन्हीं में से एक वेस्टइंडीज में हुए साल 2010 के टी20 विश्वकप में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया का मैच भी रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी के दौरान पांच विकेट गिरे थे पर इसके बाद भी गेंदबाज हैट्रिक नहीं ले पाया था जबकि ये ओवर मेडन रहा था। इस सब के बाद भी ये मैच ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत गयी थी। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन और डेविड हसी ने अर्धशतक लगाए थे। वॉटसन के 49 गेंदों पर 81 (7 चौके व चार छक्के) और हसी के 29 गेंदों पर 53 (दो चौके व पांच छक्के) रन की मदद से ऑस्ट्रेलियाई टीम मजबूत स्कोर की ओर बढ़ रही थी. 16 ओवर के बाद टीम का स्कोर दो विकेट पर 162 रन था और ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम आसानी से 200 रन से आगे बढ़ जाएगी पर 17वें ओवर में स्पिनर सईद अजमल ने हसी और वॉटसन को आउट कर दिया। इसके बाद 19वें ओवर में अजमल ने कैमरन व्हाइट का विकेट लिया। 19 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 5 विकेट पर 191 रन था। इसके बाद पाक तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने 20 वें ओवर में पहली गेंद पर ब्रेड हेडिन को आउट करने के बाद दूसरी ही गेंद पर मिचेल जॉनसन को बोल्ड कर दिया। इसके बाद वह अगली गेंद पर हैट्रिक नहीं बना सके हालांकि बल्लेबाज रन आउट हो गया। आमिर की इस यॉर्कर को स्टीव स्मिथ खेल नहीं पाये पर बाय रन लेने के प्रयास में उनके जोड़ीदार माइकल हसी रन आउट हो गए। ओवर की चौथी गेंद पर भी यही हुआ। आमिर की एक और यॉर्कर पर नए बल्लेबा डर्क नैंस रन नहीं बना पाये और बाय रन लेने के प्रयास में स्मिथ रन आउट हो गए।

पेटीएम ने ट्रैवल कार्निवल सेल का किया ऐलान, ट्रेन-बस बुकिंग पर मिल रहा बंपर डिस्काउंट, बाकू की उड़ान भी हुई सस्ती

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

पेटीएम ने अपने ग्राहकों के लिए यात्रा कार्निवल सेल की शुरुआत की है। इस यात्रा कार्निवल सेल के साथ ट्रेन और बस की बुकिंग और बाकू की फ्लाइट्स पर 25 प्रतिशत की छूट के साथ मेगा डिस्काउंट ऑफर किए जा रहे हैं।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर मिलेगी छूट

इस सेल के साथ पेटीएम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर 10 प्रतिशत-25 प्रतिशत तक की छूट दे रहा है। इसमें उड़ान, रेल और बस की टिकट शामिल हैं। यात्रा कार्निवल सेल के तहत, कंपनी ने बैंक ऑफ बड़ौदा और आईसीआईसीआई बैंक के साथ साझेदारी की है।

ग्राहक घरेलू उड़ानों के साथ तकनीकी उड़ानों पर 15 प्रतिशत तक की छूट, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 10 प्रतिशत तक की छूट, और बस बुकिंग पर 25 प्रतिशत तक की छूट का फायदा ले सकते हैं।

यूपीआई का इस्तेमाल कर पेटीएम के जरिए ट्रेन बुकिंग की जाती है, तो ट्रेन बुकिंग के लिए भुगतान गेटवे शुल्क नहीं होता है।

नए गंतव्यों पर हर हफ्ते मिलेगी विशेष छूट पेटीएम ने बाकू और अल्माटी (कजाकिस्तान) जैसे अनोखे स्थानों में लोगों के बढ़ते रुझान को देख रहा है। यही वजह है कि कंपनी नए गंतव्यों पर हर हफ्ते विशेष छूट दे रही है। इस हफ्ते का गंतव्य बाकू है। ट्रेन यात्रियों के लिए, पेटीएम यूपीआई के माध्यम से ट्रेन टिकट बुकिंग के लिए सभी शुल्कों को माफ करता है।

प्लेटफार्म लाइव ट्रेन स्थिति अपडेट, आसान तत्काल बुकिंग, पीएनआर जांच, गारंटीड सीट सहायता और फ्री कैंसेलेशन जैसी सुविधाएं देता है। बस यात्रियों के लिए, कंपनी लाइव बस ट्रैकिंग, फ्री कैंसेलेशन जैसी सुविधाएं ऑफर कर रही है।

महिला बस यात्रियों के लिए, सुरक्षा और सुविधा को बढ़ावा देने के लिए बस की रेटिंग, महिलाओं द्वारा सबसे अधिक बुकिंग,जैसे फैक्टर को ध्यान में रखा जा रहा है। यूजर पूरे रिफंड के लिए फ्री कैंसेलेशन ऑप्शन का फायदा उठा सकते हैं। यूजर पेटीएम यूपीआई, वॉलेट, नेट बैंकिंग, और क्रेडिट या डेबिट कार्ड जैसे पेमेंट ऑप्शन के साथ बुकिंग कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एनविडिया बनी दुनिया की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी, एप्पल को पीछे छोड़कर हासिल किया यह मुकाम

मुंबई। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों की फेहरिस्त इस साल तेजी से बदल रही हैं। जहां एप्पल को पीछे छोड़कर लंबे समय बाद माइक्रोसॉफ्ट पहले पायदान पर काबिज हो चुकी है, वहीं एनविडिया ने कई स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। अब एनविडिया का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो चुका है और यह कामयाबी हासिल करने वाली वह दुनिया की सिर्फ तीसरी कंपनी है। उससे पहले यह उपलब्धि सिर्फ माइक्रोसॉफ्ट व एप्पल को मिली है। अभी एनविडिया का बाजार पूंजीकरण 3.011 ट्रिलियन डॉलर हो चुका है और वह दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। पिछले 3 महीने में एनविडिया का एमकैप लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर बढ़ गया है। माइक्रोसॉफ्ट लंबे समय तक एप्पल से पीछे दूसरे नंबर पर रहने के बाद इसी साल फिर से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बनी है। अभी उसका मार्केट कैप 3.151 ट्रिलियन डॉलर है। हालांकि अब उसकी पोजिशन को एनविडिया से खतरा है। सालों तक दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रहने वाली एप्पल अब तीसरे स्थान पर खिसक गई है। आईफोन बनाने वाली कंपनी का मार्केट कैप अभी 3.003 ट्रिलियन डॉलर है। चौथे स्थान पर गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट है, जिसका मौजूदा बाजार पूंजीकरण 2.177 ट्रिलियन डॉलर है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की डिमांड बढ़ने से गूगल को भी फायदा हो रहा है। जेफ बेजोस की कंपनी अमेजन अभी मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी है। उसका एमकैप अभी 1.886 ट्रिलियन डॉलर है। एमकैप के हिसाब से दुनिया की पांचों सबसे बड़ी कंपनियां अमेरिकी हैं। एक समय दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी का दर्जा हासिल करने में कामयाब हुई सऊदी अरब की सऊदी अरामको अब छठे पायदान पर खिसक गई है। उसका एमकैप अभी 1.820 ट्रिलियन डॉलर है।

एनएसई ने सबसे ज्यादा ट्रांजैक्शन का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया: 6 घंटे 15 मिनट में 1971 करोड़ ट्रांजैक्शन और 28.55 करोड़ ट्रेड हुए

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने एक कारोबारी दिन में सबसे ज्यादा ट्रांजैक्शन का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। एनएसई के सीईओ आशीष चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 6 घंटे और 15 मिनट (सुबह 9: 15 बजे से दोपहर 3: 30 बजे तक) के एक कारोबारी दिन में 1971 करोड़ ट्रांजैक्शन और 28.55 करोड़ (280.55 मिलियन) ट्रेड हुए। यह अब तक का सबसे ज्यादा का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। एनएसई का मुनाफा सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़ा एनएसई का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 2,488 करोड़ हो गया है। ऑपरेशन रेवेन्यू सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 4,625 करोड़ हो गया है। ट्रेडिंग वॉल्यूम की बात करते तो कैश मार्केट ने एवरेज डेली ट्रेडिंग वॉल्यूम 1,11,687 करोड़ दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 127 प्रतिशत की ग्रोथ है। वहीं, इक्विटी फ्यूचर्स एडीटीवी सालाना आधार पर 60 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 1,79,840 करोड़ पर पहुंच गया है।

रुपया एक पैसे बढ़कर 83.43 डॉलर पर

मुंबई। कमजोर अमेरिकी मुद्रा और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों के समर्थन से रुपया शुरुआती कारोबार

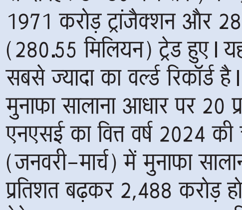

में एक पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.43 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भारतीय मुद्रा की वृद्धि को रोका। घोषित होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले निवेशक भी सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.40 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद फिसलकर 83.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.44 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.06 पर रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पप्पू पास...

वह भी इंदिरा गांधी के प्रिय नाती राहुल गांधी के नेतृत्व में।

आप याद करिए कि 1977 में इंदिरा गांधी को कैसे हराया गया था। विरोध प्रदर्शन कर-कर के देश में अशांति और अराजकता पैदा की गई थी। खासकर छात्रों का आंदोलन और बेरोजगारी से जुड़े प्रदर्शन। महंगाई का अब तक का उच्चतम स्तर। चुनाव में धांधली के आरोप जिसके कारण बाद में इंदिरा गांधी को बतौर सांसद अयोग्य घोषित कर दिया गया था। जिसके बाद ही देश पर आपातकाल थोपा गया था। यह सब हाल में नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस और विपक्षियों के तंत्र द्वारा रचे गए षडयंत्रों से मेल खाते हैं।

राहुल गांधी का विपक्षी तंत्र लोगों को 1977 की याद दिलाने पर इतने आमादा थे कि इन्होंने अघोषित आपातकाल तक का जम कर रट्टा लगाया। चूंकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंदिरा गांधी की तरह कोई लोकतंत्र विरोधी कदम नहीं उठाया, तो षडयंत्रकारियों ने आपातकाल के आगे अघोषित जोड़ दिया। गनीमत है कि राहुल गांधी का 295 वाला सपना पूरा नहीं हुआ और इंडी गठबंधन 234 सीटों पर सिमट गया। लेकिन, वो पूरी तरह नाकाम भी नहीं हुए। विपक्ष और उसके तंत्र की हरकतें देखिए तो आपको पूरा माजरा समझ में आ जाएगा। इन हरकतों के पीछे पूर्वाग्रहग्रस्त अंतराष्ट्रीय मीडिया, धन-पोषित यूट्यूबर्स, गिरोहबद्ध दुर्बुद्धिजीवी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल से मनगढ़त नैरेटिव बना कर चुनाव को प्रभावित करने वाली विदेशी ताकतें और इच्छाधारी आंदोलनकारियों का गुट सक्रिय था।

इस पूरे के पूरे सिंडिकेट-सिस्टम ने पूरी ताकत लगा दी और उन्होंने एक तरह से खून चख लिया। उत्तर प्रदेश में उनकी रणनीति काम आ गई है। यूपी में भाजपा 2014 में 71 और 2019 में 62 सीटों से 2024 में सीधा 33 पर गिर गई। अब वो इन करतूतों को एक अलग स्तर पर ले जाने वाले हैं। यही तो कारण है कि वो उतना जश्न मना नहीं रहे हैं, वो अभी अगले स्तर पर जाने वाले हैं। अब जब उनकी साजिश थोड़ी-बहुत सफल हो गई है, तो वे षडयंत्र के दूसरे अधिक कारगर फेज़ में उतरने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में देशभर में तीव्रता से अशांति और अराजकता का माहौल बनाया जाएगा। झूठतंत्र का सहारा लेकर विभिन्न वर्गों को नरेंद्र मोदी के खिलाफ सड़क पर उतारा जाएगा। एक राष्ट्र के रूप में अब इसका पूरा भार समझदार, जाति-निरपेक्ष देशवासियों पर आ जाता है कि उस दुष्प्रयोग को अपने देश में सफल न होने दें।इसका विश्लेषण ज़रूरी है कि राहुल गांधी, कांग्रेस और षडयंत्र करने वाला पूरा सिंडिकेट तंत्र आगे क्या साजिश कर सकता है। अराजकता, संघर्ष और अशांति का दौर पैदा करना, यही उनकी मंशा है। इसकी शुरुआत विरोध प्रदर्शनों से होगी, हर प्रकार के विरोध प्रदर्शन। इसकी पूरी संभावना है कि सिद्धू मूसेवाला और एके-47 का स्टिकर लगा कर किसान आंदोलनकारी फिर से दिल्ली में लौटेंगे। इसीलिए, राहुल गांधी ने जो 295 का जो नंबर दिया वह महज संयोग प्रतीत नहीं होता।

उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराने में जातिवाद का खूब इस्तेमाल किया गया। इसीलिए इस बार जाति का इस्तेमाल खूब किया जाने वाला है और जातिगत संघर्षों को जन्म दिया जाएगा। अगर कथित किसान आंदोलन को याद करें तो उसका नेतृत्व जाट किसान नेताओं ने ही किया था। अब कुछ ऐसी पटकथा लिखी जा सकती है कि एक के बाद एक जातीय समूह अपने कथित अधिकारों के लिए सड़क पर उतर आएं। भाजपा को इससे बड़े ही सलीके से निपटना होगा, क्योंकि अब तक पार्टी और समर्थक ऐसी समस्याओं के इर्दगिर्द विरोधाभासी नैरेटिव ही परोसते रहे हैं।

2021 से ही भारत में आम जनगणना नहीं हो पाई है, ऐसे में नई सरकार बनने के बाद इसे जल्द से जल्द पूरा करवाना होगा। क्योंकि राहुल गैंग की तरफ से इस बीच जाति जनगणना की मांग और जोर-शोर से उठाई जाएगी। जनगणना की प्रक्रिया जैसे ही शुरू होगी, इसे एनआरसी से जोड़ते हुए कागज़ नहीं दिखाएंगे वाला ड्रामा फिर से वापस रचा जाएगा। उत्तर-दक्षिण में विभाजन का अभियान और तेज किया जाएगा। विडम्बना देखिए कि मतगणना के एक दिन पहले तक सारे अनर्गल आरोप करने वाला षडयंत्री दल आज उत्तर प्रदेश या उन राज्यों के लिए अपना प्यार और सम्मान लुटाने का दिखावा कर रहा है, जहां भाजपा को मात मिली है। लेकिन, कुछ ही दिनों बाद यह गिरोह जनसंख्या में तेज़ी से बढ़ते, अशिक्षित और अस्वच्छ भैय्या लोगों को अपमानित करना, उन पर तंज कसना, उन्हें बदनाम करना और उन्हें लेकर घृणा फैलाना जारी रखेगा।

यह ट्रेंड और खतरनाक होगा, क्योंकि 2026 या उसके बाद संसदीय सीटों का पुनः परिसीमन होना है। सीटों की संख्या बढ़ेगी, इसे लेकर भी खूब झूठ फैलाया जाएगा। परिसीमन भी जनसंख्या के अनुपात के हिसाब से ही होना है, ऐसे में जनगणना कराना मोदी सरकार के लिए एक बड़ा सिरदर्द साबित होने वाला है। इसकी प्रक्रिया पूरी कराने से अधिक इसे लेकर प्रोपेगंडा फैलाया जाएगा और लोगों को डराया जाएगा। उससे निबटना मोदी सरकार के लिए चुनौती होने वाली है।

जनगणना से घुसपैठियों को बाहर रखा जाएगा, विदेशी मीडिया इसे मुस्लिमों पर अत्याचार बता कर प्रचारित करेगा। यह सब तो उन समस्याओं की सूची है, जो सीधे दिख रही है या जिसका इशारा मिल रहा है। क्षेत्र, भाषा, जाति, धर्म, वर्ग या किसी भी भेद के आधार पर अराजकता और अशांति फैलाई जा सकती है, किसी समूह को भड़काया जा सकता है। किसी भी भ्रम (कन्फ्यूजन) की स्थिति का फायदा उठाया जा सकता है। अचानक विदेशी मीडिया और पिट्ठू मीडिया में खबरें उड़ने लगेंगी कि अमुक समूह अमुक समूह पर अत्याचार कर रहा है, विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से इन कृत्रिम संघर्षों पर सवाल पूछे जाएंगे वगैरह वगैरह।

आप ध्यान से देखिए, सबकी निगाहें भारत पर ही हैं। भारत के किसी भी हिस्से से ऐसी कहानी पेश कर उसका अंतरराष्ट्रीय करण किया जा सकता है। इसीलिए, अब वो समय गया जब पप्पू न सिर्फ पास हो गया है, बल्कि औपनिवेशिक और जेहादी ताकतों के इशारे पर नाच भी रहा है। अब देश के लोगों को यह समझ में आने वाला है कि चुनाव में जो गलती की, उसका खामियाजा कौन भुगतेगा?

कहीं हम ऐसी ताकतों के क्रियाकलापों को समर्थन देकर उनके षडयंत्रों को कारगर करने का जरिया तो नहीं बन रहे हैं? यह सब सिर्फ नरेंद्र मोदी के खिलाफ थोड़े ही किया जा रहा है? षडयंत्र के रास्ते में नरेंद्र मोदी बाधा बन रहे हैं, इसलिए यह सब हो रहा है। गहराई से देखेंगे तो पता चल जाएगा कि अंदरखाने क्या पक रहा है। हम यह कतई नहीं कह सकते कि देश में परम आदर्श की स्थिति है। अगर देशवासियों ने थोड़ी भी ढील बरती तो पूरा देश अराजकता, भ्रष्टाचार, हिंसक संघर्ष और धर्मांतरण के कुचक्र में धंसता चला जाएगा।

गांधी परिवार ...

इसके अलावा यूपीए काल में ही उन्हें नेशनल स्टॉक एक्सचेंज बोर्ड का भी सदस्य बनाया गया था।

उल्लेखनीय है कि गांधी परिवार के करीबी को सेबी चीफ का पद दिया जाना इस ओर इशारा करता है कि सेबी के अधिकारियों को पीएम मोदी की सत्ता में वापसी पर शंका थी, इसलए सेबी ने कांग्रेस के दबाव और प्रभाव में आकर गांधी परिवार के करीबियों की नियुक्तियां कीं।

तो इसीलिए राहुल...

आंतरिक एजेंसियों ने सरकार को 220 से 230 सीटों के मिलने के बारे में बताया था। स्टॉक मार्केट तीन जून को सारे रिकॉर्ड तोड़ देता है और 4 जून को धड़ाम हो जाता है। राहुल ने कहा, ये दिखाता है कि कोई न कोई घपला हो रहा है। हजारों करोड़ रुपये यहां निवेश हुए। स्टॉक मार्केट गिरने के बाद 20 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। ये जो आप देख रहे हैं वह स्टॉक मार्केट के इतिहास का सबसे बड़ा नुकसान है।राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता कर सवाल किया कि प्रधानमंत्री ने देश की जनता को निवेश की सलाह क्यों दी? क्यों गृह मंत्री ने उन्हें स्टॉक खरीदने का आदेश दिया? दोनों जो इंटरव्यू किए गए। ये अदाणी जी के चैनल को दिए गए। उन पर पहले ही सेबी की जांच बैठी है तो उस पर जांच होनी चाहिए। मोदीजी के ये जो फेक इन्वेस्टर हैं और जो विदेशी निवेशक हैं। इनके बीच क्या रिश्ता है और अगर रिश्ता है तो इसकी जांच होनी चाहिए। इसे लेकर हमारे पास सवाल हैं। हम इस घोटाले को लेकर जेपीसी की मांग करते हैं।

केरल में...

यह राशि दिए बिना कोई भी मदद नहीं करेगा। सहयोग नहीं करने वालों को बहुत परेशानी हो सकती है।

इस बीच, 23 मई को हुई बैठक में मौजूद कुछ बार मालिकों ने पुष्टि की है कि ऑडियो में आवाज एनिमोन की ही है। केरल में 801 बार हैं। केंद्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन कहते हैं कि बार मालिकों के खुलासे से साबित होता है कि शराब नीति में मनमाने बदलाव के लिए घूस मांगी जा रही है। उन्होंने कहा कि ऑडियो से पता चलता है कि अभी तक करोड़ों रुपए वसूले जा चुके हैं। यह पैसा कहां गया, इसकी जांच होनी चाहिए। क्या नीतिगत मामले मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की जानकारी के बिना लिए जा रहे हैं? मुख्यमंत्री स्पष्ट करें कि क्या बार मालिकों को घूस देने के लिए कहा गया है? यदि रिश्वत ली गई है, तो यह मुख्यमंत्री की जानकारी में होना चाहिए।केरल सरकार के मातहत एजेंसियां सच उजागर नहीं कर सकतीं, इसलिए केंद्रीय एजेंसी से पूरे प्रकरण की जांच कराई जानी चाहिए। प्रदेश के आबकारी मंत्री एमबी राजेश को इस्तीफा देना चाहिए। एलडीएफ ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के शासनकाल में केएम मणि पर घोटाले का आरोप लगाया था, लेकिन उसे अपने घटक दल में शामिल कर लिया। मुरलीधरन ने कहा कि यह प्रदेश का दूसरा शराब घोटाला है, जो यह साबित करता है कि भ्रष्टाचार के मामले में सत्तारूढ़ माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ और विपक्षी यूडीएफ, दोनों में कोई अंतर नहीं है।दूसरी ओर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन का कहना है कि यह घोटाला दिल्ली शराब घोटाले जैसा है, इसलिए पिनराई विजयन का हश्र भी अरविंद केजरीवाल जैसा होगा। बार ओनर्स एसोसिएशन के नेता द्वारा घूस मांगना एलडीएफ सरकार के असली चेहरे को उजागर करता है। एलडीएफ शराब की दुकानें बंद करने का वादा करके सत्ता में आया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद उसने बंद बार भी खोल दिए। यूडीएफ संयोजक एवं कांग्रेस नेता एमएम हसन ने भी आबकारी मंत्री के इस्तीफे और घोटाले की जांच कराने की मांग की है।

इसे केरल का दूसरा शराब घोटाला बताया जा रहा है। पहला शराब घोटाला यूडीएफ के शासन के दौरान 2019 में हुआ था। उस समय ओमन चांडी सरकार में केएम मणि राजस्व मंत्री थे। विपक्षी एलडीएफ ने मणि पर शराब नीति में बदलाव के लिए बार मालिकों से एक करोड़ रुपए घूस लेने का आरोप लगाया था। साथ ही, कहा था कि मणि के घर पर पैसे गिनने की मशीन है। यही नहीं, एलडीएफ विधायकों ने उन्हें वार्षिक बजट भी पेश नहीं करने दिया था और विधानसभा में फर्नीचर और कम्प्यूटर आदि तोड़-फोड़ दिए थे। हंगामा कर रहे विधायकों ने महिला विधायकों पर भी हमला किया था। इसके बाद मणि को इस्तीफा देना पड़ा था। लेकिन मणि के नेतृत्व वाली उसी केरल कांग्रेस को एलडीएफ ने एक घटक के रूप में स्वीकार कर लिया। अब, एलडीएफ शराब घोटाले को लेकर निशाने पर है।

नए घोटाले ने माकपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ एलडीएफ को हिला कर रख दिया है। हालांकि आबकारी मंत्री एमबी राजेश का कहना है कि सरकार ने शराब नीति में कहे जा रहे बदलावों पर प्रारंभिक चर्चा भी शुरू नहीं की है। लेकिन बाद में पता चला कि पर्यटन निदेशक की अध्यक्षता में 22 मई को एक जूम बैठक हुई थी, जिसमें संगठनों के प्रतिनिधियों और बार मालिकों सहित 18 लोगों ने भाग लिया था। पर्यटन विभाग के विपणन अनुभाग के उपनिदेशक ने बैठक के लिए सभी को बाकायदा लिंक और पासवर्ड भेजे थे। इसमें भी कहा गया था कि बैठक में शराब नीति पर चर्चा होगी।

बैठक में फेडरेशन आफ केरल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष वी. सुनील कुमार भी मौजूद थे। इससे भी साबित होता है कि बैठक शराब नीति पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। दिलचस्प बात यह है कि आबकारी और पर्यटन विभाग के मंत्रियों ने अधिकारियों द्वारा बुलाई गई बैठक को लेकर अनभिज्ञता जताई है। चूंकि सरकार की काफी छीछालेदर हो रही है, इसलिए बहुत संभव है कि वामपंथी सरकार ड्राई-डे खत्म करने, काम के घंटे बढ़ाने और आईटी पार्कों में बार खोलने का विचार त्याग दे, पर यथास्थिति जारी रखेगी।

राज्य की आर्थिक स्थिति बदहाल है। आर्थिक संकट के कारण सरकार बीते कुछ माह से कर्मचारियों को वेतन और पेंशन भी नहीं दे पा रही है। लेकिन राज्यपाल, केंद्र सरकार और राष्ट्रपति के विरुद्ध मुकदमों पर पानी की तरह पैसा बहा रही है। आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए राज्य सरकार ने केंद्र से आर्थिक सहायता मांगी थी। केंद्र कुछ शर्तों पर उसे 5,000 करोड़ रुपए देने को तैयार भी था, लेकिन केरल सरकार को शर्तें मंजूर नहीं थीं। इसके बाद वह सर्वोच्च न्यायालय चली गई और कर्ज पर छूट के लिए निर्देश देने की मांग की। साथ ही, कहा कि उसे कम से कम 10,000 करोड़ रुपए की जरूरत है, लेकिन शीर्ष अदालत ने ऐसा कोई भी निर्देश देने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी। अब केंद्र ने राज्य की खस्ता हालत को देखते हुए मदद का हाथ बढ़ाया है और उसे 21,253 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

केरल को आर्थिक संकट से निकालने के लिए केंद्र सरकार दिसंबर 2024 तक 21,253 करोड़ रुपए उधार देगी। केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से इस राशि का उपयोग सही तरीके से और बिना किसी भ्रष्टाचार के लोगों की भलाई में लगाने को कहा है। केंद्र ने कहा था कि केरल सरकार इस राशि से अपने कर्मचारियों, खासकर केएसआरटीसी के कर्मचारियों को वेतन और पेंशन दे, क्योंकि वे कई महीने से परेशान हैं। हाल ही में केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने केंद्र सरकार पर दक्षिण के राज्यों की निधि में कटौती करने का आरोप लगाया था। जबकि प्रदेश सरकार घोटाले दर घोटाले में लिप्त है।

106 साल का...

आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता के आगे उनके सारे प्रयास नाकाम रहे।

शिव मंदिर का निर्माण 1918 में किया गया था और यह गुलमर्ग की एक महत्वपूर्ण धरोहर में शामिल था। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और धार्मिक महत्व के कारण श्रद्धालुओं और पर्यटकों दोनों के लिए आकर्षण का केंद्र था। मंदिर की खूबसूरती और ऐतिहासिकता का प्रमाण कई बॉलीवुड फिल्मों में इसके चित्रण से भी मिलता है। अभिनेता राजेश खन्ना की फिल्म आप की कसम का मशहूर गाना जय जय शिव शंकर यहीं फिल्माया गया था। इसके अलावा भी कई फिल्मों में इस मंदिर को दिखाया गया है, जिससे यह न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी महत्वपूर्ण था।

मंदिर के जलने की खबर से स्थानीय लोग सदमे में हैं। गुलमर्ग के एक निवासी ने कहा, यह हमारे लिए बहुत बड़ा नुकसान है। यह मंदिर सिर्फ एक धार्मिक स्थल नहीं था, बल्कि हमारी पहचान का हिस्सा था। प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए एक टीम गठित की गई है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, लेकिन विस्तृत जांच के बाद ही सही कारणों का पता चल सकेगा।

इस दुखद घटना के बाद, स्थानीय समुदाय और प्रशासन ने मिलकर मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया है। गुलमर्ग के तहसीलदार रमेश शर्मा ने कहा, यह हमारी धरोहर का हिस्सा है और हम इसे पुनः स्थापित करने का हर संभव प्रयास करेंगे। गुलमर्ग का यह 106 साल पुराना मंदिर न केवल एक धार्मिक स्थल था, बल्कि एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर भी था। इसके जलने से हुई क्षति को कोई भी माप नहीं सकता, लेकिन स्थानीय लोगों और प्रशासन के प्रयासों से उम्मीद की जा सकती है कि इस धरोहर को फिर से स्थापित किया जाएगा।

शिवराज बनेंगे ...

दिल्ली में शुक्रवार को भाजपा संसदीय दल की बैठक होनी है। इससे पहले भाजपा की गुरुवार को भी बैठक हुई, जिसमें मध्य प्रदेश के शीर्ष नेता शामिल हुए। मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की है। 1984 के बाद पहला मौका है जब मध्य प्रदेश में किसी एक पार्टी ने लोकसभा की सभी सीटों पर जीत हासिल की है।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान छठी बार विदिशा से लोकसभा का चुनाव जीते हैं। वह सात बार विधायक और प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रहे हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा को सभी 29 सीटों पर जीत मिली है। इसका एक कारण शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री रहते शुरू हुई लाडली बहना योजना को भी बताया जा रहा है। शिवराज सिंह चौहान की विनम्रता उन्हें दूसरे नेताओं से अलग बनाती है। यही वजह है कि भाजपा के साथ-साथ विपक्ष में भी उनके मुरीद नेताओं की कमी नहीं है। सरल और मिलनसार व्यक्तित्व के शिवराज को जनता ही नहीं विपक्ष के नेता भी पसंद करते है। वह कई बार नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को सफलता के मंत्र गिनाते हुए कहते हैं कि मुंह में शक्कर, पांव में चक्कर और सिर पर बर्फ रखकर ही किसी को राजनीति करनी चाहिए। वह इस मंत्र का अक्षरश: पालन करते हैं।

जेपी नड्डा 2012 में राज्यसभा के सदस्य बने थे। 2014 में जब अमित शाह ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभाला तो नड्डा को संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया था। 2019 में अमित शाह गृहमंत्री बने तो नड्डा को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। 2020 में उन्हें फुलटाइम अध्यक्ष चुना गया। वैसे, भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होता है और किसी भी अध्यक्ष को लगातार दो कार्यकाल ही मिल सकते हैं। नड्डा का कार्यकाल पहले ही खत्म हो चुका है। लोकसभा चुनावों को देखते हुए जून 2024 तक उनका कार्यकाल बढ़ाया गया था। इसका मतलब है कि जून के अंत से पहले ही भाजपा के नए अध्यक्ष का चुनाव हो जाएगा। इससे पहले अमित शाह ने अध्यक्ष पद पर लगातार दो कार्यकाल पूरे किए थे। उनसे पहले अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और राजनाथ सिंह भी दो या अधिक बार पार्टी के अध्यक्ष रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इससे पहले भी केंद्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 1991 में पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए थे। उसके बाद 1996, 1998, 1999 और 2004 में भी विदिशा से सांसद चुने गए। इस दौरान 2002 में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव और 2003 में राष्ट्रीय महासचिव भी नियुक्त हुए थे। 29 नवंबर 2005 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने और उसके बाद 2018 तक रहे। 2020 में फिर मुख्यमंत्री बने और 2023 तक इसी पद रहे। 2023 में मध्य प्रदेश में पूर्ण बहुमत मिलने के बाद पार्टी ने शिवराज की जगह डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद के लिए चुना और तब से ही तय माना जा रहा था कि शिवराज को केंद्र में बड़ी भूमिका दी जा सकती है।

इस बार पार्टी में संगठनात्मक स्तर पर भी बड़े स्तर पर बदलाव हो सकता है। इसमें पार्टी के अध्यक्ष के साथ-साथ कई प्रदेशों में भी अध्यक्ष बदले जा सकते हैं। हरियाणा, झारखंड, दिल्ली और महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बड़ा बदलाव हो सकता है। भाजपा के वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा को लोकसभा चुनावों तक के लिए जून तक का सेवा विस्तार दिया गया था। अब लोकसभा चुनावों के समापन के साथ ही उन्हें पद से हटाए जाने की चर्चाएं होने लगी हैं। चर्चा है कि नई सरकार के गठन के बाद ही उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। उन्हें केंद्र सरकार में लाकर बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पहले वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री का पद संभाल चुके थे। चर्चा है कि अब उन्हें एक बार फिर स्वास्थ्य मंत्री या इसी तरह की कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। वहीं, मनसुख मंडाविया को गुजरात में बड़ा पद देने की संभावना जताई जा रही है। यदि गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर कोई बदलाव होता है, तो भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बेहद भरोसेमंद होने के नाते मनसुख मंडाविया उसके बड़े दावेदार हो सकते हैं।

नई सरकार...

विदेशी मेहमानों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। शपथ ग्रहण समारोह में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल भी उपस्थित रहेंगे। बुधवार को ही प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से दोनों देशों के नेताओं से फोन पर बातचीत करके उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया था। नेपाल के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि कर दी है। बांग्लादेशी पीएम दफ्तर के अधिकारी एम नजरुल इस्लाम ने भी निमंत्रण मिलने की पुष्टि की है।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही एनडीए ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता मान लिया। बुधवार को हुई बैठक में एनडीए के 21 नेताओं ने एक पत्र पर हस्ताक्षर करके मोदी को अपना नेता स्वीकृत किया। सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को पिछले 10 साल में उनके कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई भी दी।

भारत निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को लोकसभा 2024 के चुनाव परिणाम घोषित किए थे। इसमें भाजपा को सबसे ज्यादा 240 सीटें और इसके बाद दूसरे नंबर पर 99 सीटों के साथ कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही। हालांकि पिछली बार की अपेक्षा इस बार के चुनाव में भाजपा को 32 सीटों का नुकसान हुआ है। 2014 के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला।

लोकतंत्र की...

देकर अपने खुद के प्रत्याशी उतारने आरंभ कर दिए हैं? या आम आदमी पार्टी केवल दिखावे के लिए अपने प्रत्याशी उतारती है और अंदर-अंदर खालिस्तानियों को समर्थन देती है? सरबजीत सिंह खालसा की जीत भी देश की एकता और अखंडता के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है।

वर्तमान में डिब्रूगढ़ की जेल में बंद अमृतपाल सिंह राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया था। उसने जेल से ही चुनाव लड़ा और उसे 38.62 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। अमृतपाल वारिस पंजाब दे संगठन का प्रमुख है, जिसका उद्देश्य खालिस्तान की स्थापना करना है। उसका नाम अचानक तब सुर्खियों में आया था, जब उसने अपने साथी को छुड़ाने के लिए थाने पर हमला बोल दिया था और हिंसा की थी। अमृतपाल का कहना है कि वह शांतिपूर्ण तरीके से खालिस्तान की मांग कर रहा है।

इंजीनियर अब्दुल रशीद और सरबजीत सिंह खालसा से लेकर अमृतपाल सिंह तक का चुना जाना आधारभूत सवाल खड़ा करता है कि क्या अलगावादी और आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त तत्वों को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का हिस्सा बनना चाहिए? क्या फिर से संसद खतरे में नहीं पड़ेगी? क्या वे उन संवेदनशील दस्तावेजों का दुरुपयोग नहीं करेंगे, जिन पर सांसद होने के नाते उनकी पहुंच होगी? उन्हें संसद और राष्ट्रपति भवन सहित अन्य गोपनीय स्थानों तक पहुंच उपलब्ध होगी, तो ऐसे में यह बहुत महत्वपूर्ण है कि क्या कनाडा में बैठे खालिस्तानियों और पाकिस्तान में आईएसआई तक ये संवेदनशील सूचनाएं नहीं पहुंचेंगी? यह लोकतंत्र की जीत है या राष्ट्रीय सुरक्षा पर सीधा हमला है? यह विजय भारत की अस्मिता के लिए भीषण खतरा तो नहीं? इन जीतों से कई प्रश्न उठ खड़े हुए हैं।

अविनाश सिंहल (42) अपने परिवार के साथ लगभग 10 साल से वैंकूवर (कनाडा) में रहते हैं। एक बड़ी कंपनी में कार्यरत अविनाश आस्थावान हिंदू हैं और हर रविवार को स्थानीय मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए जाते रहे हैं। लेकिन इधर लगभग दो साल से उन्होंने वहां भारतीयों, विशेषकर हिन्दुओं के प्रति वैमनस्यता बढ़ती देखी है। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि हिंदू परिवारों और मंदिरों को निशाना क्यों बनाया जा रहा है?

केतन पटेल (54) ओंटारियो में पिछले 18 साल से अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ रह रहे हैं। कनाडा के एक बड़े बैंक में कार्यरत केतन धर्मप्रिय हिंदू हैं, समुदाय के साथ मंदिर में हर त्यौहार धूमधाम से मनाते आए हैं। लेकिन इस बार दिवाली, होली जैसे त्यौहारों पर भी डर का साया दिखा। खालिस्तानी तत्वों की धमकियां और पुलिस प्रशासन की उन पर लगाम लगाने में नाकामी से केतन खिन्न हैं। अब वे परिवार के साथ देर रात किसी रेस्टोरेंट में खाना खाने नहीं जाते। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि भारतवंशियों के प्रति दुर्भावना पैदा करने वाले खालिस्तानियों पर वहां की सरकार कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर रही? क्यों उन्हें खुली छूट दी हुई है?

ये सवाल सिर्फ अविनाश और केतन के मन को ही नहीं मथ रहे हैं, बल्कि कनाडा में रह रहे लगभग 13 लाख भारतवंशियों को भी यह सोचने पर विवश किए हुए हैं कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर भारत और हिंदू विरोधी खालिस्तानियों को कब तक अनदेखा करते रहेंगे? कनाडा में भारतवंशियों के प्रति ऐसा माहौल क्यों बना है? प्रधानमंत्री त्रूदो अलगाववादी उग्र खालिस्तानी तत्वों और उनके अराजक संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) को इंजस्टिस (अन्याय) करने की छूट क्यों दे रहे हैं?

इन सवालों के जवाब कुछ हद तक, पाकिस्तान की भारत विरोधी सोच और त्रूदो की राजनीतिक मजबूरियों में छुपे हैं। पाकिस्तान की सैन्य गुप्तचर संस्था आईएसआई का भारत तोड़ो एजेंडा कोई छुपा राज नहीं रहा है। वह एसएफजे के कर्ताधर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नू सरीखे चरमपंथी तत्वों के माध्यम से फिर से खालिस्तान आंदोलन को उकसा कर भारत को परेशान करने का षड्यंत्र रचता रहा है।

कनाडा, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में एसएफजे की भारत विरोधी उग्र गतिविधियां प्रायोजित की जाती रही हैं। कनाडा में भारत विरोधी वातावरण बनने के पीछे एक बड़ी राजनीतिक वजह भी है। वहां 2021 के चुनाव में प्रधानमंत्री त्रूदो ने अपने कट्टर विरोधी रहे, खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी से गठबंधन किया था। पैसे और वोटों से त्रूदो को भरपूर समर्थन दे रहे जगमीत वहां की सरकार को अपने इशारों पर चलाते आ रहे हैं। भारत में 2020 में भारत विरोधी देशी-विदेशी तत्वों द्वारा भड़काए गए किसान आंदोलन का भी त्रूदो ने अपने यहां के सिख वोट और धन की आमद को देखते हुए समर्थन किया था।

पिछले साल 18 जून को सर्रे के एक गुरुद्वारे के सामने अज्ञात लोगों की गोलियों से ढेर हुए खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में सितम्बर 2023 में भारत का हाथ बताकर त्रूदो ने भारत सरकार के सब्र की हद लांघ दी थी। कुख्यात आतंकी निज्जर की एके-47 थामे तस्वीर पूरी दुनिया में वायरल हो चुकी थी, लेकिन त्रूदो ने झूठा भारत विरोधी विमर्श खड़ा करने के लिए हत्या में भारत का हाथ की रट लगाए रखी। जब भारत ने त्रूदो की अभद्र हरकतों पर सीधा प्रहार शुरू किया, तब जाकर त्रूदो की बोलती बंद हुई।अब देखिए, भारत के मतदाता न केवल आतंकियों और अलगाववादियों को चुनते हैं, बल्कि भारत के मतदाताओं की पसंद अपराधी और भ्रष्टाचारी भी हैं। माफिया मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी का सपा के टिकट से गाजीपुर लोकसभा सीट से चुना जाना और जौनपुर सीट से मायावती-काल के महाभ्रष्टाचारी बाबू सिंह कुशवाहा का समाजवादी पार्टी के टिकट पर जीतना, मतदाताओं के मूल चरित्र को ज्ञापित करता है। यह तो महज कुछ बानगियां हैं। अपराधियों, आतंकियों, अलगाववादियों और भ्रष्टाचारियों की लंबी फेहरिस्त है जो भारत के नैतिक मतदाताओं की पसंद से लोकसभा में जा रहे हैं और विधानसभाओं में जाते रहे हैं। नैतिकता और कृतार्थ के भाव से हीन अयोध्या का मतदाता तो अब इतिहास में अपनी कृतघ्नता के लिए दर्ज हो चुका है।

इस बार जनता...

17 विजयी प्रत्याशियों पर महिलाओं के खिलाफ गंभीर अपराध और अत्याचार करने के मामले दर्ज हैं। इनमें से दो विजेता सांसद तो बलात्कार के मामलों में अभियुक्त हैं।

आपराधिक पृष्ठभूमि के चुने गए सांसदों में सबसे अधिक 59 प्रतिशत दागी सांसद तमिलनाडु के सत्ताधारी दल डीएमके से आए हैं। आपराधिक छवि के लोगों को सांसद बनाने वाली दूसरे नंबर की पार्टी समाजवादी पार्टी है। सपा 57 प्रतिशत सांसद अपराधी हैं। टीडीपी के 50 फीसदी सांसद आपराधिक छवि के हैं तो कांग्रेस पार्टी के 49 प्रतिशत सांसद आपराधिक पृष्ठभूमि वाले हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 45 प्रतिशत सांसद अपराधी हैं। भाजपा के 39 प्रतिशत सांसद आपराधिक छवि वाले हैं। शिवसेना के पांच विजेता सांसद आपराधिक छवि के हैं।

देव दीपावली से वाराणसी में शुरू होगा सिटी रोप-वे

दुनिया का तीसरा और देश का पहला होगा अर्बन ट्रांसपोर्ट रोप-वे

वाराणसी, 06 जून (एजेंसियां)। बोलीविया देश के लापाज, मैक्सिको के बाद दुनिया का तीसरा और देश का पहला अर्बन ट्रांसपोर्ट रोप-वे देव दीपावली से काशी में शुरू होना संभावित है। पहले सेक्शन वाराणसी जंक्शन कैंट रेलवे स्टेशन से रथयात्रा तक की सुगम यात्रा काशीवासी कम समय में कर सकेंगे। सिटी रोपवे के संचालन से वाराणसी में यातायात की समस्या से निजात मिलेगी। रोपवे के निर्माण के लिए स्विटज़रलैंड से आये उपकरण इंस्टाल किया जाना शुरू हो गए हैं। 807 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी में रोपवे का निर्माण हो रहा है। यह काम स्विट्जरलैंड आधारित कंपनी बर्थोलेट कर रही है। देव दीपावली में पर्यटक जब वाराणसी आएंगे तो रोपवे से यात्रा कर सकेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना को सीएम योगी आदित्यनाथ तेजी से ज़मीन पर उतार रहे हैं, जिससे वाराणसी में ट्रैफिक की समस्या से काफी राहत मिलेगी। रोपवे के संचालन के लिए स्टेशन और टावर इंस्टॉल करने का काम तेजी से चल रहा है। जल्द ही रोपवे का ट्रायल रन होगा। उसके बाद पर्यटक यात्रा कर सकेंगे। हर डेढ़ से दो मिनट के अंतराल में यात्रियों को गोंडोला उपलब्ध रहेगी। एक दिशा में एक घंटे में 3000 लोग यात्रा कर सकेंगे यानी दोनों दिशाओं में एक घंटे में छह हजार यात्रियों का आवागमन होगा। गोदौलिया से कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचने में लगभग 16 मिनट लगेगा। 45 से 50 मीटर की अनुमानित ऊंचाई से क़रीब150 ट्रॉली कार चलेगी। एक ट्रॉली में 10 यात्री सवार हो सकते है। रोपवे का संचालन 16 घंटे होगा।

नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश गौड़ ने बताया कि वाराणसी में देव दीपावली पर पूरे विश्व से पर्यटक आते है। एनए-चएलएमएल की कोशिश है कि देव दीपावली तक रोपवे का संचालन शुरू हो जाए और काशी आने वाले पर्यटकों को प्रदूषण रहित परिवहन की अच्छी सुविधा मिल सके। कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक विद्यापीठ स्टेशन पर एंकर बोल्ट स्थापित हो गया है। इसके अलावा कई एक्सेलेरेशन व डी एक्सेलरेशन कन्वेयर भी स्थापित हो गए हैं। अब जल्द ही रोप लगाने का काम शुरू होगा। वाराणसी जंक्शन रेलवे स्टेशन से रथयात्रा तक कुल दो टावर इंस्टॉल हो चुके है। 16 टावर पर तेजी से काम चल रहा है।

बसपा ने लोकसभा प्रत्याशी माजिद अली को निकाला

सहारनपुर, 06 जून (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी से लोकसभा प्रत्याशी माजिद अली को बसपा से निष्कासित कर दिया गया है। उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों के अलावा अन्य पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के आरोप लगे हैं।

सहारनपुर लोकसभा सीट से बुरी तरह चुनाव हारते ही माजिद अली को बड़े भाई सहित बहुजन समाज पार्टी ने निष्कासित कर दिया है। माजिद का निष्कासन राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का विषय बना हुआ है। माजिद अली की बसपा से दूरी की पहली घटना नहीं है। उनकी पत्नी तस्मीम बानो वर्ष 2016 में बसपा के टिकट पर जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जीती थी। इसके बाद माजिद पांच साल पार्टी में रहे और हर एक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, लेकिन 2021 के जिला पंचायत चुनाव के दौरान पार्टी और उनके बीच कुछ मतभेद हो गए।

इसके बाद उन्होंने 16 सितंबर 2021 को नोएडा में आजाद समाज पार्टी कार्यालय पर चंद्रशेखर की मौजूदगी में आसपा ज्वाइन कर ली थी। उन पर आर-ोप था कि बसपा से जिला पंचायत अध्यक्ष का दोबारा टिकट नहीं मिलने के कारण वह पार्टी छोड़कर भागे हैं। लेकिन तीन दिसंबर 2023 में यानी दो वर्ष दो माह 16 दिन बाद वह फिर से बसपा में लौट आए।

एक सम्मेलन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी शमसुद्दीन राइन ने उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराने के साथ ही लोकसभा प्रभारी भी घोषित किया था। तब से वह लगातार पार्टी के साथ जुड़े हुए थे। लेकिन राजनीतिक गलियारों में बीच में यह भी चर्चा रही कि माजिद अली बसपा में आकर ज्यादा खुश नहीं हैं। क्योंकि इंडी गठबंधन के बाद उन्हें अपनी हार नजर आने लगी थी और हुआ भी यही।

लोकसभा चुनाव में वह जमानत भी नहीं बचा सके। परिणाम आने के एक दिन बाद ही बसपा ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने एवं अनुशासनहीनता के चलते निष्कासित कर दिया है। उनके बड़े भाई केआरके को भी निष्कासित किया गया है। जिलाध्यक्ष जनेश्वर प्रसाद ने कहा कि माजिद तो पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे ही। उनके भाई केआरके ने सोशल मीडिया के जरिए बहन मायावती के खिलाफ अपशब्द लिखे हैं, जिसे लेकर कार्रवाई की गई है।

माजिद अली ने बताया कि निष्कासन संबंधी कोई फोन कॉल जिलाध्यक्ष की ओर से उनके पास नहीं आया है। उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से निष्कासन की जानकारी मिली है। रही बात केआरके के निष्कासन की तो वह कभी पार्टी में नहीं रहा। हमसे भी उसका बहुत ज्यादा ताल्लुक नहीं है। बहनजी ने जो कार्रवाई की है वह उसके खिलाफ कुछ नहीं बोलेंगे।

चुनावी बिसात में नौकरशाह चारों खाने चित

चुनाव में उतरे सभी छह अफसर हार गए

लखनऊ, 06 जून (एजेंसियां)। सियासत की जमीन पर जड़ें जमाने के लिए चुनावी मैदान में उतरे नौकरशाह चारों खाने चित हो गए। केवल एक को छोड़कर बाकी पांच तो मुख्य मुकाबले के भी आसपास नहीं दिखाई दिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैबिनेट सेक्रेटरी रहे नृपेंद्र मिश्रा के बेटे साकेत मिश्रा भाजपा के टिकट पर श्रावस्ती से खड़े हुए थे लेकिन सपा के राम शिरोमणि वर्मा ने उन्हें 76,673 मतों से पराजित कर दिया। पूर्व आईपीएस अरविंद सेन भाकपा के टिकट पर फैजाबाद से उतरे लेकिन हार कर बाहर हो गए। डिप्टी एसपी रहे शुभ नारायण गौतम को बसपा ने कौशांबी से प्रत्याशी बनाया था। गौतम मुख्य मुकाबले में भी नहीं आ सके।

बसपा ने मथुरा से रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी सुरेंद्र सिंह को प्रत्याशी घोषित किया था लेकिन यहां भी मुख्य लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच रही। इंजीनियरिंग संवर्ग के रिटायर्ड अफसर सुरेश गौतम को जालौन से टिकट दिया गया था। यहां भी सपा और भाजपा में मुख्य मुकाबला रहा। सपा ने रिटायर्ड एडीजे मनोज कुमार को नगीना से टिकट दिया था। आजाद समाज पार्टी और भाजपा के बीच ही जीत का संघर्ष चला, जिसमें चंद्रशेखर रावण विजयी रहे।

नौकरशाही के माहिर अफसर राजनीति के दांव-पेच भी खूब जानते हैं। मौका पड़ने पर नेताओं की तरह पाला बदलने से नहीं चूकते। बसपा सरकार में सबसे कद्दावर अफसरों में शुमार आईएएस कुंवर फतेह बहादुर सिंह और रामबहादुर ने सेवानिवृत्ति के बाद बसपा का दामन थाम लिया था।

भाजपा को कम सीटें मिलने पर हेमा मालिनी ने कहा

चुनाव एक युद्ध है, जरूरी नहीं कि उसे एकतरफा जीत लें

मथुरा, 06 जून (एजेंसियां)। मथुरा से भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी द्वारा लगातार तीसरी जीत दर्ज करने से पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। हेमा मालिनी बुधवार को वृंदावन स्थित अपने आवास पर रहीं। वहां, उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। हेमा मालिनी ने अपने खास सिपाह सलाहकारों से वार्ता की। इधर, बसपा और कांग्रेस के खेमे में हार के कारणों पर मंथन शुरू हो गया है। हेमा मालिनी दिल्ली जाएंगी और नरेंद्र मोदी, अमित शाह से मुलाकात करेंगी।

हेमा मालिनी ने इस चुनाव में 510064 वोट हासिल कर कांग्रेस के प्रत्याशी मुकेश धनगर को 293407 मतों से हराया है। वहीं, बसपा के सुरेश सिंह 188417 मत प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे हैं। हालांकि 2019 के मुकाबले भाजपा को 7.58 प्रतिशत मत कम प्राप्त हुए हैं। इसको लेकर जरूर पार्टी के भीतर चिंता का विषय है। मगर, संगठन के लोग इसके पीछे कम मतदान होने का कारण मान रहे हैं।

हेमामालिनी एनडीए को कम मिलीं सीटों को लेकर निराश दिखीं, लेकिन उन्होंने कहा, चुनाव एक युद्ध है। यह जरूरी नहीं कि युद्ध एकतरफा जीत लिया जाए। भाजपा इस युद्ध को अच्छे से लड़ी और सरकार बनाने जा रही है। हेमा मालिनी ने बताया कि चुनाव में पार्टी कार्यकर्ताओं, जिला और महानगर के अध्यक्ष व सभी विधायकों, राज्यसभा सांसद, रालोद संगठन के अलावा भाई मोहन, आरके चक्रवर्ती, जगन्नाथ चक्रवर्ती, भाभी प्रभा और स्मिता सहित बेटी ईशा और अहाना देओल का खास योगदान रहा। धर्मेंद्र देओल स्वास्थ्य कारणों से यहां नहीं आ सके। मगर, उन्होंने वीडियो जारी कर मतदान की अपील की। पूरा परिवार चुनाव के समय में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा। उन्होंने कहा कि पूरी टीम ने एकजुट होकर काम किया। इसी का परिणाम है कि वह तीसरी बार जीतीं।

कांग्रेस ने बुधवार को हार के कारणों पर मंथन किया। संगठन और प्रत्याशी का हार के कारणों को लेकर अलग-अलग मत है। मगर, आम लोगों की एकमत राय है कि कांग्रेस को भितरघात ने हरा दिया। प्रत्याशी मुकेश धनगर ने बताया कि उन्होंने बुधवार को पहले तो परिवार के साथ सुकून के पल बीताए। इसके बाद पार्टी के लोगों के साथ वार्ता की। चुनाव में सहयोग करने वाले लोगों से भी मुलाकात की।

बसपा में भी हार के कारणों को लेकर मंथन का दौर चला। पार्टी के पदाधिकारियों से लेकर प्रत्याशी तक ने अपने-अपने स्तर से मंथन किया। हालांकि पार्टी के पदाधिकारी प्रत्याशी के चुनाव लड़ने की तारीफ कर रहे हैं। उनका कहना है कि कम समय में इतनी मेहनत कर अच्छा चुनाव लड़ा। हार-जीत अलग विषय है। मगर, बसपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है। प्रत्याशी सुरेश सिंह ने बताया कि बुधवार को उनकी दिनचर्या सामान्य रही। उन्होंने परिवार के लोगों के साथ वक्त बिताया। इसके अलावा पार्टी के पदाधिकारियों से वार्ता की। चुनाव में साथ खड़े रहने वाले लोगों से वार्ता हुई। सुरेश सिंह ने वह जनता के बीच रहकर उनके हक, सम्मान की लड़ाई जारी रखेंगे।

हेमा मालिनी के तीसरी बार जीतने पर पर बुधवार को राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह भरंगर के साथ रालोद के वरिष्ठ पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने वृंदावन स्थित आवास पर जाकर सम्मान किया। इस दौरान एमएलसी योगेश नौहवार, कुंवर नरेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह सिकरवार, बाबूलाल प्रमुख, अनूप चौधरी, रामवीर सिंह भरंगर, नरेंद्र सिंह एडवोकेट, प्रीतम सिंह प्रमुख, उमेश चौधरी, सुरेश भगत, अंगद बंजारा, अमित गुर्जर, जितेंद्र प्रजापति आदि मौजूद रहे।

दुर्घटनाएं रोकने के लिए परिवहन निगम उठाएगा ठोस कदम

लखनऊ, 06 जून (एजेंसियां)। रोडवेज की बसों में दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन ने सभी नोडल अधिकारियों को नियमित समीक्षा के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में परिवहन निगम के एमडी की ओर से सभी नोडल अधिकारियों को लेटर जारी किया गया है। इस लेटर में उन्हें दुर्घटनाओं की मुख्य वजहों के साथ-साथ उपाय भी सुझाए गए हैं।

साथ ही चालकों की नियमित काउंसिलिंग के भी निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी ने प्रदेश में दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए परिवहन निगम को उचित कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में परिवहन निगम द्वारा अप्रैल 2023 से मार्च 2024 में हुई दुर्घटनाओं की तुलना एवं समीक्षा में पाया गया है कि इस दौरान फैटल दुर्घटनाओं एवं मृतकों की संख्या में वृद्धि हुई है। इससे स्पष्ट है कि मुख्यालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों का क्षेत्रीय एवं डिपो स्तर के अधिकारियों द्वारा दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सार्थक प्रयास किया जाना अत्यंत जरूरी है।

परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर ने बताया कि ओवरस्पीडिंग, उचित दूरी न बनाकर चलना, गलत एवं लापरवाही से ओवरटेकिंग करने से अधिकांश दुर्घटनाएं होती हैं।

यह तीनों मानवीय कारण चालकों के नियंत्रण से बाहर नहीं है। अतः काउंसिलिंग के समय इन तीनों कारणों की ओर प्रमुखता से चालकों का ध्यान आकर्षित किया जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

उन्होंने निर्देश दिया कि अपने-अपने नोडल क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान गत माह हुई समस्त दुर्घटनाओं की गहन समीक्षा करें। दुर्घटनाओं का कारण एवं दोषी चालक व क्रू के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई, ज्ञात करेंगे। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डिपो एवं क्षेत्र स्तर पर क्या-क्या कार्यवाही एवं निर्धारित हेल्थ कार्ड के द्वारा स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण एवं प्रभावशाली काउंसलिंग की जा रही है या नहीं, इसकी भी जानकारी देंगे। मुख्यालय आने पर नोडल अधिकारी अपनी निरीक्षण टिप्पणी के साथ गत माह की दुर्घटनाओं की समीक्षात्मक टिप्पणी प्रधान प्रबंधक (संचालन) को प्रस्तुत करेंगे।

पत्र में कहा गया है कि परिवहन निगम की बसों की अधिकांश दुर्घटनाएं मानवीय कारण से हो रही हैं। इसमें ओवर स्पीडिंग, निर्धारित गति से अधिक गति में वाहन चलाना, आगे चल रहे वाहन से उचित दूरी न बनाकर चलना, नशे की हालत में वाहन चलाना, शराब या अन्य मादक पदार्थों के प्रभाव में रहते हुए वाहन चलाना शामिल है। इसके साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करना या ईयर फोन लगाकर संगीत सुनना, सड़क पर लगे संकेतकों की अवहेलना, ट्रैफिक लाइट का उल्लंघन, गलत लेन में चलना, रांग साइड में वाहन चलाना, गलत समय पर गलत ढंग से ओवरटेकिंग करना शामिल है। इसके अलावा घने कोहरे में पार्किंग लाइट का प्रयोग न करना, वाहन में रिफ्लेक्टिव टेप का न लगा होना, मुख्य मार्गों/हाईवेज से जुड़ते हुए शाखा मार्गों से आते हुए बिना दाएं बाएं देखे तीव्र गति से मुख्य मार्ग को ज्वॉइन करना, मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग में जल्दबाजी में क्रॉसिंग पार करना, नींद न पूरी होने या अत्यधिक थकान की दशा में गाड़ी चलाना, टायर की हवा, ब्रेक, क्लच और अन्य आवश्यक यंत्रों की फिटनेस पर ध्यान न देना और असामान्य मनोदशा वाले या मानसिक रूप से अस्वस्थ चालकों द्वारा वाहन चलाना भी शामिल है।

यूपी में भाजपा की हार पर साध्वी प्राची का बड़ा बयान

यह कार्यकर्ताओं की अनदेखी का नतीजा है

शाहजहांपुर, 06 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार पर भगवा क्रांति सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष साध्वी प्राची ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने प्रदेश में भाजपा की हार का कारण कार्यकर्ताओं की अनदेखी बताया। उन्होंने कहा कि अनदेखी से हताश होकर कार्यकर्ता चुनाव के दौरान अपने घर में बैठा रहा, जिससे भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। फिर भी हमारा वोट प्रतिशत कम नहीं हुआ है। साध्वी प्राची ने कहा कि भाजपा आलाकमान को अपने कार्यकर्ताओं का सम्मान करना होगा। इसके बाद ही हार की भरपाई हो सकती है।

शाहजहांपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने आईं साध्वी प्राची ने कहा कि उनकी की संख्या बढ़ती जा रही है, हमारी संख्या घटती जा रही है। फिर भी हमारा वोट प्रतिशत कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हार से कार्यकर्ता हताश और आहत हैं। साध्वी प्राची ने कहा कि भाजपा आलाकमान को सलाह है कि भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान करना होगा। इसके बाद ही हार की भरपाई हो सकती है। अयोध्या में भाजपा की हार पर उन्होंने कहा कि इस हार के लिए राम का नाम इस्तेमाल करना ठीक नहीं है। चुनाव में हार और जीत होती रहती है। बाद में भाजपा की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा एक गहरा समुद्र है। अगले चुनाव में इस हार की भरपाई होगी।

अभी ही खुल गया कांग्रेस का गारंटी-कार्ड वाला फर्जीवाड़ा

- लखनऊ में कांग्रेस दफ्तर पर लगा मुस्लिम महिलाओं का हुजूम
- मुस्लिम महिलाएं कांग्रेस से मांग रहीं एक लाख का गारंटी कार्ड

लखनऊ, 06 जून (एजेंसियां)। अभी चुनाव परिणाम घोषित हुए दो दिन भी नहीं बीते कि कांग्रेस का गारंटी-कार्ड वाला फर्जीवाड़ा उजागर हो गया, इसी गारंटी कार्ड के नाम पर कांग्रेस ने वोट बटोरे। लोकसभा चुनाव नतीजों के दूसरे ही दिन लखनऊ में अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। यहां कांग्रेस पार्टी के दफ्तर के बाहर सुबह से ही बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं जुट गईं। ये महिलाएं कांग्रेस द्वारा जारी किए गए गारंटी-कार्ड की मांग कर रही थीं।

मुस्लिम महिलाओं का यह जमावड़ा कांग्रेस के द्वारा प्रचार के दौरान किए गए वादों की वजह से है। यहां सभी महिलाएं गारंटी कार्ड लेने पहुंची थीं। गारंटी कार्ड वह दस्तावेज है जो कांग्रेस पार्टी ने चुनाव प्रचार के दौरान लोगों को दिया था, जिसमें कई योजनाओं और सुविधाओं के उल्लेख के साथ ही एक छोटा सा फार्म भी दिया गया था। महिलाओं ने बताया कि उन्हें कांग्रेस पार्टी के दफ्तर से यह गारंटी कार्ड प्राप्त करने के लिए कहा गया था और वे इसी उद्देश्य से यहां पहुंची हैं।

कई महिलाओं ने अपने साथ पहले से भरे हुए गारंटी कार्ड भी लेकर पहुंची थीं। जिसमें उन्होंने अपना नाम, पता और फोन नंबर भर रखा था। इन भरे हुए कार्डों को वह कांग्रेस के दफ्तर में जमा कराने के लिए पहुंची थीं। महिलाओं की भीड़ में कुछ महिलाओं ने यह दावा भी किया कि उन्हें कांग्रेस दफ्तर से गारंटी कार्ड जमा करने की रसीद मिल गई है। इस रसीद से उनके मन में यह उम्मीद जगी है कि वे जल्द ही इन वादों का लाभ उठा पाएंगी।

हाल ही में इसी तरह कई महिलाएं बेंगलुरु के जनरल पोस्ट ऑफिस में खाते खोलने के लिए दौड़ पड़ी थीं। उन्हें उम्मीद थी कि अगर केंद्र में इंडी गठबंधन सत्ता में आया तो उन्हें 8,500 रुपए मासिक मिलेंगे। कांग्रेस दफ्तर के बाहर मुस्लिम महिलाओं का यह जमावड़ा चुनावी राजनीति में वादों और दावों के प्रभाव के एक महत्वपूर्ण पहलू को उजागर करता है।

आम चुनावों में इंडी गठबंधन ने 234 सीटें जीती हैं, लेकिन एनडीए गठबंधन भाजपा के नेतृत्व में अगली सरकार बनाने के लिए तैयार है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 292 सीटें हासिल की हैं, जो बहुमत के 272 के आंकड़े को पार कर गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 07 जून, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज ने चेस्ट हॉस्पिटल में स्थापित की अग्रसेन शीतल पेय जलशाला

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलेंगाना द्वारा एर्रागड्डा स्थित चेस्ट हॉस्पिटल में अग्रसेन शीतल पेय जलशाला की स्थापना की गई। प्रोजेक्ट चेयरमैन महेश कनोडिया के अनुसार सत्वंती सरायवाल की इस जलशाला के स्थापना कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका रही। मनसाराम स्नेहलता अग्रवाल के आर्थिक एवं धीरज अग्रवाल द्वारा पानी की टंकी के सहयोग से यह जलशाला स्थापित को गई। इस अस्पताल में राम नगर शाखा के सहयोग से एक मशीन का नवीनीकरण भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ महबूब ख़ान थे। जलशाला का उद्घाटन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज से धीरज अग्रवाल, सत्वंती सरायवाला, अभिषेक अग्रवाल, शाम सुंदर अग्रवाल, महेश अग्रवाल, महेश कनोडिया उपस्थित थे। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल में प्रोजेक्ट चेयरमैन महेश कनोडिया को इस पावन कार्य के लिए बधाई दी। उन्होंने दान दाताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने जलशाला समिति की कार्यशैली और कार्य सिद्धि में तीव्रता की सराहना की।

विहिप ने सीएम रेवंत से गौ संरक्षण कानूनों को सख्ती से लागू करने की मांग की

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद के गोरक्षा विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से अनुरोध किया गया कि वे राज्य में गौ संरक्षण कानूनों के सख्त कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने के लिए अपने आवास पर बैठक करें और अवैध रूप से वध की जा रही गायों की रक्षा के लिए अधिकारियों को उचित निर्देश दें। आगामी बकरीद पर्व पर शहर के साथ-साथ विभिन्न जिलों में भारी संख्या में गायों का अवैध वध किया जाएगा, जिसे रोका जाए। इसके अलावा राज्य में गौ-आधारित कृषि, पंचगव्य उपचार आदि पर ध्यान देने तथा अतिक्रमित गौ चरागाहों को मुक्त कराने की अपील की गई।अखिल भारतीय गो सेवा फाउंडेशन, लव फ़ॉर काउ संगठनों ने भी भाग लिया और अपील प्रस्तुत की। क्षेत्र गो सेवा प्रमुख अकुतोता रामा राव, विश्व हिंदू परिषद दक्षिण भारत गोरक्षा प्रमुख टी.यादागिरी राव, अखिल भारतीय गो सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष बालकृष्ण गुरु स्वामी, लव फ़ॉर काउ के अध्यक्ष जसमत भाई पटेल, क्षेत्रीय गोरक्षा प्रमुख वेंकन्ना, जी. रमेश, मल्लेश गौड़, कासा श्रीनिवास, श्रीकांत, श्याम श्रीराम रेड्डी आदि मौजूद रहे।

सिखवाल ब्राह्मण समाज वैश्विक संगठन की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल ब्राह्मण समाज वैश्विक संगठन के तत्वावधान में श्रृंगेरी में श्री जगदुरु शंकराचावंजी के सान्निध्य में भव्य रूप से आयोजित भागवत कथा, ऋषि श्रृंग के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन कार्यक्रम व विभित्र धार्मिक स्थलों की यात्रा के संबंध में एक बैठक श्रृंग ऋषि भवन, फीलखाना में अध्यक्ष भगवान व्यास की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

श्रृंग वन्दना के पश्चात महामंत्री श्यामसुन्दर तिवारी ने अपनी रपट प्रस्तुत की व सम्पन्न कार्यक्रम के विषय में विस्तृत जानकारी दी। कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल ओझा ने श्रृंगेरी यात्रा का लेखा-जोखा प्रस्तुत्त किया जिसे करतल ध्वनि से स्वीकृत किया गया। अध्यक्ष भगवान व्यास ने भव्य आयोजन से जुडी सभी समितियों के सदस्यों का आभार प्रकट किया। बैठक में श्री शंकराचार्यजी द्वारा आयोजन समिति व सिखवाल समाज को आशीर्वाद रूपी संदेश को अध्यक्ष ने पढ़कर सुनाया।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने अध्यक्ष को आगे भी ऐसी धार्मिक यात्राओं को आयोजित करने प्रयास करने को कहा।

बैठक में अध्यक्ष भगवान व्यास, श्यामसुन्दा तिवारी, जगदीश तिवाड़ी, सम्पत व्यास, रामदेव नागाला, कन्हैयालाल ओझा, महेश व्यास, रामनारायण तिवारी, नरसिंग जोशी, दामोदर व्यास, ज्यामसुन्दर नागला, कन्हैयालाल उपाध्याय, हरीकिशन ओझा, चम्पालाल तिवारी, जगदीश उपाध्याय बिराठिया उपस्थित थे। सम्पत व्यास के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

भारी बारिश से हैदराबाद हुआ पानी-पानी

शहर के विभिन्न हिस्सों में व्यापक जलजमाव होने से यातायात व्यवस्था चरमराई

आज सभी शहरी क्षेत्रों में भारी बारिश और तूफान का पीला अलर्ट जारी

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेज आंधी के साथ बारिश ने गुरुवार को हैदराबाद में तबाही मचाई। बारिश के चलते शहर के विभिन्न हिस्सों में व्यापक जलजमाव हो गया। बारिश के कारण यातायात बाधित हुआ क्योंकि वाहन जलजमाव वाली सड़कों से गुजर रहे थे। सिकंदराबाद, खैरताबाद, बंजारा हिल्स, यूसुफगुडा, अमीरपेट, जुबली हिल्स, सेरिलिंगमपल्ली, माधापुर, बीरमगुडा, कुथबुल्लापुर, कोमपल्ली, कोटि, एबिड्स, मुशीराबाद, एलबी नगर, वनस्थलीपुरम और हयातनगर जैसे क्षेत्रों के निवासियों ने भारी वर्षा हुई।

आईएमडी-हैदराबाद के अनुसार, सापेक्ष आर्द्रता 75 प्रतिशत दर्ज की गई और अधिकतम तापमान 34.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बुधवार से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम है।

यह सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्शाता है और गुरुवार को सभी जिलों में दर्ज किया गया सबसे कम अधिकतम तापमान है। न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस नोट किया गया। इस बीच, आईएमडी ने शुक्रवार को सभी शहरी क्षेत्रों में भारी बारिश और तूफान के लिए पीला अलर्ट जारी किया। मेडचल-मलकजगिरी, बाचुपल्ली, निज़ामपेट, सिरसिला, वारंगल, हनमकोंडा, मंचेरियल, पेद्दापल्ली, करीमनगर, संगारेड्डी, भोंगिर, विकाराबाद, जनगांव, निज़ामाबाद और जगितियाल सहित तेलंगाना के अन्य क्षेत्रों में भी भारी बारिश हुई।

आईएमडी ने 9 जून तक पूरे राज्य में बारिश का अलर्ट जारी किया है। यह अलर्ट विशेष रूप से आदिलाबाद, नलगोंडा, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक, कामारेड्डी, महबूबनगर, नगरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जो-गुलम्बा गडवाल जैसे जिलों के लिए जारी किया गया है। पूर्वानुमान बताते हैं कि अगले 48 घंटों में हैदराबाद में तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागांव वालों द्वारा पितृ अमावस्या के दिन गोल्डन टेम्पल, बंजारा हिल्स में करीब 400 स्थानीय निवासियों में अन्नदान वितरित किया गया। जिसमे चावल, सांभर, सब्ज़ी, लड्डू, छांछ रूपी प्रसाद उपलब्ध कराया गया। अवसर पर परिवार के सदस्यों में मुकुंद लाल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, संतोष अग्रवाल आदि ने सेवा प्रदान की।

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में वट सावित्री अमावस्या पर गौसेवा करते गोशाला के प्रभु दत्त महाराज, महावीर प्रसाद कड़ेल, सत्यनारायण मौसून, पंकज वर्मा, शरद वर्मा, मनोज सोनी, महेश जवड़ा, नंदू मायच्छ, उमेश रोड़ा, दिनेश दैवाल, कमल किशोर खजवानिया एव अन्य। अमावस के अवसर पर गौशाला में अन्नदान कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।

ऋषि श्रृंग भवन पर सर्व राजस्थानी फाऊंडेशन द्वारा शनिवार 15 जून को आयोजित होने वाले जॉब मेला-2 के बैनर का लोकार्पण एवं दीप प्रज्वलन करते अतिथि गोपाल बल्दवा साथ में हैं रामदेव नागला, संदीप जायलवाल, धर्माराम ढाका, राजेश पंडित एवं अन्य।

नारायण सेवा संस्थान द्वारा आगामी 16 जून को ईडन गार्डन किंग कोठी मे आयोजित नारायण लिम्ब एवं कैलीपर वितरण शिविर मे पधारने हेतु भाजपा नेता माधवीलता, जागीरदार फाउंडेशन के पारस जागीरदार, धीरज नरेश पारेख, रक्षीता अरूण बोहरा, महेश नैणवाल, अग्रवाल समाज के विरेन्द्र राजेश अभिषेक अग्रवाल आदि को निमंत्रित करते हुए कार्यक्रम संयोजक रिद्धीश जागीरदार एवं महेन्द्र सिंह रावत।

ज्येष्ठ अमावस्या के अवसर पर समस्त बजरंग सेना तेलंगाना टीम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष भार्गेंद्र व्यास शास्त्री, अशोक शर्मा राष्ट्रीय महासचिव के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव और अन्य सभी राज्य अध्यक्षों के साथ अयोध्या राम मंदिर यूपी में पदयात्रा भगवा रैली निकाली और भगवान श्रीराम के दर्शन किए। इस अवसर पर रजनी श्रीरामोजू तेलंगाना राज्य महिला अध्यक्ष, दीपा शाह गुजरात महिला अध्यक्ष, सूर्या शुक्ला महासचिव, येरम श्रीनिवास उपाध्यक्ष, सुनील अग्रवाल संयुक्त सचिव, रामेश्वर मिश्रा, राजाराम, दयानंद रेड्डी, नरेश चंदू, और अन्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री रेवंत को शेखी बघारने के लिए जनता ने सिखाया कड़ा सबक : ईटेला

महबूबनगर में कांग्रेस प्रत्याशी की हार के लिए रेवंत रेड्डी इस्तीफा दें : अरुणा

भाजपा का वोट शेयर 35 फीसदी हुआ, भाजपा सांसदों ने जनता का जताया आभार

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा के नवनिर्वाचित सांसद ईटेला राजेंदर ने बुधवार को दावा किया कि तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों में से आठ पर भाजपा की जीत दर्शाती है कि वह राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी का एकमात्र विकल्प है।

मल्काजगिरी निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए राजेंद्र ने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट दिया क्योंकि वे नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते थे। उन्होंने भाजपा को समर्थन देने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी का वोट शेयर 35 फीसदी हो गया है। भाजपा नेता ने कहा कि लोगों ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को यह शेखी बघारने के लिए सबक सिखाया है कि मल्काजगिरी उनकी सीट है और महबूबनगर उनका अपना निर्वाचन क्षेत्र है। उन्होंने कहा, रेवंत रेड्डी को बताना चाहिए कि अगर लोग कांग्रेस के साथ हैं, तो वह मल्काजगिरी और महबूबनगर सीटें जीतने में क्यों असफल रहे। राजेंदर ने कहा कि खम्मम और महबूबाबाद को छोड़कर, भाजपा उपविजेता रही। इस बीच, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी.के. अरुणा, जो महबूबनगर से चुनी गईं हैं, ने रेवंत रेड्डी से पूछा कि उनके दावे का क्या हुआ कि कांग्रेस 14 सीटें जीतेगी। उन्होंने महबूबनगर में कांग्रेस उम्मीदवार की हार के लिए रेवंत रेड्डी के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने महबूबनगर में कांग्रेस उम्मीदवार की तरह काम किया और लोगों को आगाह करने की हद तक चले गए कि अगर कांग्रेस हार गई तो निर्वाचन क्षेत्र में कोई विकास नहीं होगा।

अरुणा ने कहा कि भाजपा 10 सीटें जीतने की उम्मीद कर रही थी लेकिन आठ तक ही सीमित रह गई। उन्होंने यह कहने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं ने भाजपा की जीत के लिए काम करने के लिए अपनी आत्मा बेच दी। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकास का नारा हर गांव और हर घर तक पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी के लिए बाधाएं पैदा करने के लिए रेवंत रेड्डी ने झूठ फैलाया कि बीजेपी आरक्षण खत्म कर देगी।

मतदाताओं को आभार, हमारा युद्ध अच्छा रहा : माधवी लता

उनके लिए तो हम उसी दिन सांसद बन गए थे जिस दिन उन्होंने मुझे वोट देने की ठान ली थी

इस परिवार की संख्या 4 से 5 लाख, 5 से 6 लाख इसी तरह से दस लाख तक बढ़ती जाएगी

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की हैदराबाद लोकसभा सीट पर एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने पांचवीं बार जीत दर्ज की। असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा उम्मीदवार माधवी लता को 3.38 लाख वोटों से हराया। इस बीच माधवी लता ने बुधवार को अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। माधवी लता ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र के निवासियों और मतदाताओं को मेरा नमस्कार।

उन्होंने कहा कि हमारा युद्ध अच्छा रहा। आप और मैंने मिलकर एक ऐसी जंग छेड़ी है और लड़ी है, सत्य और न्याय की स्थापना करने के लिए हम न डरे हैं न पीछे हटे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि हमें जो तीन लाख 23 हजार 889 वोट हैं। ये ऐसे वोट हैं जिनके दिल में हम बसते हैं। इन सारे वोट डालने वालों के हम उसी दिन एमपी (सांसद) बन गए थे, जिस दिन उन्होंने ठान लिया था कि वो हमें वोट डालेंगे। माधवी लता ने जनता से वादा किया कि जब तक मेरे अंदर सांस है आपके लिए सदा काम करती रहूंगी। आपने अपना वोट देकर मुझे अपना बना लिया है। मैं सुख-दुख में आपके साथ खड़ी रहूंगी। मैं आपके लिए हूं और आपके लिए सदा रहूंगी। मैं आप पर किसी भी तरह की आंच नहीं आने दूंगी। जितना मुझसे हो सकेगा मैं पूरी तरह से आपकी मदद करने की कोशिश करूंगी।

इस रास्ते पर जो हम साथ निकले हैं, इस परिवार की संख्या बढ़ती जाएगी। परिवार की संख्या 4 से 5 लाख, 5 से 6 लाख इसी तरह से दस लाख तक बढ़ती जाएगी।

चंद्रबाबू ने वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस अधिकारियों से मिलने से किया इंकार

विजयवाड़ा, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू के यहां उंडावल्ली स्थित आवास पर गुरुवार को बड़ी संख्या में वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस अधिकारी और वरिष्ठ नेता उनसे मुलाकात करने पहुंचे हालांकि उन्होंने कई अधिकारियों से मिलने से इंकार कर दिया।

सेवानिवृत्त अतिरिक्त डीजीपी एबी वेंकटेश्वर राव ने गुरुवार को नायडू से मुलाकात की। वह छह दिन पहले ही सेवानिवृत्त हुए हैं। पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया) पीएसआर अंजनेयुलु आज सुबह शिष्टाचार के तौर पर श्री नायडू से मिलने उनके आवास पर गए। सुरक्षा अधिकारियों ने हालांकि उन्हें मिलने की अनुमति नहीं दी, क्योंकि तेदेपा प्रमुख ने उन्हें मिलने का समय नहीं दिया था। इसके बाद श्री अंजनेयुलु वहां से लौट गये।

एक अन्य वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और आईजीपी कोल्ली रघुरामी रेड्डी, जिन्होंने एसआईटी प्रमुख के तौर पर श्री नायडू को कौशल विकास मामले में गिरफ्तार किया था, आज सुबह तेदेपा प्रमुख के आवास पर गए, लेकिन उन्होंने उनसे भी मिलना पसंद नहीं किया। इससे पहले कोल्ली रघुरामी रेड्डी को सभी पदों से हटा दिया गया था और बुधवार को उन्हें पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया। तेदेपा सूत्रों के अनुसार, कई वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने श्री नायडू से फोन पर बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने बात करने में अनिच्छा जताई।

गौरतलब है कि कई तेदेपा नेताओं को गिरफ्तार करने वाले तथा वाईएसआरसीपी के कट्टर वफादार के रूप में चर्चित रहे वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारी अब अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने बताया कि श्री नायडू ने आज नवनिर्वाचित सांसदों के साथ बैठक की और वह कल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली जा रहे हैं।

बीआरएस का सबसे खराब प्रदर्शन, आठ लोकसभा सीटों पर जमानत जब्त

गत विधानसभा चुनावों की तुलना में भाजपा ने सभी क्षेत्रों में अपना वोट प्रतिशत बढ़ाया

6 क्षेत्रों में कांग्रेस के वोटों की संख्या में आई गिरावट, 117 खंडों में बीआरएस के वोट भी कम हुए

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीतने वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की तेलंगाना में 17 में से आठ सीटों पर जमानत जब्त हो गई, जबकि छह महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव के बाद से उसके वोट शेयर में भारी गिरावट आई है।

बीआरएस, जिसे 2001 में अपनी स्थापना के बाद से अब तक की सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा, 2019 में जीती गई नौ लोकसभा सीटों में से एक भी बरकरार रखने में विफल रही। हाल ही में कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवाने वाली पार्टी को आदिलाबाद, निज़ामाबाद, ज़हीराबाद, मल्काजगिरी, सिकंदराबाद, हैदराबाद, चेवेल्ला और महबूबनगर में अपने उम्मीदवारों की जमानत खोने की बदनामी का भी सामना करना पड़ा।

इनमें से तीन सीटें ज़हीराबाद, चेवेल्ला और महबूबनगर पिछले चुनावों में बीआरएस ने जीती थीं। दो निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा की जमानत भी जब्त हो गई जबकि एक स्थान पर कांग्रेस उम्मीदवार की जमानत जब्त हो गई। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत, कुल मतदान का कम से कम छठा हिस्सा हासिल करने वाले उम्मीदवार ही जमा राशि वापसी के हकदार हैं। सामान्य उम्मीदवारों के लिए जमानत राशि 25,000 रुपए और अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 12,500 रुपए थी। बीआरएस उम्मीदवार 14 निर्वाचन क्षेत्रों में तीसरे स्थान पर और दो निर्वाचन क्षेत्रों महबूबाबाद और खम्मम में दूसरे स्थान पर रहे। हैदराबाद में बीआरएस उम्मीदवार सबसे खराब चौथे स्थान पर रहे। भाजपा उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे और महबूबाबाद और खम्मम निर्वाचन क्षेत्रों में उनकी जमानत जब्त हो गई। अपना अब तक का

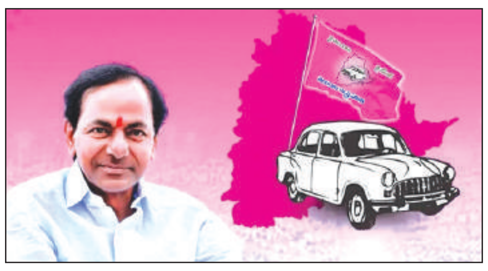

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए, भगवा पार्टी ने 2019 में अपनी संख्या दोगुनी करते हुए आठ सीटें जीत लीं। यह सात निर्वाचन क्षेत्रों में उपविजेता रही। कांग्रेस पार्टी, जिसने पिछले चुनाव में अपनी संख्या तीन से बढ़ाकर आठ कर ली, तीसरे स्थान पर रहने के बावजूद हैदराबाद में अपनी जमानत खो दी। सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार आठ निर्वाचन क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर रहे।बीआरएस की हार से कांग्रेस और बीजेपी दोनों को भारी फायदा हुआ है. भाजपा ने अपना वोट शेयर बढ़ाकर 35.08 प्रतिशत कर लिया, जो 2019 में 19.5 प्रतिशत से एक बड़ी छलांग है। नवंबर 2023 के विधानसभा चुनावों में भगवा पार्टी को 119 सदस्यीय विधानसभा में आठ सीटें जीतने के लिए 13.90 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस ने भी 2019 में अपना वोट शेयर 30.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 40.10 प्रतिशत कर लिया। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 39.40 फीसदी वोट शेयर के साथ 64 सीटें जीती थीं। जबकि बीआरएस ने 37.35 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 39 विधानसभा सीटें जीती थीं, को पूरे राज्य में हार का सामना करना पड़ा। उसका वोट शेयर गिरकर 16.68 फीसदी पर आ गया। केसीआर के नेतृत्व वाली पार्टी अपने 39 विधानसभा क्षेत्रों में से केवल तीन में ही बहुमत हासिल कर सकी। यहां तक कि इन तीन क्षेत्रों में भी, हाल के विधानसभा चुनावों में हासिल अंतर की तुलना में इसके वोटों में भारी गिरावट आई है। बीआरएस की हार से सबसे ज्यादा फायदा बीजेपी को हुआ क्योंकि उसने बीआरएस के कब्जे वाले 24 क्षेत्रों में बहुमत हासिल किया। भगवा पार्टी ने हाल के चुनावों में कांग्रेस द्वारा जीते गए 64 क्षेत्रों में से 15 में बहुमत हासिल किया। कुल मिलाकर, उसने 46 खंडों में बहुमत हासिल किया। बीआरएस के 12 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस को बहुमत मिला। भाजपा के कब्जे वाले क्षेत्र में भी उसे बहुमत हासिल हुआ। सत्तारूढ़ दल को कोठागुडेम विधानसभा क्षेत्र में भी बहुमत मिला, जहां उसकी सहयोगी पार्टी सीपीआई ने जीत हासिल की। इस प्रकार, बहुमत वाले विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की संख्या 64 पर अपरिवर्तित रही।हालांकि कांग्रेस ने उपचुनाव में सिकंदराबाद छावनी विधानसभा सीट बीआरएस से छीन ली, लेकिन भाजपा को लोकसभा चुनाव में इस क्षेत्र में सबसे अधिक वोट मिले, जो मल्काजगिरी लोकसभा क्षेत्र का एक हिस्सा है। ऑल इंडिया-मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने हाल ही में जीते गए सात विधानसभा क्षेत्रों में से छह में बहुमत हासिल किया। 2023 के विधानसभा चुनावों की तुलना में, भाजपा ने तीन को छोड़कर सभी क्षेत्रों में अपने वोट बढ़ाए। 76 क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी के वोटों की संख्या में गिरावट आई है। 117 खंडों में बीआरएस के वोट भी कम हुए। हालांकि कांग्रेस ने करीमनगर और महबूबनगर लोकसभा क्षेत्रों के तहत अधिकांश विधानसभा सीटें हासिल की थीं, लेकिन भाजपा को इनमें से अधिकांश क्षेत्रों में बहुमत मिला और उसने दोनों सीटें जीत लीं।

भारी बढ़त के साथ भाजपा तेलंगाना में कांग्रेस के लिए बनी नई चुनौती

भाजपा उम्मीदवार छह अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में भी रहे उपविजेता

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में सत्ता हासिल करने के छह महीने बाद, कांग्रेस को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से एक नई चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि राज्य में उसकी लोकसभा सीटों की संख्या दोगुनी होकर आठ हो गई है।हाल के विधानसभा चुनावों में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के आधार पर भाजपा ने 17 लोकसभा सीटों में से आठ सीटें जीतने में बड़ी बढ़त हासिल की और लगभग 10 सीटों के अपने लक्ष्य तक पहुंच गई। भाजपा उम्मीदवार छह अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में भी उपविजेता रहे। यह तेलंगाना में भाजपा का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है, जिसे कर्नाटक के बाद दक्षिण भारत में पार्टी के दूसरे प्रवेश द्वार के रूप में देखा जाता है। 10-12 सीटें जीतने की उम्मीद कर रही कांग्रेस सिर्फ आठ सीटें ही जीत सकी। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी को न केवल मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के गृह जिले महबूबनगर में हार का सामना करना पड़ा, बल्कि मल्काजगिरि भी हार मिली, जहां से रेवंत रेड्डी पिछले चुनावों में लोकसभा चुने गए थे।2019

में 19.5 प्रतिशत वोट शेयर के साथ चार सीटें जीतने वाली भाजपा ने अपना वोट शेयर बढ़ाकर 35.08 प्रतिशत कर लिया है। यह भाजपा के लिए एक बड़ी बढ़त है, जिसे नवंबर 2023 के विधानसभा चुनावों में 13.90 प्रतिशत वोट मिले और 119 सदस्यीय विधानसभा में आठ सीटें जीतीं। इन चुनावों में मुख्य विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का लगभग सफाया हो जाने के बाद, सत्तारूढ़ कांग्रेस से मुकाबला करने के लिए भाजपा के विपक्षी दल के रूप में और अधिक आक्रामक होने की संभावना है। भाजपा और कांग्रेस दोनों को बीआरएस की कीमत पर फायदा हुआ, जिसका परिणाम शून्य रहा। 2001 में पार्टी की स्थापना के बाद से यह बीआरएस का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। बीआरएस कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवाने के बाद कुछ इज्जत बचाने की उम्मीद कर रही थी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने हैदराबाद सीट बरकरार रखी क्योंकि इसके अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की।

भाजपा, जिसने 2019 में चार सीटें जीती थीं, ने न केवल उन्हें बरकरार रखा बल्कि बीआरएस और कांग्रेस से चार सीटें भी छीन लीं। अपनी उपस्थिति का विस्तार करते हुए, भाजपा ने पहली बार हैदराबाद से सटे मल्काजगिरी और चेवेल्ला सीटें हासिल कीं। इसने मेदक और महबूबनगर में भी जीत हासिल की, जो उसने अतीत में जीती थी। केंद्रीय मंत्री और राज्य भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने सिकंदराबाद सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के दानम नागेंद्र को 49,944 मतों के अंतर से हराया। नागेंद्र हाल के चुनावों में बीआरएस उम्मीदवार के रूप में विधानसभा के लिए चुने गए थे, लेकिन कांग्रेस में शामिल हो गए और पार्टी का टिकट हासिल कर लिया।भाजपा महासचिव बंडी संजय कुमार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी वी. राजेंद्र राव के खिलाफ 2,25,209 वोटों के अंतर से करीमनगर सीट बरकरार रखी। भाजपा ने निज़ामाबाद सीट भी बरकरार रखी, जहां मौजूदा सांसद डी. अरविंद ने कांग्रेस के टी. जीवन रेड्डी को 1.09 लाख वोटों से हराया। भाजपा ने आदिलाबाद को भी बरकरार रखा, जहां उसके उम्मीदवार गोदाम गणेश ने कांग्रेस के अथराम सुगुना के खिलाफ 90,652 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। पूर्व मंत्री ईटेला राजेंदर, जो हाल के विधानसभा चुनावों में हार गए थे, ने भाजपा के लिए मल्काजगिरी सीट जीती, उन्होंने पी. सुनीता महेंद्र रेड्डी को 3.91 लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से हराया। भाजपा के एक अन्य प्रमुख नेता एम. रघुनंदन राव, जिन्हें भी विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था, ने मेदक सीट जीत ली। उन्होंने कांग्रेस की नीलम मधु को 39,139 वोटों के अंतर से हराया। बीआरएस 2004 के बाद पहली बार सीट हार गई। यह बीआरएस के लिए भी एक बड़ा झटका है क्योंकि मेडक पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव का गृह जिला है, जो मेडक निर्वाचन क्षेत्र के तहत गजवेल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। बीआरएस ने इस संसदीय क्षेत्र के तहत सात विधानसभा क्षेत्रों में से छह पर जीत हासिल की थी।

भाजपा के कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने 1.72 लाख से अधिक वोटों के अंतर से चेवेल्ला सीट जीती। कांग्रेस के जी रंजीत रेड्डी उपविजेता रहे। 2019 में, रंजीत रेड्डी को बीआरएस उम्मीदवार के रूप में चुना गया था, लेकिन दोबारा टिकट दिए जाने से इनकार किए जाने के बाद उन्होंने कांग्रेस के प्रति वफादारी बदल ली।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी.के. अरुणा ने कांग्रेस के चल्ला वामशी चंद रेड्डी के खिलाफ 4,000 से अधिक वोटों के अंतर से महबूबनगर में जीत हासिल की। यह कांग्रेस के लिए भी बड़ा झटका है क्योंकि महबूबनगर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का गृह जिला है। कांग्रेस, जिसने 2019 में 30.2 प्रतिशत वोट शेयर के साथ तीन लोकसभा सीटें हासिल कीं, उसका वोट शेयर भी बढ़कर 40.10 प्रतिशत हो गया। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस पार्टी ने 119 सदस्यीय विधानसभा में 39.40 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 64 सीटें जीतीं। बीआरएस, जिसने 37.35 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 39 सीटें जीती थीं, को भारी नुकसान हुआ क्योंकि वोट शेयर गिरकर 16.68 प्रतिशत हो गया। कांग्रेस ने नलगोंडा और भोंगिर सीटें बरकरार रखीं और पेद्दापल्ली, नगरकुर्नूल, वारंगल, खम्मम, जहीराबाद और महबूबाबाद सीटें बीआरएस से छीन लीं। नलगोंडा में, कुंडुरु रघुवीर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के एस सैदी रेड्डी को 5,59,905 वोटों से हराया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता के. जना रेड्डी के बेटे रघुवीर को 7,84,337 वोट मिले, जबकि एस रेड्डी को 2,24,432 वोट मिले। वारंगल निर्वाचन क्षेत्र से बीआरएस द्वारा मैदान में उतारे जाने के बाद कादियाम काव्या, जो कांग्रेस में शामिल हो गई थीं, ने 2.20 लाख से अधिक वोटों के अंतर से सीट जीती। कांग्रेस के रामसहायम रघुराम रेड्डी ने खम्मम सीट 4.67 लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से जीती।

आंध्र प्रदेश में टीडीपी की आंधी लाने वाला शख्स नारा लोकेश

अमरावती, 06 जून (एजेंसियां)। साल 2024 में हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव दोनों में ही तेलुगु देशम पार्टी का प्रदर्शन सराहनीय रहा। इसे लेकर टीडीपी के महासचिव नारा लोकेश की लगातार चर्चा रही। कहा गया कि नारा लोकेश की वजह से ही आंध्र प्रदेश में टीडीपी को बढ़त मिली।

नारा लोकेश ने खुद विधानसभा चुनाव में मंगलगिरी निर्वाचन क्षेत्र से वाईएसआर-सीपी के मुरुगुडु लावण्या के खिलाफ 91,413 वोटों के रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की। लोकेश को 1,67,710 वोट मिले, जबकि लावण्या को 76,297 वोट मिले। लोकेश की जीत के साथ, टीडीपी ने लगभग चालीस वर्षों में पहली बार मंगलगिरी में जीत हासिल की है।

41 वर्षीय लोकेश, टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू के पुत्र हैं और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से उन्होंने एमबीए की पढ़ाई की है। इन चुनावों में नारा लोकेश की भूमिका अहम रही। साल 2019 के विधानसभा चुनाव में जब टीडीपी को मात्र 23 सीट पाकर सिमटना पड़ा था उस समय कहा गया था कि ये तेलुगु देसम पार्टी का यह अंत है। लेकिन टीडीपी ने अपनी लड़ाई लड़ी और इन चुनावों में अपनी जगह बनाई।

पांच साल बाद टीडीपी को 135 सीटें मिली हैं। उनकी सहयोगी पार्टी पवन कल्याण जन सेना पार्टी को 21 सीटें मिली हैं। भाजपा ने 8 सीटें जीती हैं तो कुल गठबंधन की सीट 164 हो गई है। टीडीपी को यह प्रचंड बहुमत 175 विधानसभा सीटों पर मिला है। इस जीत का प्रमुख श्रेय नारा लोकेश को मिल रहा है क्योंकि नारा लोकेश ने व्यापक रणनीति तैयार की थी और इस वजह से नारा युवाओं के बीच बहुत प्रसिद्ध हुए। सोशल मीडिया पर उनकी तमाम रील्स और शॉर्ट्स चल रहे थे। उन्हें आंध्र प्रदेश और टीडीपी का भविष्य कहा जा रहा है।

इस पूरी जीत में नारा लोकेश द्वारा की गई 400 दिनों की पदयात्रा को भी अहम बताया जा रहा है। उन्होंने चुनावी प्रचार में खुद को हर वक्त आगे रखा। वह एक महीने तक रोजाना 28 हजार कदम चलते थे। लोगों से मिलते थे, उनकी बात समझते थे। जनवरी 2023 में शुरू हुई उनकी पदयात्रा में 4000 किलोमीटर दूरी को कवर किया गया था। इसका मकसद था कि लोग उनकी पार्टी से जमीनी स्तर पर जुड़ें। पार्टी की नीतियों और लक्ष्यों को जानें।

उनकी राजनीति को हवा तब मिली जब उनके पिता को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उन्होंने पदयात्रा रोककर पार्टी का कार्यभार थामा। अपनी शिक्षा और अनुभव से पार्टी को मजबूत किया। उन्होंने यात्रा से भी पहले पार्टी को डिजिटल मजबूत करना शुरू कर दिया था। उन्होंने पार्टी में लोगों को शामिल और पार्टी सदस्यों के मैनेज करने के लिए व्हॉट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म का बराबर इस्तेमाल किया। नतीजा ये हुआ कि पदयात्रा से पहले उनके साथ 5 लाख लोग जुड़े।

एमएलसी चुने जाने पर लोकेश को 2017-2019 के बीच नायडू कैबिनेट में आईटी, पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्री का पद मिला था। नारा लोकेश ने एनटीआर मेमोरियल ट्रस्ट में प्रमुख भूमिका निभाई थी जो ये स्वास्थ्य सेवा, कौशल और आपदा प्रबंधन पर काम करता है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश में नारा लोकेश भाजपा और टीडीपी के गठबंधन के कोर समर्थक रहे हैं।

आंध्र प्रदेश में सत्ता बदलते ही परिवर्तन का दौर भी शुरू

वाईएसआर व्यू पॉइंट फिर अब्दुल कलाम व्यू पॉइंट हुआ

विशाखापत्तनम, 06 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) की जीत के बाद विशाखापत्तनम में वाईएसआर व्यूपॉइंट का नाम बदलकर उसका पुराना नाम अब्दुल कलाम व्यूपॉइंट कर दिया गया। इस घटना के कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनमें टीडीपी समर्थकों को व्यूपॉइंट का साइनबोर्ड बदलते देखा जा सकता है।

विशाखापत्तनम में यह व्यूपॉइंट पहले अब्दुल कलाम व्यूपॉइंट के नाम से जाना जाता था। परंतु, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के कार्यकाल के दौरान इसका नाम बदलकर उनके पिता और राज्य के दिवंगत मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी के नाम पर वाईएसआर व्यूपॉइंट कर दिया गया था। यह नाम परिवर्तन उस समय टीडीपी समर्थकों और जनता के बीच विवाद का कारण बना था, क्योंकि लोग पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के नाम को सम्मानित करना चाहते थे। टीडीपी कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह कदम पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के प्रति सम्मान प्रकट करने और जनता की भावनाओं का सम्मान करने के लिए उठाया गया है। एक टीडीपी नेता ने कहा, अब्दुल कलाम ने विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया है और उन्हें मिसाइल-मैन के रूप में जाना जाता है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि इस महत्वपूर्ण व्यूपॉइंट का नाम उनके नाम पर हो। इस नाम परिवर्तन के बाद, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इसे टीडीपी द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए उठाया गया कदम करार दिया।

आंध्र प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव छुट्टी पर गए

विजयवाड़ा, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश में अचानक बदले घटनाक्रम में राज्य सरकार के मुख्य सचिव के एस जवाहर रेड्डी गुरुवार को छुट्टी पर चले गए। सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख ने मुख्य सचिव को छुट्टी पर जाने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने छुट्टी के लिए आवेदन किया और उसे मंजूरी दे दी गई।

विपक्षी तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा), जन सेना पार्टी (जेएसपी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग से मुख्य सचिव जवाहर रेड्डी और डीजीपी केवी राजेंद्रनाथ रेड्डी के स्थानांतरण की मांग की थी। विपक्षी दल ने आरोप लगाया था कि मुख्य सचिव पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहे हैं क्योंकि वह मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के बहुत करीबी हैं। चुनाव आयोग ने डीजीपी केवी राजेंद्रनाथ रेड्डी का तबादला कर दिया, लेकिन मुख्य सचिव को पद पर बने रहने की अनुमति दी।

दिलचस्प बात यह है कि वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी वित्त विभाग के प्रमुख सचिव एसएस रावत भी छुट्टी पर चले गए। वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा आईपीएस अधिकारी आंध्र प्रदेश अपराध जांच विभाग (सीआईडी) प्रमुख एन संजय की भी छुट्टी मंजूर हो गई और उन्होंने विदेश जाने की योजना बना ली है। सीआईडी प्रमुख संजय ने कौशल विकास मामले की जांच की थी, जिसमें चंद्रबाबू नायडू कथित रूप से शामिल थे। उन पर नियमों को ताक पर रखकर कौशल विकास घोटाले को मीडिया के सामने उजागर करने के लिए हैदराबाद और दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के आरोप लगे हैं।

उत्तरी जिलों में तेज हवा के साथ हुई हल्की बारिश

हिसार, 06 जून (एजेंसियां)। हिसार में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश के उत्तरी जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई।

इस दौरान कहीं-कहीं ओले भी गिरे। वहीं, पश्चिमी व दक्षिणी जिलों में लू चली। मौसम विशेषज्ञ की मानें तो इस विक्षोभ का असर 8 जून तक रहेगा। उधर, भारतीय मौसम विभाग ने 6 जून को तेज आंधी, गरज-चमक व लू को लेकर ऑरेंज अलर्ट और 7 जून को धूल भरी आंधी व गरज चमक को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि 4 जून की रात को एक कमजोर श्रेणी का पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इसके असर से पंजाब पर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है।

गायत्री वेद फाउंडेशन द्वारा संचालित श्री गौ सेवा सदन में शनि जयंती एवं बड़ अमावस्या के अवसर पर गायत्री वेद फाउंडेशन के अध्यक्ष पंडित पुरुषोत्तम लाला के निर्देशानुसार गौ सेवा सदन की गायों को हरा चारा खिलाया गया तथा सभी वेद विद्यार्थियों में शीतल पेय पदार्थ का वितरण किया गया। अवसर पर गायत्री वेद फाउंडेशन के महासचिव पंडित विशेष शर्मा, ट्रस्टी पंडित जगदीश शर्मा, विद्यालय के प्रधानाध्यापक वेद मूर्ति आदित्य पाठक तथा अध्यापक आकाश शुक्ला एवं सभी विद्यार्थी गण उपस्थित थे तथा संपूर्ण हैदराबाद के धर्म प्रेमियों द्वारा प्रत्येक अमावस्या के अवसर पर गौ सेवा हेतु सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें X SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
(https://ireps.gov.in के माध्यम से) PUB/0533

सीई/सी-वी/एससी, सीई/सी-II/एससी, सीई/सी-V/एससी, सीई/सी-III/एससी, सीई/सी/पीएलजी और एससी, सीई/सी-VI/एससी और सीई/सी-II/एससी निर्माण संगठन, दमरे, सिकंदराबाद, क्रमशः कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करता है :

क्रम.सं. : 1. निविदा आमंत्रण सूचना सं. 15-सीएओ-सी-एससी-2024, दिनांक: 23-05-2024। **कार्य का नाम:** दक्षिण मध्य रेलवे निर्माण नांदेड़ मंडल : अकोला खंडवा खंड : खंडवा अमलाखुर्द स्टेशनों के बीच एमजी बीजी से ट्रैक का रूपांतरण-नए क्रॉसिंग स्टेशन यार्ड के प्रावधान के साथ निर्माण में सिविल कार्यों का निष्पादन और नव चालू एएमएक्स-केएनडब्ल्यू बीजी लाइन (दमरे) का बीएसएल-केएनडब्ल्यू बीजी मेल लाइन (मध्य रेलवे) से सतह कनेक्शन, स्टेशन भवनों का निर्माण, पहुंच मार्ग आदि, तटबंध में मिट्टी का काम/यार्ड में कटिंग और सतह कनेक्शन, कंबलिंग, छोटे पुलों का निर्माण/विस्तार, बड़े पुल और सड़क के नीचे पुल का काम, ऊंचाई गेज, नालियां, सुरक्षात्मक कार्य और मध्य प्रदेश राज्य के पूर्वी निमाड़ जिले में अन्य विविध कार्य। **विवरण: अनुमानित लागत:** रु. 47,69,88,136.63 **पूधरा** : रु. 25,35,000.00 **खुलने की तिथि:** 13-06- 2024 15:00 बजे।

क्रम.सं. : 2. निविदा आमंत्रण सूचना सं. 16-सीएओ-सी-एससी-2024, दिनांक: 24-05-2024। **कार्य का नाम:** दक्षिण मध्य रेलवे निर्माण संगठन- एससी डिवीजन - केजेडजे - बीपीक्यू सेक्शन - कवाल टाइगर रिजर्व को जोड़ने वाले टाइगर कॉरिडोर में रेलवे सीमा के साथ चेन लिंक जाल बाड़ लगाने का प्रावधान ताकि निम्नलिखित स्थानों पर जानवरों के क्रॉसिंग से बचा जा सके और वन्यजीवों की मृत्यु दर को रोका जा सके: (I) आसिफाबाद वन प्रभाग के जंगल के किनारे से (बल्हारशाह छोर की ओर) पुल संख्या 190 तक और आसिफाबाद रोड और रेचनी रोड स्टेशनों के बीच पुल संख्या 190 और पुल संख्या 189 के बीच। (II) कागजनगर वन प्रभाग के बीआर.नं.221- बीआर नं.225 और बीआर.नं. 230 -बीआर नं.237 के बीच सिरपुरकागजनगर और माकुडी स्टेशनों के बीच। **विवरण: अनुमानित लागत:** रु. 14,12,08,600.30 **पूधरा** : रु. 8,56,100.00। पूरा करने कही अवधि: 09 (नौ) महीने। खुलने की तिथि: 14-06-2024 15:00 बजे।

क्रम.सं. : 3. निविदा आमंत्रण सूचना सं.17-सीएओ-सी-एससी-2024, दिनांक: 24-05-2024। **कार्य का नाम:** दक्षिण मध्य रेलवे निर्माण संगठन: नांदेड़ डिवीजन मुदखेड - मनमाड मुख्य लाइन को मनमाड मुख्य लाइन से जोड़ने के लिए अंकाई में प्रस्तावित बाईपास लाइन: आईआरएस जीई: 0004 विनिर्देशों के अनुसार ब्लैंकेटिंग सहित निर्माण में मिट्टी के काम का प्रस्तावित निष्पादन, आरयूबीएस, गुम्पटियों का निर्माण, स्टोन गिट्टी की आपूर्ति, परिवहन और डम्पिंग, पी.वे सामग्री का परिवहन, बीजी ट्रैक बिछाना और जोड़ना, एसईजेएस, प्वाइंट और क्रॉसिंग को जोड़ना और सम्मिलित करना और अन्य जुड़े विविध कार्यों का निष्पादन।
विवरण: अनुमानित लागत: रु.14,03,93,274.99. पूधरा : रु.8,52,000.00. पूरा करने कही अवधि 14 (चौदह) महीने. खुलने की तिथि 14-06-2024 15:00 बजे.

क्रम.सं. : 4. निविदा आमंत्रण सूचना सं. 18-सीएओ-सी-एससी-2024, दिनांक: 28-05-2024। **कार्य का नाम:** दक्षिण मध्य रेलवे निर्माण संगठन गुंटूर डिवीजन गुंटूर बीबीनगर स्टेशनों (239 किमी) के बीच ट्रैक के विद्युतीकरण के साथ-साथ दोहरीकरण का प्रस्ताव। जीएनटी-बीएन सेक्शन (239 किमी) की प्रस्तावित दोहरी लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण गतिविधियों की सुविधा। **विवरण: अनुमानित लागत:** रु. 64,00,086.55 **पूधरा** रु. 1,28,000.00। पूरा करने कही अवधि: 09 (नौ) महीने। खुलने की तिथि 20-06-2024 15:00 बजे।

क्रम.सं. : 5. निविदा आमंत्रण सूचना सं. पीएमएस-06-सीएओ-सी-एससी-2024, दिनांक: 29-05-2024। **कार्य का नाम:** दक्षिण मध्य रेलवे निर्माण संगठन हैदराबाद डिवीजन एससीआर के हैदराबाद डिवीजन में विद्युतीकरण और सिग्नलिंग कार्यों सहित मुदखेड (एक्सक्लूसिव) किमी 372.561 से मेडचल (एक्सक्लूसिव) किमी 592.171 के बीच ट्रैक के प्रस्तावित दोहरीकरण के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएं (पीएमएस) प्रदान करने के लिए प्राधिकरण इंजीनियर की नियुक्ति - के संबंध में। **विवरण: अनुमानित लागत:** रु. 41,61,44,000.00। **पूधरा :** रु. 22,30,700.00। **पूरा करने की अवधि:** 60 (साठ) महीने। **खुलने की तिथि:** 19-07-2024 15:00 बजे।

क्रम.सं. :6. निविदा आमंत्रण सूचना सं. पीएमएस-07-सीएओ-सी-एससी-2024, दिनांक: 31-05-2024। **कार्य का नाम:** दक्षिण मध्य रेलवे निर्माण संगठन तेलंगाना राज्य में दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन में महबूबनगर-धोन परियोजना के संबंध में विद्युतीकरण और सिग्नलिंग कार्यों सहित दक्षिण मध्य रेलवे के महबूबनगर-धोन खंड के बीच दोहरीकरण के निर्माण के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएं (पीएमएस) प्रदान करने के लिए प्राधिकरण इंजीनियर की नियुक्ति। **विवरण: अनुमानित लागत:** रु. 43,04,96,000.00। **पूधरा :** रु. 23,02,500.00। **पूरा करने की अवधि:** 60 (साठ) महीने। **खुलने की तिथि:** 22-07-2024 15:00 बजे।

क्रम.सं. :6. निविदा आमंत्रण सूचना सं. पीएमएस-08-सीएओ-सी-एससी-2024, दिनांक: 31-05-2024। **कार्य का नाम:** दक्षिण मध्य रेलवे निर्माण संगठन, दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद और गुंटूर डिवीजनों में सिविल, इलेक्ट्रिकल, एस एंड टी कार्यों के साथ मोटूमारी स्टेशन (10.877 किमी) पर आरओआर सहित एमओटूमारी और विष्णुपुरम स्टेशनों के बीच किमी 0.00 से किमी 88.81 (यानी, 88.81 किमी) तक नई बीजी डबल लाइन के निर्माण के संबंध में परियोजना प्रबंधन सेवाएं (पीएमएस) प्रदान करने के लिए प्राधिकरण इंजीनियर की नियुक्ति। **विवरण: अनुमानित लागत:** रु. 21,29,37,200.00। पूधरा राशि: रु. 12,14,700.00। पूरा करने की अवधि: 42 (बयालीस) महीने। खुलने की तिथि: 25-07- 2024 15:00 बजे।

1) बोली दस्तावेज और अन्य विवरण के लिए, कृपया वेबसाइट https://ireps.gov.in पर लॉग इन करें।
2) निविदाकर्ता निविदा प्रस्तुत करने की अवधि के दौरान अपने प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं जो निविदा बंद होने से पहले पंद्रह दिन की अवधि है।
3) निविदाकर्ताओं को निविदा प्रस्तुत करने की अवधि के प्रारंभ होने की तिथि तक किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) के लिए देखना चाहिए। **मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, (निर्माण), सिकंदराबाद।**
A0685

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में अमावस्या के अवसर पर गौशाला के अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, कोषाध्यक्ष डगलाराम सेपटा, अर्जुनलाल बर्फा, भंवरलाल मुलेवा, पारसमल शर्मा, बाबूलाल मुलेवा, गोपाराम मुलेवा, भगाराम मुलेवा, भोजन प्रसादी लाभार्थी पवन हाम्बड़, भीकाराम पंवार, चेलाराम पंवार, बगदाराम बर्फा, नवरत्न पंवार, प्रकाश हाम्बड़, राजेश हाम्बड़, पांचाराम पंवार, चन्दू पंवार, राजू पंवार, गौतम पंवार। इस अवसर पर आईमाता जी भजन मण्डली बालाजी नगर द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया। जिसका गौभक्तों ने आनंद लिया। इस अवसर पर हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया गया।

आईआरसीटीसी ने फिर की ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा की घोषणा

09 दिवसीय यात्रा 22 जून को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होगी

हैदराबाद, 06 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत गौरव ट्रेन दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) में एक बड़ी सफलता रही है, जो सभी यात्राओं के लिए लगातार अच्छे संरक्षण में दिखाई देती है। रेल यात्रियों की प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने सिकंदराबाद से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन की एक और यात्रा की योजना ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा बनाई है। रेल उपयोगकर्ताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलने पर, आईआरसीटीसी फिर से ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा लेकर आ रहा है। ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा की ये 09 दिवसीय

यात्रा आगामी 22 जून को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होगी। ट्रेन दक्षिण भारत के दिव्य/तीर्थ स्थानों जैसे तिरुवन्नामलाई (अरुणाचलम)-रामेश्वरम-मदुरै- कन्याकुमारी-त्रिवेन्द्रम-त्रिची--तंजावुर को कवर करेगी।

ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सभी रेल यात्रियों को रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने का अनूठा अवसर प्रदान करती है, साथ ही अन्य महत्वपूर्ण तीर्थ स्थानों को भी कवर करती है। गौरतलब है कि यह ट्रेन तेलंगाना के सिकंदराबाद, काजीपेट, वारंगल और खम्मम के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा, तेनाली, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर और रेनिगुंटा में यात्रियों को बोर्डिंग/डी-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान करती है।

पूरी यात्रा 8 रातों/9 दिनों की अवधि में तय की जाएगी। यह ट्रेन व्यक्तिगत योजना बनाने और यात्रियों के लिए उपयुक्त ट्रेन, आवास, भोजन आदि जैसी सभी संबंधित व्यवस्थाएं करने में आने वाली सभी कठिनाइयों से बचाती है। इसमें सभी यात्रा सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन दोनों सहित), आवास सुविधा, खानपान व्यवस्था जैसे सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड दोनों, पेशेवर और मैत्रीपूर्ण टूर एस्कॉर्ट्स की सेवाएं, सुरक्षा शामिल हैं। ट्रेन में सभी कोचों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों सहित सभी कोचों में सार्वजनिक घोषणा सुविधा, यात्रा बीमा और सहायता के लिए यात्रा के दौरान आईआरसीटीसी टूर मैनेजरों की उपस्थिति रहेगी।

इस बीच, अयोध्या-काशी की 19वीं पुण्य क्षेत्र यात्रा, भारत गौरव ट्रेन 08 जून को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू करेगी। ट्रेन 100% पूर्ण अधिभोग के साथ 726 पर्यटकों को ले जाएगी। यह तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य के सभी रेल यात्रियों को आध्यात्मिक ज्ञान के लिए नवनिर्मित राम जन्मभूमि (अयोध्या) और एक ज्योतिर्लिंग काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन करने या गया में पिंड प्रदान अनुष्ठान (अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करने) का अनूठा अवसर प्रदान करता है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि भारत गौरव टूरिस्ट सर्किट ट्रेन तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सभी रेल यात्रियों को रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि ट्रेन द्वारा दी जा रही एंड-टू-एंड सेवाएं न केवल पर्यटकों के लिए व्यक्तिगत योजना से बचकर समय बचाने में उपयोगी हैं, बल्कि किफायती भी हैं। यात्रा के दौरान प्रति व्यक्ति किराया जीएसटी सहित इकोनॉमी श्रेणी (एसएल) में 14,250 रुपए, स्टैंडर्ड स्टैंडर्ड श्रेणी (3एसी) में 21, 900 रुपए और आरामदायक श्रेणी (2एसी) में 28, 450 रुपए निर्धारित है।

NAME CORRECTION
I hereby declare that I am known as Jagdish Mansukhlal Savadia S/o Mansukhlal Savadia, aged 79 years, R/o H.No.3-5-796, Flat No. 408, Mahaveer apartments, Opp: Bharatiya Vidya Bhavan, King Koti, Nampally, Hyderabad – 500001, state that my name in my son's Passport No. L6532751 is printed as **JAGDISH CHANDRA SAVADIA**. By way of this newspaper publication, to make known to the public that my name is **JAGDISH MANSUKHLAL SAVADIA** and **JAGDISH CHANDRA SAVADIA**. Therefore, for all the legal purposes, may name is to be considered as **JAGDISH MANSUKHLAL SAVADIA.**

CHANGE OF NAME
I, Zareefa Bano spouse of Army No.14667682W Hav Nazir Ahmed, R/o. Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad have changed my name from **ZAREEFA BANO** to **ZARIFA BEGUM** vide affidavit dt:6-6-2024 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

सराफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)

सोना : 75,430/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 95,486/- (प्रति किलोग्राम)

बिहार महिला एसोसिएशन ने वट पूजा दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में मनाई। इस मौके पर भारी संख्या में महिलाओं ने आकर वट पूजा की।

फ्रेंड्स ग्रुप कमाठीपुरा मंगलहाट द्वारा अमावस्या के उपलक्ष्य में अन्नप्रसाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनोज अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, महेश, नामदेव, यश अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शेयर मार्केट

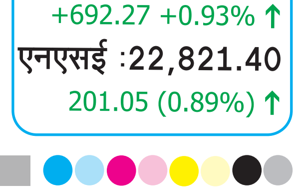

बीएसई : 75,074.51
+692.27 +0.93% ↑

एनएसई :22,821.40
201.05 (0.89%) ↑

PUSHPA RESIDENCY-1

Quality Living Starts Here

Ready to occupy @ Thumkunta <<SHAMIRPET

TYPICAL FLOOR PLAN

- 2 Bhk
- Parking 2 wheeler & 4 Wheeler
- 100% Vaastu

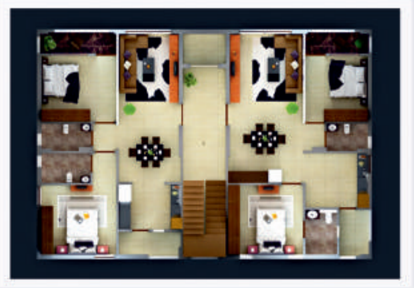

SCAN FOR SITE LOCATION

Everyone love to live in a beautiful & luxurious home where elders are happy & children grow up in a healthy environment. To experience the comfort of a spacious flat in a good neighbourhood, where fresh air & abundant water & the blissful silence of environment invites your family to live in comfort. Pushpa Residency is a prestigious project by Basai Group who have executed several successful projects. Their strength in the construction field can be gauged by the quality and dedication they bring to every project. we work hard to ensure customer satisfaction ... So why to wait now we provide you the luxurious flat in Thumkunta, Shamirpet .

FOR DETAILS

+91 77991 23471
94901 18708

Email : pushparesidency1@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.